www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, गुरुवार, 30 नवम्बर, 2023 | वर्ष-16 | अंक -235 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

बंगाल से अधिकतम सीटों के साथ भाजपा को केंद्र की ... 02
■ एमसीडी स्कूलों की बदलेगी तस्वीर
■ दिल्ली नगर निगम की बैठक में हंगामा 03
■ संघर्ष विराम को दो दिन और बढ़ाने पर सहमत हुए...
■ यूरोप की ट्रेन सुरक्षा प्रणाली के लिए चुनौती है भारतीय... 07
हाथ से बुने कपड़ों को ज्यादा पसंद करती हैं सोनम कपूर 10

'हेट स्पीच' पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नफरती भाषणों पर होनी चाहिए कार्रवाई

सुप्रीम कोर्ट फरवरी में कई याचिकाओं पर सुनवाई करने पर हुआ सहमत

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि किसी भी और सभी प्रकार के नफरत भरे भाषणों के खिलाफ कार्रवाई जरूर की जानी चाहिए। कोर्ट की यह टिप्पणी तब आई जब वह हेट स्पीच के मुद्दे पर लोगों और समूहों की ओर से दायर की गई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। कोर्ट फरवरी में कई याचिकाओं पर सुनवाई करने पर सहमत हो गया है, जिनमें नफरत फैलाने वाले भाषणों पर अंकुश लगाने के लिए एक तंत्र स्थापित करने की मांग की गई है।

जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा, 'हम घृणा फैलाने वाले भाषणों की समस्या की देशभर में निगरानी नहीं कर सकते। भारत जैसे बड़े देश में समस्याएं तो होंगी ही लेकिन सवाल यह पूछा जाना चाहिए कि क्या हमारे पास इससे निपटने के लिए कोई प्रशासनिक तंत्र है।' सुनवाई कर रही बेंच में जस्टिस एसवीएन भट्टी भी शामिल थे। मामले को अगले साल फरवरी में सुनवाई के लिए पोस्ट करते हुए बेंच ने कहा, 'समाज को पता होना चाहिए कि अगर किसी कानून का उल्लंघन किया जाता है तो उसके बाद कार्रवाई होगी। हम ये कार्यवाही देशभर के आधार पर नहीं कर सकते, नहीं तो हर दिन अर्जियां आती रहेंगी।'

'समाज को पता होना चाहिए कि अगर किसी कानून का उल्लंघन किया जाता है तो उसके बाद कार्रवाई होगी।'

याचिका में एक तंत्र स्थापित करने की मांग

पुलिस प्रमुखों को स्वतः संज्ञान लेने को कहा था

इससे पहले अप्रैल में देश के धर्मनिरपेक्ष चरित्र को संरक्षित करने के महत्व पर जोर देते हुए कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस प्रमुखों को किसी भी धर्म के लोगों की ओर से दिए गए नफरत भरे भाषणों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर मामले दर्ज करने का निर्देश दिया था, साथ ही निर्देश का पालन नहीं होने पर अवमानना की कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

नोडल अधिकारी नियुक्त करने का दिया था निर्देश

2018 में तहसीन पूनावाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिए थे और उन्हें घृणा अपराधों को रोकने और यहां तक कि अपराध दर्ज करने के लिए जिम्मेदार एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश भी दिया था।

सुप्रीम कोर्ट से केंद्र के फैसले पर लगाई मुहर

दिल्ली के मुख्य सचिव के सेवा विस्तार को मंजूरी

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार का कार्यकाल छह महीने और बढ़ाने के केंद्र के फैसले को अपनी सहमति दे दी है। इस मामले में कई सुनवाइयों के बाद मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बुधवार को केंद्र के फैसले को बरकरार रखा। पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार के फैसले को 'कानून का उल्लंघन नहीं माना जा सकता।' पीठ ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय को मुख्य सचिव का कार्यकाल बढ़ाने का अधिकार है।

मणिपुर में उग्रवादी गुट ने डाले हथियार

■ **यूएनएलएफ ने हिंसा का रास्ता छोड़ा**
■ **केंद्र व राज्य सरकार से किया समझौता**

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। पिछले कई महीनों से हिंसा की घटनाओं से जूझ रहे मणिपुर के लिए राहत की खबर है कि वहां के एक सशस्त्र समूह यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) ने केन्द्र और राज्य सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते पर हस्ताक्षर के बाद केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा, एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। पूर्वोत्तर में स्थायी शांति स्थापित करने के मोदी सरकार के अथक प्रयासों में एक नया अध्याय जुड़ गया है क्योंकि यूएनएलएफ ने आज नई दिल्ली में एक शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। यूएनएलएफ ने यह फैसला केंद्र सरकार की ओर से ग्रुप पर कई साल पहले लगे बैन को पांच साल बढ़ाने के बाद लिया। केंद्र ने 13 नवंबर 2023 को मणिपुर के यूएनएलएफ सहित कुल पांच उग्रवादी समूहों पर लगे प्रतिबंध को पांच साल बढ़ा दिया था। साथ ही पांच अन्य उग्रवादी समूहों पर भी पांच साल का प्रतिबंध लगाया था। यह प्रतिबंध इनकी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों और सुरक्षा बलों पर घातक हमले करने के कारण लगाया गया। ये समूह मणिपुर में सक्रिय हैं। यह प्रतिबंध 13 नवम्बर 2023 से ही लागू हो गया था। शाह ने कहा, मणिपुर का सबसे पुराना घाटी स्थित सशस्त्र समूह यूएनएलएफ मुख्यधारा में शामिल होने पर सहमत हो गया है।

गृह मंत्री शाह ने ऐतिहासिक उपलब्धि बताया

सार संक्षेप

साहित्य अकादमी का पुस्तक मेला एक दिसम्बर से

नई दिल्ली। संस्कृति राज्य मंत्री अर्जुन मेघवाल एक दिसंबर को साहित्य अकादमी का वार्षिक पुस्तक मेला 'पुस्तकायन' का उदघाटन करेंगे जिसमें 40 से अधिक प्रकाशक और 50 साहित्यकार-कलाकार भाग ले रहे हैं। साहित्य अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने बुधवार के यहां बताया कि पुस्तकायन पुस्तक मेले का द्वितीय संस्करण अपने परिसर में एक दिसंबर से नौ दिसंबर तक होगा।

अभिनव कुमार बनाए गए उत्तराखण्ड के नए डीजीपी

देहरादून। उत्तराखंड के नए डीजीपी का ऐलान हो गया है। 1996 बैच के आईपीएस अफसर अभिनव कुमार को उत्तराखंड का कार्यवाहक डीजीपी बनाया गया है। उत्तरखंड डीजीपी अशोक कुमार 30 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। उनके रिटायर होने से पहले आईपीएस अफसर अभिनव कुमार को बड़ी जिम्मेदारी दे दी गई है।

वायु प्रदूषण में सुधार, ग्रेप-तीन की पाबंदियां हटीं

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पिछले दो-तीन दिनों से मौसम में बदलाव से प्रदूषण में गिरावट दर्ज होने के मद्देनज़र ग्रेप-तीन से सबंधित पाबंदियों को हटा दिया गया है। श्री गोपाल राय ने बुधवार को कहा कि दिल्ली में ग्रेप-1 तथा ग्रेप-2 के नियम अभी लागू रहेंगे।

यूएनजीए में भारत ने नागरिकों की मौत की निंदा की

संयुक्त राष्ट्र। फिलिस्तीन पर संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में भारत ने हमास आतंकवाद और इजरायल की जवाबी कार्रवाई में बड़े पैमाने पर हुईं नागरिकों की मौत की निंदा की, लेकिन सीधे तौर पर दोनों का नाम नहीं लिया। फिलिस्तीन के लिए दो- देश समाधान और मानवीय सहायता के लिए समर्थन व्यक्त करते हुए, भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने आतंकी हमले की भी निंदा की।

अमेरीकी खुफिया रिपोर्ट के बाद कार्रवाई की तैयारी

नई दिल्ली। संगठित अपराधियों, हथियारबंद हमलावरों और आतंकियों को लेकर अमेरिका से मिली खुफिया जानकारी के बाद भारत कार्रवाई करने की तैयारी में है। इसके लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। जिसकी रिपोर्ट के बाद कार्रवाई शुरु हो जाएगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने अपने साप्ताहिक प्रेस कांफ्रेंस में इसकी जानकारी दी।

मतदान की सभी तैयारियां पूरी

तेलंगाना में 119 विधानसभा सीटों पर मतदान आज

हैदराबाद, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। तेलंगाना में 30 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर ली गई हैं। 119 विधानसभा सीटों के लिए गुरुवार सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। राज्य में 35,655 मतदान केंद्रों पर 3 करोड़ 26 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

सशस्त्र बलों की कुल 375 कंपनियां तैनात

इनमें से 12 हजार से ज्यादा मतदान केंद्रों को संवेदनशील घोषित किया गया है। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष और स्वतंत्र मतदान सुनिश्चित करने के लिए राज्य में व्यापक तैयारियां कीं है। शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय सशस्त्र बलों की कुल 375 कंपनियां, तेलंगाना विशेष पुलिस की 50 कंपनियां, 45 हजार राज्य पुलिस और पड़ोसी राज्यों से 23,500 होम गार्ड तैनात किए गए हैं। इस बीच दो लाख 5 हजार से अधिक कर्मियों को चुनाव ड्यूटी में लगाया गया है। हैदराबाद में पहली बार कुछ विशेष मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इनका प्रबंधन केवल महिलाओं, युवाओं या दिव्यांगों के हाथों में हैं।

■ **मतदान के लिए 35,655 केंद्र बनाए गए**
■ **3 करोड़ 26 लाख से अधिक है मतदाता**

राजस्थान-हरियाणा सहित 6 राज्यों में जारी किए दिशा निर्देश

चीन में फैली फेफड़े की बीमारी पर देश में अलर्ट

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। चीन में फेफड़े की रहस्यमयी बीमारी को लेकर केंद्र सरकार ने राजस्थान, कर्नाटक, गुजरात, उत्तराखंड, हरियाणा और तमिलनाडु को अलर्ट जारी किया है। इसके बाद राज्य सरकारों ने स्वास्थ्य विभाग को सांस से जुड़ी बीमारी के मरीजों के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है।

राज्य सरकारों ने लोगों के लिए भी एडवाइजरी जारी की है। इसमें लोगों को भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क का इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। पीडियाट्रिक यूनिट्स में बच्चों के इलाज के लिए पूरी व्यवस्था करने को कहा गया है। चीन में रहस्यमयी बीमारी का असर सबसे ज्यादा बच्चों पर हो रहा है। तेज बुखार के साथ फेफड़े फुला देने वाली इस बीमारी की वजह से हर रोज करीब 7 हजार बच्चे अस्पताल पहुंच रहे हैं। एक्सपर्ट का कहना है कि कोरोना की तरह ये बीमारी भी संक्रामक है।

बच्चों पर इसका असर सबसे ज्यादा

केंद्र पहले ही कर चुका आगाह

केंद्र सरकार ने 24 नवंबर को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी की थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने बताया कि भारत में चीन की रहस्यमयी बीमारी का एक भी मामला अभी सामने नहीं आया है। सरकार इस पर बारीकी से निगरानी कर रही है। प्रो-मेड नाम के एक सर्विलांस प्लेटफॉर्म ने 15 नवंबर को चीन में रहस्यमयी बीमारी को लेकर दुनियाभर में अलर्ट जारी किया था। प्रो-मेड ने कोरोना को लेकर भी दिसंबर 2019 में एक अलर्ट जारी किया था। ये प्लेटफॉर्म इंसानों और जानवरों में फैलने वाली बीमारियों की जानकारी रखता है। हालांकि, प्लेटफॉर्म ने ये नहीं बताया कि ये बीमारी सिर्फ बच्चों तक सीमित है या युवाओं और बुजुर्गों को भी अपनी चपेट में ले रही है। इस बीमारी ने कब फैलना शुरू किया, ये भी पता नहीं चल पाया है।

चीन ने किया इनकार

23 नवम्बर को चीनी मीडिया ने स्कूलों में रहस्यमय बीमारी फैलने की जानकारी दी थी। चीन ने बताया कि पीड़ित बच्चों में फेफड़ों में जलन, तेज बुखार, खांसी और जुकाम जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, चीन सरकार ने इन दावों को खारिज किया।

सुरंग से निकाले गए श्रमिकों से मोदी ने की बात

देहरादून, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। सिल्क्यारा सुरंग से 17 दिन बाद निकाले गए श्रमिको से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार सुबह फोन पर बात की। एक बचाए गए शख्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताया कि 41 मजदूरों ने सुबह की सैर और योग का अभ्यास करके अपना उत्साह बनाए रखा। एक अन्य ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और बचाव टीमों की सराहना की। उनमें से एक ने कहा कि उन्हें चिंता करने की कोई बात नहीं है, क्योंकि जब सरकार विदेशों में भारतीयों को बचा सकती है, तो हम देश के भीतर ही थे। मंगलवार देर रात बचाए गए मजदूरों के साथ अपनी फोन पर बातचीत में पीएम मोदी ने कहा कि इतने दिनों तक खतरे में रहने के बाद सुरक्षित बाहर आने पर मैं आपको बधाई देता हूं। यह मेरे लिए खुशी की बात है। मैं इसे शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। ईश्वर की कृपा है कि आप सभी सुरक्षित हैं।

प्रधानमंत्री ने बाहर निकलने पर श्रमिकों को दी बधाई

कांग्रेस ने कंपनी की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

देहरादून। उत्तरकाशी टनल हादसे में फंसे 41 श्रमिकों के सफर रेस्क्यू पर जहां एक ओर पूरा देश खुशियां मना रहा है तो वहीं उत्तराखण्ड में विपक्षी दल कांग्रेस रेस्क्यू ऑपरेशन पर सवाल उठा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि स्थानीय प्रशासन, केंद्रीय एजेंसियों और नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी के बीच समन्वय की कमी के कारण बचाव अभियान में लंबा समय लगा। करन माहरा ने कहा कि सरकार ने बहुत विलंब से सही रणनीति पर काम किया और सफलता मिली।

सपा है कांग्रेस से खफा

गठबंधन की बैठक में कांग्रेस के रवैए पर ऐतराज जताएगी सपा

■ **विंध्यवासिनी त्रिपाठी**

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। इंडिया गठबंधन के प्रमुख दल कांग्रेस के हाल के रवैए को लेकर समाजवादी पार्टी बेहद खफा बताई जा रही है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव कांग्रेस का नाम लेते ही लाल-पीले हो जा रहे हैं। बावजूद भाजपा को केंद्र की सत्ता से बेदखल करने के लिए सपा इंडिया गठबंधन में बने रहना चाहती हैं। पार्टी नेताओं का आरोप है कि पहले तो पांच राज्यों के चुनाव में कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन के सहयोगियों को गच्चा दिया। अब सहयोगी दलों के नेताओं को ही तोड़कर अपनी पार्टी में शामिल कर रही है। अगर ऐसे ही हालात रहे तो सपा के लिए इंडिया गठबंधन में बने रहना मुश्किल होगा। सपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि ताली दोनों हाथ से बजती है। इंडिया गठबंधन की अगली बैठक में समाजवादी पार्टी इस मुद्दे को उठाएगी। इसमें यह बात रखी जाएगी कि सहयोगी दल एक-दूसरे के नेताओं को न तोड़े। जैसा अभी कांग्रेस पार्टी उत्तरप्रदेश में कर रही है। ऐसा करना गठबंधन धर्म के खिलाफ होगा। अगर सपा भी इसी स्तर पर आ जाएगी तो स्थिति बहुत बिगड़ जाएगी। इसलिए अगर इंडिया गठबंधन को मजबूत करके आगे बढ़ना है तो एक-दूसरे को नुकसान पहुचाने और क्षेत्रीय नेताओं की बयानबाजी पर रोक लगनी होगी। कुछ दिन पहले सपा से पूर्व सांसद रवि वर्मा व जंग बहादुर सिंह पटेल के बेटे प्रमोद पटेल सपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

राजस्थान की अंजू 6 महीने बाद पाकिस्तान से लौटी

सुरक्षा एजेंसियों ने अंजू से की पूछताछ

अमृतसर, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान से पाकिस्तान गई अंजू बुधवार को अमृतसर के अटारी-वाघा बॉर्डर के जरिए भारत लौट आई। वह 6 महीने पहले पाकिस्तान गई थी और अपने फेसबुक दोस्त नसरूल्लाह से निकाह कर लिया था। अमृतसर पहुंचने पर सुरक्षा एजेंसियों ने उससे पूछताछ की। जिसमें उसके पाकिस्तान जाने के मकसद और 6 महीने वहां रहने के समय के बारे में पूछताछ की गई है। इसके बाद 34 साल की अंजू अमृतसर एयरपोर्ट के लिए रवाना हो गई। यहां से वह फ्लाइट के जरिए दिल्ली रवाना हुई। अंजू ने सिर दर्द का बहाना बना अमृतसर एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करने से मना कर दिया।

घोषणा *केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को दी मंजूरी*

पांच साल के लिए बढ़ाई गई गरीब कल्याण अन्न योजना

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को 1 जनवरी 2024 से अगले पांच साल के लिए बढ़ा दिया है। बुधवार को प्रधनमंत्री की अध्यक्षता वाले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस आशय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत गरीब परिवारों को हर महीने पांच किलो खाद्यान्न मुफ्त में दिया जाता है।

इसके अलावा अंत्योदय परिवारों को हर महीने 35 किलों मुफ्त खाद्यान्न भी मिलता रहेगा। केंद्र के इस फैसले से लगभग 81 करोड़ लोगों को फायदा होगा। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहाकि इस योजना के चलते अगले 5 साल में 11.80 लाख करोड़ राशि खर्च होगी। उन्होंने कहाकि मोदी सरकार के पिछले पांच साल के कार्यकाल में तकरीबन 13.50 करोड़ लोग गरीबी की रेखा से बाहर आए हैं। यह एक बड़ी उपलब्धि है। ठाकुर ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना लाई गई थी। अब इसे अगले पांच साल तक के लिए बढ़ाने का फैसला लिया गया है। यह योजना साल 2020 में महामारी के दौरान राहत देने के लिए शुरू की गई थी। ठाकुर ने बताया कि इसके अलावा मंत्रिमंडल के एक अन्य महत्वपूर्ण फैसले के तहत 15000 महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन उपलब्ध कराने की योजना को भी मंजूरी दी गई। इसके तहत दो साल के दौरान 1261 करोड रुपए का खर्च आएगा।

■ **लगभग 81 करोड लोगों को फायदा होगा**

सोलहवें वित्त आयोग को मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सोलहवें वित्त आयोग के लिए संदर्भ की शर्तों को मंजूरी दे दी है। मंत्रिमंडल के निर्णयों के अनुसार आयोग अपनी रिपोर्ट 31 अक्टूबर, 2025 तक उपलब्ध कराएगा। बैठक के बाद बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, सोलहवें वित्त आयोग के लिए संदर्भ की शर्तें उचित समय पर अधिसूचित की जाएंगी।

देश

उवाच

भाजपा सरकार ने पूंजीनिवेश के बड़े-बड़े दावे किए लेकिन जमीन पर कहीं कुछ दिखाई नहीं पड़ रहा है। न उद्योग लगे न रोजगार मिला। सड़कों को गड्ढ़ामुक्त करने के नाम पर बजट तो लुट गया पर गड्ढे नहीं भरे गए। सरकार भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रही है।

-अखिलेश यादव, सपा अध्यक्ष

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	21.0	16.0
मुंबई	27.0	25.0
कोलकाता	26.0	29.0
चेन्नई	25.0	24.0

मध्य प्रदेश के बालाघाट में एसडीएम निलंबित

डाक मत पत्रों में कथित अनियमितताओं के मामले में हुई कार्रवाई

डिप्टी कलेक्टर राहुल नायक को मिली बालाघाट एसडीएम की कमान

बालाघाट, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। बालाघाट में डाक मत पत्रों की समय से पहले शॉर्टिंग के मामले में एसडीएम गोपाल सोनी को निलंबित कर दिया गया है। उनके स्थान पर डिप्टी कलेक्टर राहुल नायक को प्रभार सौंपा गया है। इससे पहले नोडल अधिकारी हिम्मत सिंह (तहसीलदार) को भी इसी मामले में निलंबित किया जा चुका है। अब एसडीएम सोनी पर निलंबन की गाज गिरी है। जबलपुर संभाग कमिश्नर के आदेश पर बालाघाट कलेक्टर डॉक्टर गिरीश कुमार मिश्रा ने यह कार्रवाई की है। इससे पहले इस पूरे मामले की रिपोर्ट केंद्रीय चुनाव आयोग को भेजी गई थी। इसके बाद ही ये एक्शन लिया गया है।

बता दें, बालाघाट के ट्रेजरी ऑफिस में बने स्ट्रॉन्ग रूम में पोस्टल बैलेट से छेड़छाड़ का मामला प्रकाश में आते ही प्रदेश की सियासत गरमा गई थी। इस पूरे मामले को लेकर कांग्रेस हमलावर हो रही थी। आयोग भी कांग्रेस के निशाने पर आ गया था। इस निलंबन को लेकर कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के मीडिया विभाग के अध्यक्ष के के मिश्रा ने एक्स पर की अपनी पोस्ट में कहा कि इस मामले में पूर्व में नोडल अधिकारी भी निलंबित हो चुके हैं। अगर कांग्रेस इस मामले को लेकर कंफ्यूज्ड थी तो इतने लोगों का निलंबन क्यों हो रहा है। बालाघाट जिले से जुड़ा

एक वीडियो पिछले दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें कुछ कर्मचारी मतपत्रों को रखते हुए नजर आ रहे थे। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि बालाघाट जिले के इस वीडियो में कर्मचारी पोस्टल बैलेट पत्रों की गिनती कर रहे हैं। वहीं प्रशासन का तर्क था कि बैलेट पत्रों को व्यवस्थित तरीके से रखा जा रहा है। इस मामले में एक नोडल अधिकारी का निलंबन भी हो चुका है। कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस मामले में निर्वाचन आयोग में शिकायती पत्र भी सौंपा था। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राजीव सिंह और उपाध्यक्ष एवं चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जे पी धनोपिया ने कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल के साथ राजधानी भोपाल स्थित निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर इस संबंध में एक शिकायती पत्र सौंपा था। कांग्रेस का आरोप था कि बालाघाट कलेक्टर गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा पोस्टल वोट में कथित तौर पर गड़बड़ी की है। उन्होंने कलेक्टर सहित उक्त कार्य में शामिल सभी कर्मचारियों को निलंबित किए जाने की मांग की थी। पत्र में कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि बालाघाट से कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा एक वीडियो भेजकर शिकायत प्रेषित की गई है, जिसमें कलेक्टर बालाघाट एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा पोस्टल वोट में कथित गड़बड़ी किया जाना सामने आया है। उक्त घटना का वीडियो चित्रण भी पत्र के साथ निर्वाचन आयोग को सौंपा गया है।

बालाघाट कलेक्टर पर कार्रवाई किए जाने पर अड़ी कांग्रेस

कांग्रेस अभी बालाघाट कलेक्टर मिश्रा पर कार्रवाई किए जाने पर अड़ी है। मप्र कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महामंत्री सैयद जाफर का कहना है कि बालाघाट जिले में डाक मत पत्र के मामले में कलेक्टर और रिटर्निंग ऑफिसर डॉ. गिरीश मिश्रा की भूमिका भी संदिग्ध है, वे भी जल्दी ही फंसने वाले हैं। उन्होंने कई तथ्य छिपाए हैं। कांग्रेस पार्टी एमपी के जिम्मेदार अफसरों से अपील करती है कि अपने कर्तव्य का पालन करते हुए संविधान की मर्यादा का ध्यान रखें। जनता ने मैंडेट दे दिया है। उसे बदलने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कांग्रेस ने इस मामले की राष्ट्रीय चुनाव आयोग से भी शिकायत की है। पार्टी के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी और सलमान खुर्शीद समेत पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल कल दिल्ली स्थित चुनाव आयोग के कार्यालय पहुंचा और इस मामले की शिकायत की।

आयोग ने पहले यह दी थी सफाई

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने कहा था कि बालाघाट मामले में प्रकियात्मक त्रुटि सामने आई है। राजन ने कहा था कि मतपत्र की किसी तरह की गिनती नहीं हुई है। केवल डाक पत्र की विधानसभावार शॉर्टिंग की जा रही थी।राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की मौजदूगी में मतपत्र की शॉर्टिंग की गई थी। 3 बजे के निर्धारित समय से शॉर्टिंग होनी थी लेकिन नोडल अधिकारी ने 1:30 बजे से शॉर्टिंग शुरू कर दी। इसके साथ ही उसने शॉर्टिंग की सूचना भी ठीक तरह से नहीं दी। ऐसे में इस प्रकियात्मक त्रुटि के कारण नोडल अधिकारी को हटाया गया है। चुनाव आयोग को मामले की विस्तृत रिपोर्ट भेज दी है। बालाघाट मामले में हुई कार्रवाई पर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि घटना के संज्ञान में आते ही नियमों के आधार पर ही वहां के प्रशासन ने कार्रवाई की है। इसमें वहां लापरवाही या किसी अन्य प्रकार की कोई मंशा नहीं थी। जो भी लापरवाही हुई होगी, उस पर चुनाव आयोग ने भी संज्ञान लिया है। मध्य प्रदेश के बालाघाट में पोस्टल बैलेट में कथित अनियमितताओं के बीच कांग्रेस ने निर्वाचन आयोग से कई सवाल किए थे। मध्य प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष के के मिश्रा ने कहा था कि डाक मतपत्रों की गणना जब तीन दिसंबर को होनी है तो बालाघाट में 27 नवम्बर को स्ट्रांग रूम कैसे खोला गया। उन्होंने कहा था कि क्या इस कार्य के लिए चुनाव आयोग के ही निर्देश थे।

बंगाल से अधिकतम सीटों के साथ भाजपा को केंद्र की सत्ता में लौटाएं : अमित शाह

ममता पर राज्य को बर्बाद करने का लगाया आरोप

कोलकाता, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को बंगाल के लोगों से राज्य में अधिकतम सीटों के साथ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को केंद्र की सत्ता में वापस लाने का आह्वान किया। भाजपा के पूर्व अध्यक्ष शाह ने बुधवार को यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी को राज्य से ऐसा जनादेश दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गर्व से कह सकें कि वह बंगाल की वजह से तीसरी बार पीएम बने हैं। शाह ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस द्वारा बड़े पैमाने पर धांधली करने के बावजूद, भाजपा ने 2021 के विधानसभा चुनाव में 77 सीटें और 2019 के लोकसभा चुनाव में 18 सीटें जीतीं।

साथ ही उन्होंने बंगाल के लोगों से 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को दो-तिहाई बहुमत के साथ सत्ता में लाने की अपील की। मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा कि वह प्रधानमंत्री की किसी भी विकास परियोजना को पटरी से उतारने के लिए हमेशा तैयार रहती हैं।

उन्होंने कहा, मेरे पूरे राजनीतिक जीवन में, मैंने बंगाल जैसी स्थिति नहीं देखी जहां कई मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गए। सुश्री बनर्जी पर राज्य को 'बर्बाद' करने का आरोप लगाते हुए शाह ने यह भी आरोप लगाया कि बंगाल

में घुसपैठ अभी भी बढ़ रही है। शाह ने कहा, नागरिकता (संशोधन) अधिनियम देश का कानून है और इसे कोई नहीं रोक सकता तथा हम इसे लागू करेंगे। उन्होंने तृणमूल सिंडिकेट पर मोदी द्वारा भेजी गई बड़ी रकम को बंगाल के गरीबों तक नहीं पहुंचने देने का भी आरोप लगाया।

अमित शाह ने सार्वजनिक रैली से पहले कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भाजपा बंगाल के लोगों की पहली पसंद बनकर उभरी है। आगामी चुनावों में भाजपा की जीत और ममता दीदी (तृणमूल प्रमुख एवं मुख्यमंत्री) के नेतृत्व वाली टीएमसी का पतन निश्चित है। आज कोलकाता में 'प्रतिवाद सभा' को संबोधित करने के लिए उत्सुक हूं। इस बीच राज्य में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि तृणमूल नेताओं के 'भ्रष्टाचार' के कारण बंगाल के लोग अपने अधिकारों से वंचित हैं।

सार संक्षेप

तेलंगाना में मतदान आज

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए मतदान गुरुवार को होगा, जिसमें 3.26 करोड़ से अधिक मतदाता 2,290 उम्मीदवारों की राजनीतिक किस्मत का फैसला करेंगे। चुनाव आयोग ने सभी 119 निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान के लिए विस्तृत व्यवस्था की है। 35,655 मतदान केंद्रों पर 1.85 लाख से अधिक मतदान कर्मी तैनात किये जायेंगे, जबकि 22,000 माइक्रो पर्यवेक्षक पूरी मतदान प्रक्रिया पर नजर रखेंगे। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के तहत राज्य से कुल 45,000 कर्मी, अन्य विभागों से 3,000 कर्मी, तेलंगाना राज्य विशेष पुलिस की 50 कंपनियां और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 375 कंपनियां तैनात की गई हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) विकास राज ने कहा कि पड़ोसी राज्यों से 23,500 होमगार्ड भी ड्यूटी पर रहेंगे। मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक होगा।

छग में चुनाव के बाद पहली बार सोनिया से मिले बघेल

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में दो चरणों का मतदान संपन्न होने के कुछ दिनों बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बुधवार को कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की। बघेल सुबह यहां 10 जनपथ स्थित सोनिया गांधी के आवास पर पहुंचे। पार्टी सूत्रों के अनुसार दोनों नेताओं के बीच बैठक 30 मिनट से अधिक समय तक चली, जिसके दौरान उन्होंने छत्तीसगढ़ में मतदान पर चर्चा की, जहां कांग्रेस लगातार दूसरे कार्यकाल पर नजर गड़ाए हुए है। सूत्र ने कहा कि बघेल ने सोनिया गांधी को राज्य में दो चरणों में हुए मतदान से अवगत कराया। पहला चरण 7 नवम्बर को 20 विधानसभा सीटों के लिए और दूसरा चरण 17 नवम्बर को 70 विस सीटों पर हुआ था। कांग्रेस नेताओं ने चुनाव नतीजों पर चर्चा की।

मतगणना के लिए दिया जाएगा प्रशिक्षण

जयपुर। विधानसभा चुनाव के तहत जयपुर जिले की 19 विधानसभा सीटों के लिए जेएलएन मार्ग स्थित राजस्थान कॉलेज एवं कॉमर्स कॉलेज में तीन दिसंबर को सुबह 8 बजे से मतगणना प्रक्रिया शुरू होगी। जिला निर्वाचन कार्यालय मतगणना की आवश्यक व्यवस्थाओं एवं इंतजामों को अंतिम रूप देने में जुटा है। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि कॉमर्स कॉलेज में चौमूं, फुलेरा, चाकसू, किशनपोल, विद्याधर नगर, आमेर, विराटनगर, जमवारागढ़, बस्सी एवं शाहपुरा सहित कुल 10 विधानसभा क्षेत्र के लिए मतगणना होगी। तो वहीं, राजस्थान कॉलेज में झोटवाड़ा, बगरू, दूदू, सांगानेर, आदर्श नगर, सिविल लाइन्स, मालवीय नगर, हवामहल एवं कोटपूतली सहित 9 विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतगणना होगी।

ओडिशा की रोजालीन पाटसाणी मिश्रा ने संथाली बुनाई परंपरा को किया पेश

नई दिल्ली 29 नवम्बर (देशबन्धु)। । ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में भारतीय हथकरघा ने अपनी दस्तक दे दी है। इस दौरान ओडिशा की रोजालीन पाटसाणी मिश्रा ने संथाली बुनाई परंपरा के बारे में उत्साहपूर्वक जानकारियां देते हुए इसे पेश किया। इस दौरान ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ लॉर्ड्स में भारत के विभिन्न क्षेत्रों के हथकरघा पर प्रकाश डाला गया। विश्व विरासत सप्ताह के अवसर पर हस्त शिल्पम नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर भूपेश गुप्ता ने बताया कि ब्रिटेन स्थित कला दान, संस्कृति सेंटर फॉर कल्चरल एक्सीलेंस द्वारा किया गया था और इसकी मेजबानी बैरोनेस वर्मा ने की थी। वर्मा ब्रिटेन के पूर्व ऊर्जा और जलवायु परिवर्तन मंत्री और वर्तमान में रोहेम्प्टन विश्वविद्यालय के चांसलर हैं। इस अवसर पर बैरोनेस वर्मा ने परंपराओं और विरासत के संरक्षण पर ध्यान देने का आवाह्न किया तथा संस्कृति, विरासत और कला के विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूकता बढ़ाने के निरंतर प्रयासों के लिए संस्कृति केंद्र की सराहना की। राजस्थान, सिंध, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना और ओडिशा की हथकरघा और बुनाई परंपराओं को डॉ. अंजलि शर्मा तिवारी, डॉ. लखुमल लुहाना, डॉ. पृथा दासमहापात्र, ताबा मेनिया, मंजू सुनील, मधुश्री मूर्ति, हर्षा रानी, अनन्या विलिना और वनमाला आचा द्वारा समृद्ध प्रस्तुतियों और आकर्षक नृत्यों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया।

छत्तीसगढ़ में मतगणना को लेकर सभी तैयारियां पूर्ण

रायपुर, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ की सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों के लिए दो चरणों में हुए मतदान के बाद आगामी तीन दिसम्बर को होने वाली मतगणना की सभी तैयारियां पूरी हो गई है। सभी 33 जिला मुख्यालयों में मतगणना होंगी। राज्य की मुख्य निर्वाचन अधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने बताया कि सभी मतगणना केंद्रों में प्रेक्षकों की निगरानी में होने वाली मतगणना के लिए प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 14 टेबल लगाए जाएंगे। मतों की गिनती सुबह आठ बजे से शुरू होगी जिसमें सबसे पहले सेवा मतदाताओं के मतों की गणना होगी।

सबसे पहले ईटीपीबीएस से प्राप्त मतों के क्यूआर कोड की स्कैनिंग की जाएगी। उसके बाद डाक मतपत्रों की गिनती शुरू होगी। उन्होंने बताया कि साढ़े आठ बजे के बाद सभी टेबलों पर एक साथ मतगणना शुरू होगी। 90 विधानसभा सीटों में से कवर्धा में सबसे अधिक 30 चक्रों में मतगणना होगी। इसके बाद कसडोल में 29 चक्र होंगे। वहीं सबसे कम मनेन्द्रगढ़ एवं भिलाई नगर में 12 चक्रों में मतगणना होगी। उन्होंने बताया कि कड़ी सुरक्षा के बीच

- 90 विस सीटों में से कवर्धा में सबसे अधिक तीस चक्रों में होगी मतगणना
- सभी 33 जिला मुख्यालयों पर तीन दिसंबर को मतगणना होगी

मतगणना केन्द्रों में होने वाली मतों की गिनती के दौरान बिना प्राधिकार पत्र के किसी भी व्यक्ति को मतगणना कक्ष में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। कंगाले ने बताया कि पूरी मतगणना प्रक्रिया की रिकार्डिंग भी रखी जाएगी। इस दौरान प्रेक्षक तथा रिटर्निंग ऑफिसर को छोड़कर मतगणना कक्ष में किसी को भी मोबाइल ले जाने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा कोई भी अन्य व्यक्ति अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरण यथा आईपेड, रिकार्डर, वीडियो कैमरा जैसे अन्य उपकरण नहीं ले जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि मतगणना के दौरान अभ्यर्थी किसी भी टेबल पर जाकर मतगणना को देख सकेंगे जबकि अभ्यर्थी के अभिकर्ता सिर्फ निर्धारित टेबल पर ही मतगणना का निरीक्षण करेंगे। मतगणना की पूरी कार्यवाही मतगणना प्रेक्षक तथा सामान्य प्रेक्षक की उपस्थिति तथा निगरानी में होगी। इस दौरान प्रत्येक राउंड की समाप्ति पर अभ्यर्थी या उनके अभिकर्ता की उपस्थिति एवं प्रेक्षक की निगरानी में रैंडम आधार पर किसी दो कंट्रोल यूनिट की जांच की जाएगी।

बीजापुर में गड़बड़ियों की भाजपा की शिकायत को आयोग ने पाया निराधार

रायपुर। चुनाव आयोग ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन स्ट्रांग-रूम में संधारित नहीं होकर खुले में रखे पाए जाने की मुख्य विपक्षी दल भाजपा की शिकायत को जांच के बाद निराधार करार दिया है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने इस संबंध में स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रशिक्षण हेतु निर्धारित इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन जिनके सीरियल क्रमांक की जानकारी उम्मीदवारों को पूर्व से ही दी गई है, उन्हें प्रशिक्षण हेतु निर्धारित प्रशिक्षण स्थल कलेक्टरेट सभाकक्ष बीजापुर में लाया गया था तभी दूर से फोटो लिया गया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने इसके साथ ही मौके पर मतपेटियों के खुली पाए जाने तथा फटे मतपत्र चारों-ओर बिखरे पड़े होने एवं मत-पेटियों तथा मतपत्रों से छेड़-छाड़ के संबंध में स्पष्ट किया है कि विधानसभा निर्वाचन में डाक मतपत्र के लिफाफे गुलाबी रंग के हैं, जबकि प्रचारित फोटो और वीडियो में भूरे रंग के लिफाफों को दर्शाया गया है, जिस से स्पष्ट है कि यह डाक मतपत्र या उनके लिफाफे नहीं हैं।

राजस्थान में मतगणना को लेकर निर्वाचन दलों दिया गया प्रशिक्षण

जयपुर,29 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान में 25 नवम्बर को हुए मतदान के लिए प्रदेश में 36 मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। जयपुर, जोधपुर और नागौर में मतगणना के लिए दो-दो सेंटर बनाए गए हैं। इसके लिए बुधवार से प्रदेश में निर्वाचन दलों की ट्रेनिंग भी शुरू कर दी गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतगणना दलों के लिए सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों, रिटर्निंग अधिकारियों, अतिरिक्त रिटर्निंग अधिकारियों एवं आईटी स्टाफ को बुधवार को ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया। गुप्ता ने बताया कि दोपहर 12 से एक बजे तक

ईटीपीबीएमस मतगणना, दोपहर एक से 2.30 बजे तक पोस्टल बैलेट काउंटिंग एवं तीन बजे से शाम पांच बजे तक ईवीएम मतगणना को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। तीन दिसंबर को सुबह आठ बजे से सभी केंद्रों पर पोस्टल बैलेट और 8.30 बजे से ईवीएम के माध्यम से मतगणना आरंभ हो जाएगी।

मतगणना में पूर्ण निष्पक्षता बनी रहे, इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अपनाई जा चुकी 'मैंडेटरी वैरीफिकेशन' पद्धति को भी लागू किया जाएगा।

मतगणना को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

जयपुर, जोधपुर एवं नागौर में दो-दो केंद्रों पर और शेष 30 निर्वाचन जिलों में एक-एक केंद्र पर वोटों की गिनती की जाएगी। इस तरह 199 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 36 केंद्रों पर मतगणना की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी गुप्ता ने कहा कि मतगणना स्थल और उसके आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजामात किए गए हैं। मतगणना स्थल पर प्रवेश के लिए त्रि-स्तरीय सुरक्षा की व्यवस्था की गई है, ताकि मतगणना स्थल पर किसी तरह का कोई व्यवधान न आए।

बालोद में मतगणना को लेकर प्रशासन मुस्तैद

बालोद,29 नवम्बर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में हुए विधानसभा चुनाव के लिए मतगणना का कार्य पूरी तरह से त्रुटिरहित और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो इसके लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं और ईवीएम, वीवीपेट से मतगणना के लिए गणना सुपरवाईजर और गणना सहायकों को प्रशिक्षण भी दिया गया। जिसका नेतृत्व जिला निर्वाचन अधिकारी कुलदीप शर्मा ने किया।

इस दौरान कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने गणना सुपरवाईजर और गणना सहायकों को उनके कार्यों और दायित्वों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। मीडिया से चर्चा करते हुए कलेक्टर ने बताया कि मतगणना की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं, तीनों विधानसभा की गणना स्ट्रांग रूम पाकुरभाट में की जाएगी। कलेक्टर ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सभी अधिकारी-कर्मचारियों को पूरी गंभीरता के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर मतगणना तिथि तीन दिसम्बर को समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए पूरी गंभीरता एवं विशेष सावधानी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने को कहा।

फर्जी हिंदुत्व की आड़ में जनता को गुमराह कर रही है भाजपा : नीरज

जदयू ने भाजपा पर खड़े किए कई गंभीर सवाल

पटना, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। बिहार विधान परिषद सदस्य और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता नीरज कुमार ने राज्य के विद्यालयों में अवकाश को लेकर मचे घमासान के बीच आज भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला और कहा कि भाजपा फर्जी हिंदुत्व की आड़ में जनता को गुमराह कर रही है। कुमार ने बुधवार को फेसबुक लाइव के माध्यम से भाजपा पर कई गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी फर्जी हिंदुत्व के नाम पर

जनता के बीच भ्रम फैला रही है। उन्होंने पूछा कि देशभर के केंद्रीय विद्यालय केंद्र सरकार द्वारा संचालित किए जाते हैं और मौजूदा समय में केंद्र में तथाकथित हिंदूवादी भाजपा की सरकार है लेकिन हैरानी का विषय यह है कि केंद्रीय विद्यालयों में महाशिवरात्रि, रक्षाबंधन, गोवर्धन पूजा, भाईदूज, रामनवमी, अनंत पूजा और जितिया पर्व की एक भी छुट्टी नहीं है। इससे साफ पता चलता है कि भाजपा हिंदुत्व के प्रति कितनी संवेदनशील है। विधान पार्षद ने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार हिंदुत्व का दंभ भरती है और हम जानते हैं कि पूर्वांचल के प्रत्येक घरों में छठ महापर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है लेकिन यह जानकर आश्चर्य हुआ कि उत्तर प्रदेश में छठ की छुट्टी केवल एक दिन ही है। उन्होंने कहा कि भाजपा को बताना चाहिए कि छठ महापर्व मानने वाले पूर्वांचलवासियों के साथ यह दोहरा रवैया क्यों।

चुनाव *16वीं विधानसभा के लिए हुए चुनाव में 183 महिलाओं ने लड़ा चुनाव*

राजस्थान में अब तक 198 महिलाएं पहुंची विधानसभा

जयपुर, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान में 16वीं विधानसभा के लिए गत 25 नवम्बर को हुए चुनाव में 183 महिलाओं ने चुनाव लड़ा है जबकि इससे पहले आजादी के बाद हुए पन्द्रह विधानसभा चुनावों में 1069 महिलाओं ने चुनाव लड़ा जिनमें 198 महिलाएं विधानसभा पहुंची। पिछले सत्तर से अधिक वर्षों में इन पन्द्रह विधानसभा चुनावों में 1069 महिलाओं ने चुनाव।

लड़ा और इनमें 18.52 प्रतिशत महिलाएं विधानसभा पहुंची। इनमें कई महिलाएं एक से अधिक बार भी चुनाव जीता। इनमें जोधपुर की सूर्यकांता व्यास छह बार विधानसभा का चुनाव जीता। इसी तरह पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे झालावाड़ जिले में झालरापाटन विधानसभा क्षेत्र से चार बार विधायक चुनी गई और दो बार प्रदेश की मुख्यमंत्री बनी। इस बार फिर चुनाव लड़ा हैं। इसी तरह अन्य कई महिलाएं एक से

- आजादी के बाद हुए पन्द्रह विस चुनावों में 1069 महिलाओं ने चुनाव लड़ा

अधिक बार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची। राजस्थान की 16वीं विधानसभा के लिए गत 25 नवंबर को मतदान हो चुका है जिसका परिणाम तीन दिसंबर को आयेगा। इस चुनाव को मिलाकर राज्य में अब तक हुए 16 विधानसभा चुनावों में 1252 महिलाएं विधानसभा का चुनाव लड़ चुकी हैं। राज्य में इस बार हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने सर्वाधिक 28 महिलाओं को चुनाव लड़ाया जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 20 महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा। इसी तरह बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने भी करीब 20 महिलाओं को चुनाव लड़ने का अवसर दिया। इसके अलावा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) आम आदमी पार्टी सहित अन्य राजनीतिक दलों ने भी महिलाओं को टिकट देकर इस चुनाव में उतारा।

वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 27 महिलाओं को चुनाव लड़ने का मौका दिया जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 23 महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा था। इनमें कांग्रेस की 12 महिला उम्मीदवार विधानसभा पहुंची जबकि भाजपा की दस महिला प्रत्याशियों ने चुनाव जीता। इस चुनाव में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी की प्रत्याशी इंदिरा देवी और निर्दलीय प्रत्याशी रमिला खड़िया भी चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची। इस बार 16वीं विधानसभा के चुनाव में रमिला खड़िया ने कांग्रेस प्रत्याशी एवं इंदिरा रालोपा उम्मीदवार के रूप में फिर चुनाव लड़ा हैं। पिछले पन्द्रह विधानसभा चुनावों में सर्वाधिक वर्ष 2008 एवं 2013 में क्रमशः 28-28 महिलाएं चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची। वर्ष 2008 में 154 महिला प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा जबकि वर्ष 2013 में 166 महिलाओं ने विधानसभा का चुनाव लड़ा। इन दो चुनावों के बाद वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में 189 महिलाओं ने चुनाव लड़ा और 24 महिला उम्मीदवार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

एक दिन भगवान ने एक आदमी की मेमोरी डिलीट कर दी। फिर उससे पूछा क्या तुम्हें कुछ याद है? आदमी ने अपनी पत्नी का नाम बता दिया।

भगवान हंसकर बोले : पूरा सिस्टम फॉर्मेट कर दिया पर वायरस फिर भी रह गया।

एमसीडी स्कूलों की बदलेगी तस्वीर

दिल्ली नगर निगम में 6589 नई नौकरियों का किया प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम की आप सरकार 6589 लोगों को नौकरी देगी। इस संबंध में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज दिल्ली के लोगों के लिए एक और खुशखबरी है। आज हमने दिल्ली नगर निगम में 6589 नई नौकरियों का प्रस्ताव पारित किया है। इन नई नौकरियों में 2949 सिक्योरिटी गार्ड और 3640 सफाई कर्मियों की नौकरियां होंगी। एमसीडी के स्कूलों में अब साफ-सफाई के लिए अलग से सफाईकर्मी और सुरक्षा के लिए सिक्योरिटी गार्ड होंगे। दिल्ली सरकार की तरह हम नगर निगम में भी शिक्षा को प्राथमिकता के आधार पर लेकर काम कर रहे हैं। इन नई नौकरियों से हमारे बहुत से युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। हमारा मकसद आने वाली पीढ़ी को तैयार करना है, उन्हें बेहतर माहौल देना है। शिक्षा के क्षेत्र में हम किसी भी स्तर पर कोई कमी नहीं होने देंगे। मेयर डॉ.शैली ओबरॉय ने कहा कि हरदयाल लाइब्रेरी को पहले चरण में 2.26 करोड़ रुपए की ग्रांट मंजूर की गई है। इससे कर्मचारियों को सैलरी दी जाएगी। दिल्ली नगर निगम के सदन की आज बैठक बुलाई गई और 23 प्रस्ताव रखे गए। इनमें से 18 पास, 3 पोस्टपोन और 2 रैफरबैक किए गए हैं। इसके संबंध में डॉ. शैली ओबरॉय ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर स्कूलों में सुरक्षा कर्मी और सफाई कर्मचारियों को नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। क्योंकि निगम के स्कूलों में कई सालों से सुरक्षाकर्मी और सफाई कर्मचारी नहीं हैं। इसकी वजह से अध्यापकों को ही सभी काम करने पड़ते हैं। ऐसे में दिल्ली सरकार के मॉडल को निगम में लागू करते हुए नए सफाई कर्मचारी और सुरक्षा कर्मी नियुक्त करने का प्रस्ताव पास किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा हरदयाल लाइब्रेरी के लिए ग्रांट सदन में मंजूर की गई है।

हरदयाल लाइब्रेरी को 2.26 करोड़ की ग्रांट मंजूर : डॉ.शैली ओबरॉय

हरदयाल लाइब्रेरी को पहले चरण में 2.26 करोड़ रुपए की ग्रांट मंजूर की गई है। इससे कर्मचारियों को सैलरी दी जाएगी। पिछली निगम की सरकार हरदयाल लाइब्रेरी के कर्मचारियों को सैलरी देने में नाकाम रही। इस वजह से हरदयाल लाइब्रेरी के कर्मचारी महीनों से धरने पर थे। हमने आश्वासन देकर कर्मचारियों का धरना खत्म करवाया और आज उस वादे को पूरा कर दिया है। एमसीडी की तरफ से जल्द हरदयाल लाइब्रेरी को ग्रांट जारी कर दी जाएगी और कर्मचारियों को तत्काल सैलरी दी जाएगी। दिल्ली नगर निगम एक जून को नगर निगम दिवस मनाएगा। इसका प्रस्ताव आज सदन में पास हो गया है। दिल्ली नगर निगम की 1863 में एक जून को सामान्य समिति की पहली बैठक हुई थी। उस दिन को एमसीडी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई है। दिल्ली में फिल्म शूटिंग को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है है। निगम ने अपने अधिकार क्षेत्र में अनुमति शुल्क को घटाने का प्रस्ताव पास किया है। अब 24 घंटे के लिए 75 हजार के बजाए 25 हजार रुपए शुल्क देना होगा।

स्कूलों में लगाए जाएंगे 11 हजार सीसीटीवी कैमरे

दिल्ली नगर निगम के स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए कई इंतजाम किए जाएंगे। स्कूलों में करीब 11 हजार सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। निगम की बैठक में प्रस्ताव पास किया गया है। वहीं दिल्ली नगर निगम की ओर से कर्मचारियों के मिनिमम वेजेज में भी बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली नगर निगम में कर्मचारियों को अब कम से कम 17234 से लेकर 22744 रुपए तक सैलरी मिलेगी। इससे दिल्ली नगर निगम के हजारों कर्मचारियों को लाभ होगा।

ट्रैक पार कर रहे व्यक्ति की मेट्रो ट्रेन से कटकर मौत

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। दक्षिण दिल्ली के कुतुब मीनार स्टेशन पर ट्रैक पार करते समय 22 वर्षीय एक व्यक्ति की मेट्रो ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पीली टी-शर्ट पहने एक व्यक्ति को मेट्रो ट्रेन और प्लेटफॉर्म किनारे के बीच फंसा हुआ देखा जा सकता है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बुधवार को बताया कि घटना के संबंध में 12 नवंबर को एक कॉल मिली थी। अधिकारी ने कहा कि मेट्रो ट्रेन से कटे व्यक्ति की अभी पहचान नहीं हो पाई है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को एम्स ट्रॉमा सेंटर के शवगृह में रख दिया गया। अधिकारी ने आगे कहा कि सुनील के नाम का टैटू उनकी दाहिनी बांह पर है। 23 नवंबर को शव का पोर्टमार्टम किया गया। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने एक बयान में कहा कि ट्रेन ऑपरेटर ने तुरंत आपातकालीन ब्रेक लगाया और यात्री को स्टेशन कर्मचारियों द्वारा तुरंत बचाकर एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा गया। बयान में कहा गया कि यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे कभी भी अनाधिकृत रूप से मेट्रो ट्रैक पार करने या उस पर चलने या प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश करने का प्रयास न करें।

निगम में महिलाओं से बदतमीजी आप पार्टी का चरित्र : राजा इकबाल

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मेयर राजा इकबाल सिंह ने बुधवार को निगम के सदन की कार्रवाई के दौरान आप पार्षद द्वारा कांग्रेस की महिला पार्षद के साथ बदतमीजी करने एवं उन पर फब्तियां कसने पर आप पार्टी के महिला विरोधी चरित्र को उजागर किया। राजा इकबाल सिंह ने बताया कि सदन की कार्रवाई के दौरान जब कांग्रेस पार्षद ने अपने क्षेत्र में साफ सफाई के मुद्दे को उठाया तो आप पार्षद ने कांग्रेस की महिला पार्षद को कांग्रेस छोड़कर अपने पास बैठने को कहा। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि निगम इतिहास में ऐसा पहली बार ऐसा हुआ है जब सत्तापक्ष के पार्षद द्वारा विपक्ष के पार्षद को खुलेआम सदन के पटल पर दलबदल के लिए बोलते पाया गया है। राजा इकबाल सिंह ने मेयर साहिबा को चेतावनी दी कि आप पार्टी के उस पार्षद की पहचान कर उसे सदन से निष्कासित किया जाए अन्यथा भारतीय जनता पार्टी इसके लिए आंदोलन करेगी। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि आज निगम सदन में दिवंगत डीबीसी कर्मचारियों के आश्रितों को करुणामूलक आधार पर नौकरी देने संबंधी प्रस्ताव को आम आदमी पार्टी द्वारा खारिज करने पर बड़ा हमला बोला। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि इस प्रस्ताव को खारिज करने से आप पार्टी का कर्मचारी विरोधी चेहरा उजागर हो गया है।

■ कर्मचारी विरोधी रुख प्रदर्शित करने का लगाया आरोप

राजा इकबाल सिंह ने कहा कि हमारे डीबीसी कर्मचारी विपरीत परिस्थितियों में भी जी जान से कार्य करते हैं तथा 29 डीबीसी कर्मचारियों की मृत्यु के उपरांत उनके आश्रितों को नौकरी देने संबंधी प्रस्ताव सदन में रखा गया था जिसे आप पार्टी ने खारिज कर अपना कर्मचारी विरोधी रूख प्रदर्शित कर दिया है।

सार संक्षेप

स्कायबैग्स ने बाजार में उतारा द आर्चीज कलेक्शन

नई दिल्ली। वीआईपी इंडस्ट्रीज के युवा केंद्रित ब्रांड स्कायबैग्स ने एक बेहद रोचक ऐलान करते हुए बताया कि उन्होंने नेटफ्लिक्स ओरिजनल्स की फ़िल्म द आर्चीज के साथ एक अनूठी साझेदारी की है। द आर्चीज बैगपैक कलेक्शन स्कायबैग्स की आर्कषक रेंज है जो युवाओं के जोश और उनके जज़्बे का जश्न मनाता नज़र आएगा। यह साझेदारी महज फिल्म के प्रति युवाओं के उत्साह को नहीं दर्शाती है बल्कि युवाओं के लिए यह नए व आधुनिक स्टाइल का भी परिचायक है। वीआईपी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के वाइस प्रेसिडेंट प्रफुल्ल गुप्ता ने आर्चीज के साथ इस साझेदारी के प्रति बेहद उत्साह जताते हुए कहा कि द आर्चीज के साथ हमारी यह साझेदारी आज के युवाओं के साथ अपने ब्रांड के रिश्ते को और भी मज़बूत बनाने के दृष्टिकोण से बेहद अहम है। इतने बड़े स्टारकास्ट वाली फिल्म द आर्चीज ने इतने कम समय में ही अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग बना ली है।

शादी के सीजन के लिए वन स्टॉप डेस्टिनेशन अमेजन फैशन

नई दिल्ली। शादी का मौसम रंगों, रीति-रिवाजों और उत्सवों की खूबसूरती को समेटे एक बेहद जीवंत और खुशनुमा मौका होता है। उत्सव की इसी रंगत को साथ लिए अमेजन फैशन का वेडिंग स्टोर वेडिंग स्टोर आगामी शादी के सीजन के लिए वन स्टॉप डेस्टिनेशन बनकर सामने आया है। लेटेस्ट स्टाइल और ट्रेंड के साथ इस स्टोर को खासतौर पर तैयार किया गया है। यह स्टोर हर हाल में यह सुनिश्चित करेगा कि आप इस शादी के मौसम में सबसे बेहतरीन लुक में दिखें। दुल्हनों के लिए यहां खूबसूरत लहंगे, स्टाइलिश और आरामदायक सैंडल, ट्रेंडी बैग की शानदार रेंज पेश की गई है। वहीं दूल्हे अपने लुक में चार चांद लगाने के लिए खूबसूरत शेरवानी, पारंपरिक जूतियां खरीद सकते हैं। इस स?टोर पर सोच, मीना बाजार, कल्याण सिल्क्स, ज़ेनेम, वोयला, माइकल कोर्स, रितु कुमार, गेस, हश पप्पीज़, फॉस्टो, एल्डो, मोकोबारा, वस्त्रमय, बीबा, मान्यवर, मोची, टॉमी हिलफिगर जैसे 150 से अधिक प्रतिष्ठित ब्रांडों की 45000 से अधिक लेटेस्ट स्टाइल्स का एक विशाल संग्रह उपलब्ध कराया गया है।

सैमको म्यूचुअल फंड ने डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड लॉन्च किया

नई दिल्ली। सैमको एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड डीएएएफ को लॉन्च किया है। यह अनूठा फंड निवेशकों को आज के गतिशील बाजार परिवेश में स्थिरता, विकास क्षमता और नकारात्मक पक्ष से सुरक्षा का विशिष्ट मिश्रण प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। सैमको एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य निवेश अधिकारी सीआईओ उमेशकुमार मेहता ने कहा कि सैमको म्यूचुअल फंड को डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड पेश करने पर गर्व है।

दिल्ली नगर निगम की बैठक में हंगामा

कांग्रेस की महिला पार्षदों ने लगाया आप पार्षद पर अभद्र टिप्पणी का आरोप

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली नगर निगम की सदन की बैठक एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़ गई। कांग्रेस की महिला पार्षदों ने आम आदमी पार्टी के पार्षद पर अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए जमकर विरोध किया जिसके चलते बैठक स्थगित करनी पड़ी। बुधवार को दिल्ली नगर निगम की बुलाई गई सदन की बैठक में एक बार फिर हंगामा देखने को मिला। दोपहर करीब सवा दो बजे जैसे ही सदन की बैठक शुरू हुई महापौर ने सभी पार्षदों से सदन को शांतिपूर्ण चलाने की अपील की। जिसके बाद पार्षदों ने अपने—अपने वार्ड की समस्याएं रखी। इसी दौरान कांग्रेस की पार्षद नाजिया खातून अपने वार्ड की समस्याएं रख रही थी। इस दौरान नाजिया खातून और कांग्रेसी पार्षदों ने आप पार्षद पर अभद्र टिप्पणी करने का आरोप लगाया। कांग्रेस की पार्षद अरीबा खान और कांग्रेस दल की नेता नाजिया दानिश ने इसका विरोध किया। और महापौर से अभद्र टिप्पणी करने वाले पार्षद की पहचान कर उसके खिलाफ कर्रवाई को लेकर विरोध शुरू कर दिया। जिसके बाद भाजपा पार्षद भी कांग्रेस पार्षद के समर्थन में आए गए।

इसी दौरान कुछ पार्षदों ने सदन में प्रस्ताव की कॉपियां फाड़कर हवा में लहराई। हंगामा बढ़ते देख महापौर ने नेता सदन को प्रस्ताव पढ़ने के लिए कहा जिसके बाद हंगामें के दौरान ही प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई। तथा सदन की बैठक को स्थगित कर दिया। इसके बाद भी हंगामा नहीं थमा और कांग्रेसी पार्षद महापौर के आसन के पास आ गई और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। नाजिया दानिश ने बताया कि हमारी मांग है कि बैठक की रिकॉर्डिंग की जांच कर अभद्र टिप्पणी करने वाले पार्षद की पहचान करते हुए उसे निलंबित किया जाए। साथ ही अभद्रता करने वाले पार्षद का माफीनामा लिया जाए। जिसके बाद कांग्रेस की नेता सदन नाजिया दानिश, अरिबा खान, शगुफ्ता चौधरी, नाजिया खातून समीर अहमद एवं भाजपा की महिला पार्षद अलका राघव सहित अन्य पार्षद भी समर्थन में आ गए।

महापौर ने दिया आश्वासन

इस घटनाक्रम के बाद देर शाम महापौर ने धरने पर बैठे सभी कांग्रेसी पार्षदों से मुलाकात की और उन्हें कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। कांग्रेस की पार्षद अरिबा खान ने बताया कि महापौर ने हमें आश्वासन दिया है कि प्रोपर एक्शन होगा, माफीनाम भी होगा। इसके लिए हमें सोमवार तक का समय दिया है।

■ नई दिल्ली में दिल्ली पुलिस अकादमी में आयोजित नवनियुक्त उप-निरीक्षकों और अन्य रैंकों की रंगीन पासिंग आउट परेड में प्रशिक्षुओं की मार्चिंग टुकड़ियों की सलामी लेते दिल्ली के पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा। फोटो इम्तियाज खान

लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव में अब महज पांच महीने ही बचे हैं। राजनीतिक दल अपने-अपने तरीके से तैयारी कर रहे हैं। इस बीच प्रधानमंत्री ने अपने सभी मंत्रियों को मेगा आउटरीच अभियान,विकसित भारत संकल्प यात्रा में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने व आमजन के लिए शुरू की गई केंद्र सरकार तमाम योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करने का निर्देश दिया है। सूत्रों के मुताबिक,केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक में सभी सहयोगियो को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहाकि मेगा आउटरीच कार्यक्रम विकसित भारत बनाने का एक हिस्सा है। उन्होंने मंत्रियों से कहा कि इस अभियान के दौरान उनका पूरा ध्यान इस बात पर केंद्रित होना चाहिए कि वे लोगों को बताएं कि कैसे सरकार ने समाज के विभिन्न वर्गों को लाभ पहुंचाने के लिए विभिन्न योजनाओ को मूर्त रूप दिया। इस आउटरीच कार्यक्रम की संकल्पना संपूर्ण सरकारी दृटिकोण पर की गई है। जिसमें कृषि मंत्रालय ग्रामीण अभियान के लिए नोडल मंत्रालय है। जबकि सूचना और प्रसारण मंत्रालय शहरी अभियान की अगुवाई कर रहा है। 15 नवम्बर से झारखंड के खूंटी से प्रधानमंत्री ने इस अभियान की शुरुआत की थी। जो कि 25 जनवरी 2024 को समाप्त हो जाएगा। फिलहाल जानकारी के अनुसार, 2.55 लाख ग्राम पंचायतों और शहरी क्षेत्रों में लगभग 18 हजार स्थानों पर सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए वाहनों का उपयोग किया जा रहा है। देश के सभी शहरों और कस्बों में 2.55 लाख ग्राम पंचायतों और समूहों को कवर करने के लिए 2500 से अधिक मोबाइल प्रदर्शन वैन और 200 से अधिक मोबाइल थिएटर वैन को लगाने की तैयारी है।

मोदी ने मंत्रियों की दिए निर्देश

राजधानी में भीषण आग के बाद गोदाम का एक हिस्सा ढहा

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि एक गोदाम में भीषण आग लग गई, जिससे उसका ढांचा आंशिक रूप से ढह गया। दिल्ली फायर सर्विसेज (डीएफएस) के प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा कि बवाना इलाके में आग लगने की सूचना मंगलवार रात 11:37 बजे मिली। गर्ग ने कहा, कुल 15 फायर टेंडरों को घटनास्थल पर भेजा गया। आग बुझा दी गई है और कूलिंग ऑपरेशन चल रहा है। गर्ग ने कहा कि गत्ते के बक्सों के टिन शेड वाले गोदाम और कारखाने में आग लग गई, जिसका क्षेत्रफल लगभग 900 वर्ग मीटर है। संरचना आंशिक रूप से ढह गई और कोई हताहत नहीं हुआ।

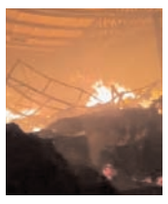

मानवतावादी सेवाओं के बीस सालों का जश्न मनाया

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। अम्मुकेयर चैरिटेबल ट्रस्ट ने दिल्ली के इंडिया हेबिटेट सेंटर में विशेष कार्यक्रम के साथ अपनी 20वीं सालगिरह का जश्न मनाया। 20वीं सालगिरह का जश्न संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जब टीम के सदस्यों और स्वयंसेवकों को उनके समर्पित प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया। जरूरतमंद समुदायों के लिए सहानुभुति और उम्मीद की एक किरण है। 2003 में विश्वस्तरीय मानवतावादी व परोपकारी मोहन जी द्वारा स्थापित अम्मुकेयर चैरिटेबल ट्रस्ट का गठन उनकी बेटी अम्मु के सम्मान में किया गया।

दिल्ली में सूफी कलाम व नृत्य की दिखी जुगलबंदी

राजधानी के सांस्कृतिक परिदृश्य में अमित छाप छोड़ी

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। प्रसिद्ध एकीकृत परफॉर्मिंग आर्ट संगठन आमद डांस सेंटर ने सूफी कलाम और रक्स की एक शाम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। साहित्य कला परिषद द्वारा समर्थित इस कार्यक्रम ने दर्शकों का मन मोह लिया, जिसने दिल्ली के सांस्कृतिक परिदृश्य पर एक अविश्वसनीय छाप छोड़ी। इस मंच पर कथक प्रस्तुति ने अलौकिक काव्य की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। सम्मानित मुख्य अतिथि, डॉ. सच्चिदानंद जोशी सदस्य सचिव, आईजीएनसीए की उपस्थिति में संगीत, रहस्यवादी कविता और कथक की मनमोहक कलाओं की शोभा बढ़ी। इस शाम कथक प्रदर्शन के रूप में बाबा बुल्ले शाह, अजान फरीद, नवाब सादिक जंग बहादुर और हामिद कोलकाता वाले सहित प्रसिद्ध कवियों की रचनाएं प्रस्तुत की गईं। प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना रानी खानम ने अपने उल्लेखनीय कौशल से समां बांधा।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

निविदा सूचना (ई-टेंडरिंग द्वारा)

निविदा संख्या: 561-एसआईजी-एनएमओ-वीसैट हब और ओ एंड एम-सीएएमसी-3-2023 दिनांक 29.11.2023

शुद्धिपत्र-1

कार्य का नाम तथा स्थान	वीसैट हब की व्यापक एएमसी, एफओआईएस और यूटीएस के लिए 2 वर्षों के लिए रिमोट वीसैट
कार्य की अनुमानित लागत	2,02,71,319/- मात्र
निविदा-प्रपत्र शुल्क	शून्य
धरोहर राशि	2,51,400/- मात्र
कार्यालय का पता	डिप्टी चीफ सिग्नल एंड टेलीकम्यूनिकेशन इंजीनियर/टेली मुख्यालय, नॉर्दर्न रेलवे, 2nd Floor, Annexe-1, DRM ऑफिस, नई दिल्ली-110001
निविदा जमा करने तथा निविदा खुलने का दिनांक तथा समय	निविदा बंद करने/अपलोड करने की तारीख और समय 30.11.2023, 15:00 बजे से बढ़ाकर 15.12.2023, 15:00 बजे कर दिया गया है।
वेब साइट एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां से विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है।	उत्तर रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in देखें।

3750/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई-खुली निविदा सूचना

पत्र संख्या: 128-डब्लयू/269/निविदा सूचना/22-23/डब्लयू.ई/टेंडर नं. 36 (ए, बी, सी) दिनांक 28.11.2023 मंडल अभियंता सम्पदा, उत्तर रेलवे, नई दिल्ली द्वारा निम्न कार्यो के लिए खुली निविदा दिनांक 22.12.2023 को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन तत्काल खोली जाएगी।

कार्य का नाम	(ए) सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा-II के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/एस.एम. मार्ग के कार्य क्षेत्र में राष्ट्रपति सैलून के लिए प्रस्तावित कवर्ड शेड और एनआरएम में अन्य सुविधाएं और संबद्ध कार्य हेतु।
	(बी) सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा-I के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/पहाड़ गंज के कार्य क्षेत्र में टी.एन. बाजपेयी हॉल का विस्तार और 12 नंबर केंद्रीय एन.आर.एम. यू. कार्यालय, नई दिल्ली के परिसर में अन्य संबद्ध कार्य हेतु।
	(सी) सहायक मंडल अभियंता/सम्पदा-I के अंतर्गत वरिष्ठ खंड अभियंता/पहाड़ गंज के कार्य क्षेत्र में पी.के. रोड रेलवे कॉलोनी के सभी ब्लॉकों में शौचालय, बाथरूम, दरवाजे, खिड़कियां, फर्श, भंडारण अलमारी, खाना पकाने के मंच आदि में सुधार। आउटहाउस में और रोलिंग शटर आदि को बदलकर गैरेज की मरम्मत कार्य हेतु।
अनुमानि लागत	(ए) रुपये 5097545.77 (बी) रुपये 11097324.81 (सी) रुपये 10999996.78
धरोहर राशि	(ए) रुपये 102000.00 (बी) रुपये 205500.00 (सी) रुपये 205000.00
समापन अवधि	(ए) 06 महीने (बी) 08 महीने (सी) 08 महीने

1. निविदा दिनांक 22.12.2023 को 15:00 बजे तक जमा की जा सकती है एवं तत्काल खोली जाएगी।

3735/23

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक / पीएस, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों/स्थानों पर वाटर वेंडिंग मशीन (WVM) एवं प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र (PMBJK) के अनुबंधों के आवंटन के लिए आईआरईपीएस (https://ireps.gov.in/) के माध्यम से ई-नीलामी आमंत्रित करता है:

ई-कैटलॉग नं.	क्लस्टर संख्या	रेलवे स्टेशन एवं केटेगरी	WVM संख्या	ई-नीलामी के लिए दिनांक और समय
CATG-WVM-03-23	क्लस्टर - 3	हजरत निजामुद्दीन (A1)	WVM-17, WVM-18, WVM-19, WVM-20, WVM-21, WVM-22, WVM-23, WVM-24, WVM-25	प्रारंभ होने का समय: 14.12.2023 को 15:00 बजे
	क्लस्टर - 4	आनंद विहार टर्मिनल (A1)	WVM-26, WVM-27, WVM-28, WVM-29, WVM-30, WVM-31, WVM-32	प्रारंभ होने का समय: 14.12.2023 को 15:00 बजे
	क्लस्टर - 5	दिल्ली शाहदरा (A)	WVM-33, WVM-34, WVM-35	प्रारंभ होने का समय: 14.12.2023 को 15:00 बजे
	क्लस्टर - 6	पानीपत (A), करनाल (A), कुरुक्षेत्र (B)	WVM-40, WVM-41, WVM-42, WVM-46, WVM-47	प्रारंभ होने का समय: 14.12.2023 को 15:00 बजे
	क्लस्टर - 7	दिल्ली किशनगंज (D), दयाबस्ती (D), मंगोलपुरी (D)	WVM-57, WVM-58, WVM-59	प्रारंभ होने का समय: 14.12.2023 को 15:00 बजे
	क्लस्टर - 8	खरावर (E), सांपला (E), असौदाह (E), गढ़ी हरसरू (D)	WVM-65, WVM-66, WVM-67, WVM-71	प्रारंभ होने का समय: 14.12.2023 को 15:00 बजे
	क्लस्टर - 9	ओखला (D), तुगलकाबाद (D),	WVM-63, WVM-64	प्रारंभ होने का समय: 14.12.2023 को 15:00 बजे
DLIADVT DEC23-01	PMBJK	आनंद विहार टर्मिनल	प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र	प्रारंभ होने का समय: 13.12.2023 को 10:00 बजे

वेबसाइट विवरण जहां ई-नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है : https://ireps.gov.in/ (E-Auction-Leasing)

आईआरईपीएस के ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से आयोजित ई-नीलामी में भाग लेने के इच्छुक सभी ठेकेदारों को अपनी बोलियां जमा करने से पहले निम्नलिखित अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए:

- ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए आईआरईपीएस पर पंजीकरण-ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए सक्रिय आईआरईपीएस उपयोगकर्ता खाता।
- एक मुश्त पंजीकरण शुल्क का भुगतान; भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता; IREPS खाते के साथ SBI बैंक खाते का एकीकरण; निधियों का ग्रहणाधिकार अंकन, टर्नओवर विवरण का अद्यतनीकरण।
- ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के लिए अब वर्चुअल अकाउंट नंबर (VAN) नाम से एक नया तंत्र शुरू किया गया है, जिसका उपयोग बोलीदाताओं द्वारा लियन मार्किंग तंत्र के विकल्प के रूप में किया जा सकता है।
- बोलीदाता, किसी भी समय लियन मार्किंग मैकेनिज्म (यदि सक्रिय है) और VAN तंत्र के बीच स्विच करने के लिए स्वतंत्र हैं। VAN तंत्र के लिए बोली लगाने वाले के पास भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता होना आवश्यक नहीं है। उपयोगकर्ता किसी भी बैंक में अपने किसी भी मौजूदा बैंक खाते से अपने VAN खाते में धन स्थानांतरित करने के लिए स्वतंत्र हैं, जो उन्हें IREPS ई-नीलामी में भाग लेने में सक्षम बनाता है।
- जिन ठेकेदारों के पास IREPS के किसी भी मॉड्यूल के लिए IREPS खाता नहीं है, वे IREPS होम पेज पर नए विक्रेताओं/ठेकेदारों (ई-निविदा/ई-नीलामी पट्टे) लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण के लिए अपना ऑनलाइन अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं।

किस भी प्रश्न के मामले में संपर्क करने के लिए रेलवे प्राधिकरण : मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, वाणिज्य शाखा, स्टेट एंट्री रोड, नई दिल्ली-110055; Email: catering.delhidivision@gmail.com, Tel: 011-23743084

सं.: 23AC/Ctg./WVM Policy दिनांक: 28.11.2023 3736/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) केन्द्र सरकार एवं उप्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके अंतर्गत गर्भवती एवं धात्री माताओं को प्रथम सन्तान एवं द्वितीय संतान (लड़की) होने पर लाभ दिये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया-जनपद की आशा कार्यकर्ताओं को निर्देश दिये गये हैं कि वह प्रतिदिन कम से कम 2-3 फार्म अवश्य भरें:-

डा. ललित कुमार, नोडल अधिकारी योजना

ऑफिस से नदारद मिलने पर नोएडा प्राधिकरण के कर्मचारियों का काटा वेतन

नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्राधिकरण कर्मियों की कार्यशैली को सुधारने के लिए कड़े फैसले ले रहे हैं। ऐसा ही एक बड़ा फैसला लेते हुए उन्होंने ड्यूटी से नदारद नोएडा प्राधिकरण कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने का निर्देश देते हुए उन्हें सुधरने की कड़ी चेतावनी दी है। सीईओ की नजर अब प्राधिकरण के विभिन्न विभागों में 3 वर्ष या उससे अधिक समय से डटे कर्मचारियों पर टेढी हो गई है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम ने एसीईओ (कार्मिक) को निर्देश दिये हैं कि ऐसे कर्मचारियों की विभागवार सूची बनाकर उनके समक्ष पेश करें। इसके बाद से प्राधिकरण में हड़कंप का माहौल है।

सीईओ ने किया औचक निरीक्षण

सीईओ ने बुधवार को सेक्टर-6 कार्यालय परिसर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान प्राधिकरण के औद्योगिक, संस्थागत, वाणिज्यिक व भवन विभाग में निरीक्षण किया, जहां बड़ी संख्या में प्राधिकरण कर्मी गैरहाजिर पाये गये। सीईओ ने इस पर गहरी अप्रसन्नता जाहिर की।

धारा-10 के नोटिस का रिकॉर्ड तक नहीं मिला

उन्होंने अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री को अनुपस्थित कर्मचारियों, अधिकारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिये।

धारा-10 और वाणिज्यिक उपयोग का नोटिस का लिया संज्ञान

सीईओ ने परिसंपत्ति विभागों द्वारा जारी किए जाने वाले धारा-10 एवं वाणिज्यिक उपयोग के नोटिस का संज्ञान लिया। उन्हें निरंतर विभागीय स्तर पर इनके दुरुपयोग की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इस संबंध में सीईओ ने जारी किए वाले नोटिस संबंधी रिकॉर्ड के बारे में जानकारी चाही कि विभागों द्वारा किस परिसंपत्ति को किस तिथि में नोटिस जारी किए गए हैं।

सभी विभाग में इस संबंध में समेकित रिकॉर्ड/रजिस्टर का अभाव मिला। इस प्रकरणों में संबंधित अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी स्तर पर भी जानकारी ना होने पर सीईओ ने रोष प्रकट करते हुए निर्देश दिये गये कि सभी परिसंपत्ति विभाग आवंटियों को जारी किए गए धारा-10 एवं वाणिज्यिक उपयोग के नोटिस के रिकॉर्ड पृथक रूप से अनुरक्षित रखें।

डॉ. लोकेश एम ने वित्त नियंत्रक से नोटिस जारी करने के उपरांत नोटिस वापसी के मद में प्राप्त होनी वाली धनराशि के संबंध में रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु निर्देश दिये। इसके अतिरिक्त मिक्स्ड लैंड यूज़ के प्रकरणों में आवेदनों के निस्तारण में अनियमितता व देरी के संबंध में संबंधित अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी को भूखंडवार लंबित आवेदनों तथा अध्ययन स्थिति संबंधी आखूया प्रस्तुत करने हेतु निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान औद्योगिक विभाग में कार्य असंतोषजनक पाये जाने पर दीपक कुमार एवं सारिका गुप्ता, सहायक को विभाग से अन्यत्र स्थानांतरित करने तथा कार्यालय अनुरूप परिधान ना होने पर राजेश गौतम, सहायक को चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए गए।

कंपनियों, घरों और दुकानों में असलाह के बल पर लूटपाट करने वाले सात बदमाश गिरफ्तार

गोल चक्कर के पास से डकैती की योजना बनाते हुए किया गिरफ्तार

नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। थाना सेक्टर 113 नोएडा पुलिस ने एनसीआर में घरों, कंपनियों, दुकानों में अवैध असलाहो के साथ चोरी व डकैती करने वाले सगंठित गैंग के 07 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। कब्जे से भारी मात्रा में चोरी का माल बरामद किया गया। दरअसल, 1 नवम्बर 2023 को पुलिस को पीड़ित ने सूचना दी थी कि वह आवश्यक कार्य से घर से बाहर गये हुए थे, घर बंद होने की दशा में 29 अक्टूबर 2023 से 01 नवम्बर 2023 के बीच किन्ही अज्ञात चोरो द्वारा उनके घर से कीमती सामान व उनकी कार होंडा सिटी कार तक चोरी कर ली थी। पुलिस ने सातो बदमाशों को पर्थला गोल चक्कर के पास ग्रीन बेल्ट डकैती की योजना बनाते हुए गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान, मोनू उर्फ मोहसीन, हफीज उर्क बंगाली, रुपेश कुमार, नदीम, आशीष, सत्यम राय, योगेश गुप्ता हुई है।

एडीसीपी ने बताया कि मोनू उर्फ मोहसीन गैंग का मुख्य सरगना है। गैंग के हनीफ, रूपेश कुमार, नदीम, सत्यम रॉय व आशीष कबाडी की फेरी के दौरान पास कालोनिया, बाजारों आदि में चोरी व डकैती की घटनाओं के लिए रेकी कर बंद मकान, कंपनी व दुकानों आदि को चिन्हित कर गैंग के सरगना मोनू उर्फ मोहसिन को सूचित करते है, जबकि गैंग सदस्य योगेश गुप्ता उर्फ सोनू टैक्सी चलाने का काम करता है । गैंग के सभी सदस्यों से चोरी, डकैती की सूचना प्राप्त कर मोनू उर्फ मोहसिन सभी गैंग के सदस्यों के साथ मिलकर योजना बनाकर घरों,फैक्ट्रियों व व्यापारिक प्रतिष्ठानों से कीमती सामान चोरी कर ले जाते है। यह गैंग अवैध असलहों के साथ संगठित गैंग के रूप में चोरी डकैती की योजना बनाकर घटनाओं को अंजाम देते है, यदि घटना के समय कोई व्यक्ति इन्हे रोकने का प्रयास करें तो उसे गंभीर चोट पहुंचाने या मृत्यु कारित कर देने की नियत से अपराध कारित करते है। ग्रीन बेल्ट में छिपाया एक सिक्का चांदी लक्ष्मी गणेश की मुर्ति बनी, दो चुड़िया लाल रंग की लाख की, एक छोटी प्लेट पीली धातु, एक काली सफेद मोतियो की माला, 08 चूड़ी व एक कड़ा पीली धातु आर्टिफिसयल, एक सिक्का चांदी अग्रेजी में मुम्बई लिखा हुआ, 27 सिक्के भारतीय करेसी, एक सिक्का सिंगापुर का डॉलर, एक सिक्का 5 सेन्ट सिंगापुर का, 03 बिछिया चांदी, एक छोटी अंगुठी चांदी, एक चूड़ी सफेद लाख की, एक पायल चांदी, एक चेन चांदी, एक लाल मोती की माला, 02 कम्प्यूटर यूपीएस, 02 कम्प्यूटर सीपीयू, 03 घरेलू गैस सिलेन्डर, एक इन्डेक्सन चूल्हा , एक प्रेस फिलिप्स कंपनी, एक माईक्रोवेव ओवन पैनासोनिक कंपनी, 03 स्पीकर बॉस कंपनी, 02 कंप्यूटर मॉनिटर, रसोई के 58 छोटे बडे बर्तन, एक पियानों, 03 पुराने फोन नोकिया, 15 पानी पाईप कनेक्टर, 10 घुंघरू पीली धातु, ,08 कीमती शॉल, एक जैकेट काले रंग, सोपरा बैंक साफ्टेवेयर व आरबीएल बैंक के एक चैकबुक सम्राट राय, एटीएम कार्ड, 02 आईसीआईसीआई बैंक की चैकबुक, दो एटीएम कार्ड आईसीआईसीआई बैंक, एक पासबुक कैनरा बैंक, एक चैक बुक कैनरा बैक, एचडीएफसी बैंक के एक पास बुक, एक चैक बुक, एक बारकोड प्रिन्टर टीएससी कम्पनी का आदि सामान बरामद हुए।

सार संक्षेप

नाले में मिला अज्ञात का शव

नोएडा। थाना फेस 1 क्षेत्र के सेक्टर 9 के पास बड़े नाले में 30 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ध्रुव भूषण दुबे ने बुधवार को बताया कि बीती रात पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर 9 के पास बड़े नाले में एक अज्ञात व्यक्ति का शव पड़ा है। मृतक की उम्र करीब 30 वर्ष है। सोशल मीडिया और आसपास के लोगों की सहायता से पुलिस शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। शव काफी दिन पुराना लग रहा है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत का सही कारण पता चल पाएगा। फिलहाल शव की शिनाख्त कराने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस ने दो गांजा तस्करों को दबोचा

नोएडा। गढ़ी गोल चक्कर के पास से सेक्टर-63 पुलिस ने बुधवार को चेकिंग के दौरान गांजे और अवैध हथियार के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान रोहित कुमार और केसर निवासी गढ़ी चौखंडी के रूप में हुई। उनके पास से पुलिस ने एक किलो 200 ग्राम गांजा और एक चाकू को बरामद किया। दोनों कई महीने से गांजे की तस्करी कर रहे थे।

कार का शीशा तोड़कर बैग किया चोरी

नोएडा। सेक्टर-75 स्थित स्पेक्ट्रम मॉल में खरीदारी करने गई युवती की कार का शीशा तोड़कर चोर उसमें रखा बैग चोरी कर ले गए। बैग में लैपटॉप, टैबलेट और अन्य सामान था। युवती ने थाना सेक्टर 113 में केस दर्ज कराया है। सेक्टर-1 स्टेलर जीवन अपार्टमेंट निवासी पलक वार्ष्णेय ने पुलिस को बताया कि वह 24 नवंबर को अपने पिता के साथ स्पेक्ट्रम मॉल गई थीं। उन्होंने अपनी कार मॉल के बाहर खड़ी की और खरीदारी करने चली गई। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटीं तो कार का पिछला शीशा टूटा मिला। कार में रखा लैपटॉप, टैबलेट, कंपनी का आईडी कार्ड, कागजात और फ्लैट की चाबी चोरी हो चुकी थी। सेक्टर-113 पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वायु गुणवत्ता को बेहतर करने व सफाई कर्मियों को इंफेक्शन से बचाव के लिए करार

31 मई तक एक्शन प्लान के तहत 300 लोगों को जाएगा जोड़ा

नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। 3 वर्ष तक के लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को लेकर नोएडा प्राधिकरण व मैसर्स कोफोर्ज लिमिटेड व इंस्टीट्यूट ऑफ लाइवलीहुड रिसर्च एंड ट्रेनिंग के बीच करार हुआ है। नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजीव कुमार खत्री व कोफोर्ज लि. की प्रतिनिधि मंजरी मिश्रा व मानविका शर्मा तथा डीएन डा. राजेन्द्र गौतम के बीच करार हुआ।

करार के तहत 30 दिसम्बर तक 3 साल का एक्शन प्लान व आकलन तैयार करने, 15 मार्च 2024 तक वायु गुणवत्ता बेहतर करने व सफाई कर्मियों को इंफेक्शन से बचाव, 31 मई तक 300 लोगों को जोड़ने, 8 अगस्त तक कूड़ा उठाने वाले लोगों को वेलफेयर स्कीम से जोड़ने व दिसंबर 2024 तक शतप्रतिशत कूड़े के निस्तारण का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद लोगों को कूड़ा निस्तारण प्रक्रिया व शहर में किए गए उपाय के बारे में लोगों को सेमिनार सहित अन्य माध्यमों से जागरूक किया जाएगा।

इस मौके पर नोएडा प्राधिकरण के उप महाप्रबंधक (जनस्वास्थ्य) भी मौजूद थे। नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजीव कुमार खत्री तथा कोफोर्ज लि. की प्रतिनिधि मंजरी मिश्रा व मानविका शर्मा तथा डीएन डा. राजेन्द्र गौतम के बीच करार हुआ। इस मौके पर यह सभी लोग उपस्थित रहे। इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य नोएडा क्षेत्र में साफ सफाई को बेहतर बनाने और कूड़ा निस्तारण में लगे लोगों को वेलफेयर स्कीम में जोड़ा जाए और कूड़ा निस्तारण की स्थिति बेहतर हो सके।

प्राधिकरण के डीजीएम को किया सस्पेंड

औद्योगिक विकास मंत्री ने की कार्रवाई

नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। एक साल पहले सेक्टर-21 जलवायु विहार में नाले की दीवार गिरने से बड़ा हादसा हुआ था। उसमें चार मजदूरों की मौत हो गई थी। इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से एक्शन लिया गया है। सरकार में औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने नोएडा प्राधिकरण में तैनात डीजीएम श्रीपाल भाटी को सस्पेंड कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद प्राधिकरण के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। दूसरी तरफ, नोएडा प्राधिकरण वर्क सर्किल-2 के जेई शेखर की संविदा समाप्त कर दी गई थी। इस मामले में जूनियर इंजीनियर को भी दोषी पाया गया था। लेकिन, मामला शांत होने के बाद उसे दोबारा प्राधिकरण के वर्क सर्किल-10 में तैनात किया गया है।

नोएडा प्राधिकरण की ओर से नाले का निर्माण कराया जा रहा था। इस दौरान 20 सितम्बर-2022 को जलवायु विहार सोसाइटी की दीवार गिर गई थी, जिसमें चार मजदूरों की मौत हो गई थी। इस मामले में एसीईओ मानवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में एक जांच समिति गठित की गई थी। जांच समिति ने इस मामले में कंपनी की लापरवाही के अलावा वर्क सर्किल-2 की टीम को भी दोषी माना था। प्राधिकरण ने जांच करके रिपोर्ट शासन को भेज दी थी। अब इस मामले में कार्रवाई शुरू हो गई है। बुधवार को डीजीएम श्रीपाल भाटी को सस्पेंड कर दिया गया है। हालांकि, अभी कांट्रेक्ट वाली कंपनी पर कार्रवाई नहीं हुई है।

अब इस जांच के दायरे में प्राधिकरण के टेक्निकल ऑडिट सेल (टीएसी) के और भी इंजीनियर आ सकते हैं। इसकी वजह जांच में सामने आई है। एस्टीमेट बनाते समय दीवार अगर कमजोर थी, तो उसे सपोर्ट देने के इंतजाम क्यों नहीं किए गए। किसी भी काम की स्वीकृति प्राधिकरण में टेक्निकल ऑडिट सेल और कमेटी देती है। सूत्रों की मानें तो जांच रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चारदीवारी जलवायु विहार आवासीय समिति ने बनवाई गई थी। यह करीब 25-30 साल पहले बनी थी। इस दौरान कोतवाली सेक्टर-20 पुलिस ने भी डीजीएम को हिरासत में लिया था। जिन्हें कुछ घंटों के बाद छोड़ दिया गया था।

शेख हत्याकांड का खुलासा

नाबालिग ने ही साथियों के साथ किया था मामा का कत्ल, तीन गिरफ्तार

गाजियाबाद, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। इंदिरापुरम पुलिस ने युवक की गला काटकर हत्याकर शव पार्क में फेंकने के मामले में तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में दो बाल अपचारी शामिल थे। हत्या मृतक के नाबालिग भांजे ने अपने साथियों के साथ मिलकर की थी। मंगलवार को गौर ग्रीन पार्क निकट सांई चौक इन्दिरापुरम में एक व्यक्ति का शव बरामद हुआ था। जिसके गर्दन व पेट पर चाकू के निशान थे। जिसकी पहचान श्रीमति सुल्ताना निवासी न्यायखन्ड 1 इन्दिरापुरम ने शव की शिनाख्त अपने भाई आरजू शेख पुत्र शमशेर शेख निवासी सैंथिया जंक्सन जिला बीरभूमि पश्चिम बंगाल के रूप में की थी। गिरफ्तार दोनों बाल अपचारियों ने बताया कि एक बाल अपचारी मृतक आरजू शेख का सगा भांजा है। जिसने अपने एक अन्य बाल अपचारी साथी के साथ मिलकर मृतक आरजू शेख की हत्या को अंजाम दिया है। एक माह पूर्व मृतक आरजू शेख अपनी बहन सुल्ताना के घर न्यायखन्ड 1 मे आया था और बहन तनुजा ने वीश्रीएस सोसायटी मे गार्ड की नौकरी लगवायी थी। मृतक शराब पीने का आदी था तथा शराब पीने के लिए पैसों के पीछे अपनी मां व बहनों के साथ मारपीट व गाली गलौज करता था। इसके शराब पीने की आदत के कारण ही दिनांक 26 नवम्बर को वीश्रीएस सोसायटी से इसे गार्ड की नौकरी से निकाल दिया गया था। उसे पश्चिम बंगाल मे नशा मुक्ति केन्द्र मे कई बार भर्ती कराया गया था परन्तु इसकी आदत नही छूटी थी।शराब पीकर गावं मे इसने अपनी मां का हाथ भी तोड दिया था। सुल्ताना का पुत्र बाल अपचारी आरजू शेख के प्रतिदिन के इस व्यवहार से बहुत ज्यादा क्षुब्ध था, इसने अपने दोस्त के साथ मिलकर मामा आरजू शेख की हत्या की योजना बनायी योजना के अनुसार इसने पिछले 3-4 दिन मे 500 रु इकठ्ठा किये और 28 नवम्बर को अपने दोस्त को साथ लेकर दिल्ली गया। वहां से लाल किला के पास से 01 चाकू खरीदा, उसके बाद शाम को घर वापस आकर समय करीब 20.30 बजे मामा आरजू शेख को शराब पिलाने के बहाने अपने साथ घर से लेकर गये,और खोड़ा के शराब ठेके से 03 क्वार्टर देशी, कोल्ड ड्रिंक की बोतल, गिलास, नमकीन आदि खरीदा और गौर ग्रीन पार्क में करीब 21.30 बजे तीनो आकर बैठ गये वहां दोनो बाल अपचारीयो ने शेख की हत्या कर दी।

अपर आयुक्त मेरठ हिमांशु गौतम ने किया राज्य स्मार्ट सिटी मिशन कार्यों का निरीक्षण, नगर आयुक्त भी रहे साथ

गाज़ियाबाद, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। मेरठ मंडल के अपर आयुक्त हिमांशु गौतम, नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक व पीडब्लूडी के एसई ने राज्य स्मार्ट सिटी मिशन कार्यो का निरीक्षण किया।

गाजियाबाद नगर निगम द्वारा राज्य स्मार्ट सिटी मिशन अन्तर्गत विभिन्न जोनों में 05 कार्य यथा इन्दिरापुरम शक्ति खण्ड-4 में हरित शवदाह ग्रह का निर्माण, ग्राम मकनपुर कैला भट्टा, सिहानी, चन्द्रपुरी, साहिबाबाद, महरौली स्थित नगर निगम बालिका विद्यालयों में स्मार्ट क्लासेस का निर्माण, मधुबन बापू धाम स्थित कम्पोजिट स्कूल को अभ्युदय कम्पोजिट स्कूल में परिवर्तित करने का कार्य, वार्ड 50 नूरनगर सिहानी स्थित कम्पोजिट स्कूल को अभ्युदय कम्पोजिट स्कूल में परिवर्तित करने का कार्य एवं वार्ड 54 के सैक्टर-7, वसुन्धरा स्थित आर्दश पार्क में सूर्य नमस्कार स्टेच्यू की स्थापना का कार्य। सर्वप्रथम नगर निगम सीमान्तर्गत वार्ड 54 के सैक्टर-7, वसुन्धरा स्थित आर्दश पार्क में सूर्य नमस्कार स्टेच्यू की स्थापना के

कार्य का निरीक्षण किया गया, आर्दश पार्क में स्थापित हुए सूर्य नमस्कार स्टेच्यू कार्य एवं ओपन जिम की सराहना की गयी। उक्त आर्दश पार्क में सूर्य नमस्कार स्टेच्यू से पार्क में आने वाले स्थानीय लोगों को योगा-अभ्यास आदि करने की प्रेरणा भी मिलेगी।

नगर आयुक्त द्वारा आर्दश पार्क में स्थापित हुए सूर्य नमस्कार स्टेच्यू के फाउन्डेशन पर अच्छी-अच्छी पेन्टिंग कराने हेतु प्रभारी उद्यान को निर्देश दिये गये ताकि पार्क में आने वालों लोगों का ध्यान स्टेच्यू की ओर आर्कषित हो। समिति द्वारा निगम सीमान्तर्गत इन्दिरापुरम शक्ति खण्ड-4 में बनाये गये हरित शवदाह ग्रह निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। उक्त के सम्बन्ध में मुख्य अभियन्ता (निर्माण) द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त हरित शवदाह ग्रह में शव के निस्तारण में 75 प्रतिशत लकड़ी की बचत होगी तथा निस्तारण की प्रक्रिया ईको फ्रेंन्डली होने के कारण वायु प्रदूषण में कमी होगी तथा शव निस्तारण में समय की बचत होगी। अपर आयुक्त मेरठ द्वारा गाजियाबाद नगर निगम द्वारा राज्य स्मार्ट सिटी मिशन अन्तर्गत कराये गये सभी कार्यों की प्रशांसा की गई।

स्थलीय निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक सहित अपर आयुक्त मेरठ हिमांशु गौतम एवं अधीक्षण अभियन्ता लोक निर्माण विभाग गाजियाबाद रामराजा, मुख्य अभियन्ता (निर्माण) नगर निगम एन0के0चैधरी, प्रभारी उद्यान डॉ0 अनुज कुमार सिंह, अधिशासी अभियन्ता (निर्माण) एस0एफ0ऐ0जैदी व देशराज सिहं एवं अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

एक करोड़ की प्रतिबंधित कोडीनयुक्त फेंसीडिल कफ सीरप के लिए साथ तीन गिरफ्तार

गाजियाबाद, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। थाना कौशाम्बी पुलिस व एन्टी नार्कोटिक्स टीम मेरठ ने संयुक्त रूप से तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक करोड़ रुपए मूल्य की प्रतिबन्धित दवाई कोडीनयुक्त फेंसीडिल कफ सीरप बरामद की है। घटना में प्रयुक्त एक कार व एक कैन्टर बरामद की गई है। पुलिस उपायुक्त (ट्रांस हिंडन) शुभम पटेल ने बताया कि थाना कौशाम्बी पुलिस व एन्टी नार्कोटिक्स टीम मेरठ द्वाराचेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना सरफराज अहमद निवासी राधना इनायतपुर आना किठोर, युसुफ खान उर्फ गुड्डू निवासी फखरुद्दीनअली अहमद नगर थाना लिसाडी गेट जिला मेरठ तथा तुफैल चौधरी गांव टियाला थाना हापुड़ देहात जिला हापुड़ को यू.पी. गेट से करीब 100 मीटर मदन मोहन मालवीय मार्ग के पास से गिरफ्तार किया गया । तलाशी लेने पर प्रतिबन्धित दवाई कोडीनयुक्त फेन्सीडिल कफ सीरप 15000 बोतल व घटना में प्रयुक्त एक कार एक कैन्टर बरामद हुई।

कौशाम्बी पुलिस व एन्टी नार्कोटिक्स टीम मेरठ की संयुक्त करवाई

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि हम इस औषधि को मेरठ से लोड कर पश्चिम बंगाल वाया बिहार पहुंचाते है। जिसके लिये हमें एक से डेढ लाख रूपए प्रति चक्कर मिलता है तथा इस एक लाख में तुफैल का हिस्सा 25 हजार रूपए होता है तथा बाकी सरफराज व गुड्डू डाक्टर बराबर बराबर आपस में बांटते हैं । हमने भगवानपुर से फोम गद्दे भगवानपुर, रूडकी से दिनांक 24 नवम्बर को भरवाये थे तथा ई-वे बिल बनवाया था जिनकी आड में हम यह औषधि आसानी से पश्चिम बंगाल पहुंचा देते हैं ।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लाभार्थियों के लिए 'विशेष पंजीकरण अभियान' आज और कल

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, अधिशासी निदेशक सिफ्सा डा. पिंकी जोवल ने जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र भेज कर दिशा-निर्देश जारी किए

नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) के अंतर्गत बृहस्पतिवार और शुक्रवार (30 नवम्बर से एक दिसम्बर तक) विशेष पंजीकरण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के दौरान भारत सरकार की टीम भी अनुश्रवण (मॉनिटरिंग) के लिए प्रतिभाग करेगी। इस संबंध में सचिव चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, अधिशासी निदेशक सिफ्सा डा. पिंकी जोवल ने जिलाधिकारी और मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र भेज कर दिशा-निर्देश जारी किये हैं। योजना के नोडल अधिकारी डा. ललित कुमार ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) केन्द्र सरकार एवं उप्र सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके अंतर्गत गर्भवती एवं धात्री माताओं को प्रथम सन्तान एवं द्वितीय संतान (लड़की) होने पर लाभ दिये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया-जनपद की आशा कार्यकर्ताओं को निर्देश दिये गये हैं कि वह प्रतिदिन कम से कम 2-3 फार्म अवश्य भरें, जिसका अनुश्रवण दैनिक रूप से हो, जिससे सौ प्रतिशत आशा कार्यकर्ताओं का संवेदीकरण एवं भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी की ओर से प्रतिदिन जिलाधिकारी को ब्लॉकवार पंजीकृत लाभार्थियों एवं समस्त आशा कार्यकर्ताओं की भागीदारी की सूचना प्रेषित की जाएगी।जिला कार्यक्रम सहायक अदिति करण ने बताया कि जनपद में 10211 पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें 8168 पंजीकरण पहले बच्चे के लिए और 2043 पंजीकरण दूसरे बच्चे के लिये किये जाने हैं। उन्होंने बताया कि योजना के पोर्टल http://pmmvy.wcd.gov.in पर लाभार्थी सीधे पंजीकरण कर सकते हैं।

अदिति करण ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में लाभार्थी को पहली बार गर्भवती होने पर दो किस्तों में पांच हजार रुपए दिये जाते हैं। प्रथम किस्त (तीन हजार रुपए) प्रसव पूर्व कम से कम एक जांच होने पर और दूसरी किस्त (दो हजार रुपए) बच्चे के जन्म का पंजीकरण होने, बच्चे के प्रथम चक्र का टीकाकरण पूरा होने पर मिलेगी। बच्चे का जन्म होने के 270 दिन तक योजना का लाभ लिया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि दूसरा बच्चा लड़की होने पर छह हजार एक मुश्त रुपए दिये जाते हैं। इसका पंजीकरण प्रथम चक्र का टीकाकरण पूरा होने पर किया जाएगा। यह राशि बालिकाओं के प्रति सकारात्मक व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए है। योजना के तहत मिलने वाली धनराशि लाभार्थी के बैंक खाते में सीधे ट्रांसफर की जाती है।

सक्रिय क्षय रोगी खोज अभियान जारी

गाजियाबाद, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। सक्रिय क्षय रोगी खोज (एसीएफ) अभियान के अंतर्गत अब तक जिले में 94 क्षय रोगी खोजे जा चुके हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डा. भवतोष शंखधर ने बताया - इनमें से 68 रोगी स्पुटम (बलगम का नमूना) जांच और 26 रोगी क्लीनिकल डायग्नोसिस से खोजे गए हैं। उन्होंने बुधवार को बताया - 23 नवम्बर से शुरू हुए एसीएफ के दौरान अब तक करीब 3.23 लाख लोगों की स्क्रीनिंग की गई है। स्क्रीनिंग में कुल 5212 लोगों में टीबी से मिलते-जुलते लक्षण पाए गए, हालांकि एसीएफ के दौरान अब तक कुल 7259 व्यक्तियों की स्पुटम (बलगम) के नमूने लिए गए हैं। एसीएफ पांच दिसंबर तक चलेगा।

अब तक 94 टीबी रोगी खोजे गए, 5 दिसम्बर तक चलेगा अभियान

सीएमओ डा. भवतोष शंखधर ने बताया - एसीएफ के दौरान इतनी संख्या में क्षय रोगी मिलने का मतलब है कि समुदाय में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ी है और लोग टीबी की जांच कराने के लिए आगे आ रहे हैं। कम समय में अधिक क्षय रोगियों को खोजकर उपचार पर लाने से ही टीबी संक्रमण की चेन टूटेगी। डा. शंखधर ने कहा - फेफड़ों की टीबी एक संक्रामक रोग है जो सांस के जरिए फैलता है। रोगी की पहचान होने तक वह अपने संपर्क में आने वाले अन्य लोगों को संक्रमण दे सकता है, जबकि उपचार शुरू होने के दो माह बाद रोगी से अन्य लोगों को संक्रमित होने खतरा नहीं रहता है। इसलिए विभाग एसीएफ चलाकर एक साथ अधिक से अधिक रोगियों को उपचार पर लाने का प्रयास करता है।

सीएमओ ने जनपद वासियों से अपील की है - 'दो सप्ताह से अधिक खांसी या बुखार, खांसते समय बलगम या खून आना, थकान, सीने में दर्द, वजन कम होना और रात में सोते समय पसीना आना, टीबी के लक्षण हो सकते हैं। इनमें से कोई भी लक्षण होने पर नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर टीबी की जांच कराएं। एसीएफ टीम घर पर पहुंचे तो उसे सही जानकारी उपलब्ध कराकर मदद करें और टीम के कहने पर स्पुटम जांच के लिए अवश्य दें।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जिले के सभी विद्यालयों के कायाकल्प कार्यों में तेजी लाते हुये सभी कार्य पूर्ण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों के द्वारा जिन विद्यालयों में कायाकल्प का कार्य चल रहा है: **मनीष कुमार वर्मा, जिलाधिकारी**

सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा परिवर्तन वाहक विषय पर कार्यशाला आयोजित

ग्रेटर नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग, स्कूल ऑफ डेंटल साइंसेज, शारदा विश्वविद्यालय ने सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा परिवर्तन वाहक विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया। डॉ. विक्रांत मोहंती, प्रोफेसर और प्रमुख, सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग, मौलाना आजाद डेंटल कॉलेज नई दिल्ली और डॉ. हर्ष प्रिया अतिरिक्त प्रोफेसर एम्स-सीडीईआर नई दिल्ली ने वक्ता के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने युवा नवोदित दंत चिकित्सक को विभिन्न क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा के दायरे और अनुसंधान करने के महत्व के बारे में बताया। शारदा स्कूल ऑफ डेंटल साइंसेज के डीन डॉ. एम. सिद्धार्थ ने छात्रों को अनुसंधान के क्षेत्र में वक्ताओं द्वारा साझा किया और सर्वोत्तम अंतर्दृष्टि का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग की प्रमुख डॉ. स्वाति शर्मा ने पेटेंट के महत्व और इसके दायरे पर प्रकाश डाला। इसी प्रेरणा के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं को लेकर जिलाधिकारी ने की समीक्षा

स्कूलों में शतप्रतिशत उपस्थिति के साथ मिड डे मील सहित सभी योजनाओं की मानिटरिंग का दिया निर्देश

ग्रेटर नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं को लेकर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने मासिक समीक्षा बैठक की। बैठक में बेसिक शिक्षा अधिकारी एश्वर्या लक्ष्मी ने पॉवर प्रजेंटेशन के माध्यम से शिक्षा विभाग के वर्तमान तक के कार्यो की प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग के कार्यो की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके द्वारा प्राधिकरण व अन्य सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जिले के सभी विद्यालयों के कायाकल्प कार्यो में तेजी लाते हुये सभी कार्य पूर्ण गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण कराने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों के द्वारा जिन विद्यालयों में कायाकल्प का कार्य चल रहा है निरंतर उनकी मॉनिटरिंग की जाए ताकि गुणवत्ता परक रूप से कार्य पूर्ण करायें जा सके। जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शत प्रतिशत छात्र छात्राओं का आधार वेरीफाई कराए जाने का कार्य पूर्ण कराए जाने की कार्रवाई की जाय। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को डीबीटी के माध्यम से यूनिफॉर्म, जूता व मोजा खरीदने के लिए जो धन राशि हस्तांतरित की जाती है अध्यापक गण निरंतर मॉनिटरिंग करें कि उनके द्वारा यूनिफॉर्म, जूता, मोजा खरीदा गया है या नहीं। जिलाधिकारी शिक्षा विभाग के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि उनके द्वारा विद्यालयों में निरन्तर मॉनेटिरिंग कर छात्र-छात्राओं की उपस्थित शत् प्रतिशत सुनिश्चित करायी जायें और जो बच्चें नियमित रूप से स्कूल नही आ रहे अध्यापकगण स्कूल के बाद उनके घर जाकर जानकारी प्राप्त करें की बच्चा स्कूल क्यों नही आ रहा है।

प्लेसमेन्ट ड्राइव के प्रतिभागियों को मिला रोजगार

ग्रेटर नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। प्रिंस इंस्टिट्यूट ऑफ इन्नोवेटिव टेक्नोलॉजी ग्रेटर नोएडा में प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की गई, जिसमें कई बड़ी कंपनियों ने भाग लिया और ग्रेटर नोएडा के विभिन्न कॉलेज के 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें से लगभग 45 प्रतिभागियों का चयन किया गया जो विभिन्न कंपनियों में कार्यरत होंगे। सभी चयनित विद्यार्थियों को संस्थान के अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. भरत सिंह ने बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रोफेसर बी. एस. रावत अधिवक्ता, प्लेसमेंट विभाग की अध्यक्ष देव मित्रा सान्याल एवं डॉ. सपना आर्य निदेशक संस्थान के डायरेक्टर आर. के. शाक्य जी एवं समस्त विभाग अध्यक्ष उपस्थित रहे। इस अवसर पर बजाज फाइनेंस साबिर बायोटेक ईस्ट इंडिया टेक्नोलॉजी आदि विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया।

आरसेटी ने ग्रामीणों को स्वरोजगार प्रशिक्षण के बाद वितरित किए प्रमाण-पत्र

ग्रेटर नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। केनरा बैंक द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) ने स्वरोजगार हेतु निःशुल्क 'फ्रीज, ए.सी. रिपेयरिंग' का तीस दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 से 24 तक आरसेटी संस्थान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 33 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण एवं प्रमाण पत्र वितरित किया गया। डोमेन विषय का प्रशिक्षण और प्रैक्टिकल डीएसटी चंद्रशेखर मिश्रा ने दिया और सॉफ्ट स्किल के साथ साथ बैंकिंग की जानकारी संस्थान के निदेशक अनिल कुमार, फैकल्टी अजीत सिंह व अंकिता नागर ने सभी को प्रदान किया। संस्थान के निदेशक अनिल कुमार ने सभी का स्वागत किया और कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। प्रशिक्षण समापन और प्रमाण पत्र वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आयुष मालिक सब इंस्पेक्टर, पुलिस चौकी कोट, दादरी मौजूद रहे। मुख्य अतिथि महोदय ने सभी को प्रमाणपत्र वितरित किये एवम उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी। अंत में संस्थान के निदेशक अनिल कुमार के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समारोह समाप्त हुआ। संस्थान के निदेशक ने प्रशिक्षणार्थियों को 30 नवम्बर से शुरू हो रहे ब्यूटी पार्लर के कार्यक्रम की जानकारी दी।

अज्ञात चालक के खिलाफ लापरवाही से कार चलाने के आरोप में मामला दर्ज

जेवर, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। कस्बे के कानीगढी रोड पर मंगलवार षाम को तेज रफ्तार कार की चपेट में आकर साईकिल सवार की मौत के मामले में पुलिस ने पीड़ित स्वजनों की शिकायत पर अज्ञात चालक के खिलाफ लापरवाही से कार चलाने के आरोप में मामला दर्ज कर षव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देर षाम मृतक का शव जेवर पहुंचने पर स्वजनों ने लोगों के साथ मिलकर उसका मुस्लिम रीति रिवाज से अंतिम संस्कार कर दिया। ज्ञात हो कि जेवर के मौहल्ला मौहल्ला टंकी वाला का रहने वाला बादशाह 44 मंगलवार शाम को कानीगढी से मूंगफूली बेचकर अपने घर लौट रहा था। उसी दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के समीप पहुंचने पर जेवर की ओर से आ रही तेज रफ्तार हुंडई कार ने उसकी साईकिल में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से उसे जेवर स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल की मोर्चरी में रखा था। जेवर के मौहल्ला खत्तीवान के रहने वाले शकील ने बुधवार को कोवताली पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि उसका भाई बादशाह 44 साईकिल द्वारा फेरी लगाकर मूंगफली बेचने का काम कर अपने परिवार को पालन पोषण करता था।

इकोटेक-8 में डिक्सन टेक्नोलॉजी प्लांट में जल्द बनेंगे रेफ्रिजरेटर

दूसरी हायर कंपनी के दूसरे चरण में 600 करोड़ के निवेष इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को उत्पादन शुरू

ग्रेटर नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर इकोटेक-8 में डिक्सन टेक्नोलॉजी का प्लांट तैयार हो गया। यहां रेफ्रिजरेटर बनेंगे। वहीं, हायर कंपनी के दूसरे चरण में 600 करोड़ रुपए के निवेश से इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उत्पादन शुरू किया जाएगा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में डिक्सन टेक्नोलॉजी का प्लांट तैयार हो गया। यह इकोटेक-8 में 20 एकड़ में फैला हुआ है। यहां प्रति वर्ष 1.2 करोड़ रेफ्रिजरेटर बनेंगे। कंपनी ने इस प्लांट में 400 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे यहां 3000 लोगों को रोजगार मिलेगा। प्लांट तैयार है। अगले महीने इसका उद्घाटन होने की उम्मीद है। वहीं, आईआईटीजीएनएल में हायर इलेक्ट्रानिक्स को 122 एकड़ जमीन आवंटित की गई है। पहला चरण 70 एकड़ में पूरा हुआ है। दूसरे चरण में कंपनी 600 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। यहां इलेक्ट्रॉनिक सामानों के साथ धातु घटकों का निर्माण होगा। दूसरे चरण में करीब 2000 लोगों को रोजगार मिलेगा। अगले साल के अंत तक दूसरे चरण में उत्पादन शुरू हो जाएगा। इसके अलावा जापानी कंपनी एनटीटी लिमिटेड अगले महीने डाटा सेंटर का संचालन शुरू करेगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने टेकजोन-4 में छह एकड़ जमीन आवंटित की है। कंपनी 700 करोड़ रुपए का निवेश किया है। इससे यहां 300 लोगों को रोजगार मिलेगा। डाटा सेंटर बनकर तैयार हो गया है।

घर खरीदारों की समस्या से उप मुख्यमंत्री को गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कराया अगगत

जिला अस्पताल में मरीजों की समस्या के साथ ह्वाइट पेपर किया भेंट

ग्रेटर नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक से मुलाकात की। लखनऊ में हुई इस मुलाकात में राष्ट्रीय प्रवक्ता द्वारा उपमुख्यमंत्री को क्षेत्र में चल रही घर खरीदारों की समस्या से अवगत कराया। गोपाल कृष्ण ने उप मुख्यमंत्री को होम बायर्स की हर एक समस्या के समाधान के साथ बने व्हाइट पेपर को भी भेंट किया एवं उस पर चर्चा की। इसके अतिरिक्त गौतमबुधनगर एवं नोएडा सेक्टर-39 स्थित जिला चिकित्सालय में आये दिन मरीजों को हो रही समस्याओं से उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक को अवगत कराया, जिसपर जल्द सख्त कदम उठाए जाएंगे और उसका लाभ हजारों मरीजों को रोजाना मिलेगा। गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने बताया की होम बायर्स की समस्या को लेकर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों ही गंभीर हैं और समस्या का समाधान करवाने के लिए अग्रसर हैं। स्वास्थ्य सेवाओं को जन जन तक पहुंचाना ही हमारी प्राथमिकता है।

चार दिन बाद भी छात्र की हालत स्थिर, पांच हमलावरों ने किया था जानलेवा हमला

जेवर, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। कोतवाली क्षेत्र के गांव रामपुर बांगर के रहने वाले एक किशोर पर खेतों से लौटते वक्त किये गये जानलेवा हमला के चार दिन बाद भी उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। पीड़ित पिता ने मंगलवार को अज्ञात पांच हमलावरों के खिलाफ जानलेवा हमला करने का आरोप लगाते हुये पुलिस से शिकायत की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। रामपुर बांगर के रहने वाले हरिओम शर्मा ने पुलिस से शिकायत करते हुये बताया कि उसका पुत्र नितिन 16 जेवर स्थित सरस्वती विद्यालय में कक्षा 11वीं का छात्र है। 26 नवम्बर की शाम को नितिन खेतों से टयूब बैल को बंद कर अपने घर लौट रहा था। उसी दौरान अज्ञात पांच हमलवारों ने लाठी डंडो से मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। स्वजनों ने उसे जेवर स्थित कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया जहां चार दिन बाद भी आईसीयू में उसका उपचार जारी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को किया प्रोत्साहित

ग्रेटर नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। भारत निर्वाचन आयोग की मंशा के अनुरूप एवं जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में मिहिर भोज पीजी कॉलेज दादरी ग्रेटर नोएडा में मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह एवं जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह की उपस्थिति में स्वीप कार्यक्रम के तहत एन.एस.एस. की इकाईयों द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. सपना नागर, कार्यक्रम अधिकारी, एन.एस.एस. इकाई प्रथम व शैलेन्द्र कुमार, कार्यक्रम अधिकारी, एन.एस.एस. इकाई-द्वितीय व एन.एस.एस. स्वयंसेवकों द्वारा मतदाता शपथ ग्रहण के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह ने मतदाता फार्म 6, 7 व 8 के बारे में विस्तृत जानकारी दी और छात्रों को उन्हें शीघ्र भरने के लिए प्रेरित किया। मुख्य अतिथि जनार्दन सिंह, मुख्य विकास अधिकारी ने विद्यार्थियों के मताधिकार के महत्व पर प्रकाश डाला और देश के चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा बनने के लिए छात्रों को उत्साहित किया।

यमुना प्राधिकरण ग्रीन बेल्ट का रखरखाव करेगी औद्योगिक कंपनिया

■ **पार्क और ग्रीन बेल्ट के रखरखाव के लिए कंपनियों को दिया जाएगा जिम्मा**

ग्रेटर नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण औद्योगिक कंपनियों और बड़े समूहों को पार्क और ग्रीन बेल्ट का रखरखाव करने के लिए गोद देगा। इसके लिए नीति तैयार की जा रही है। प्राधिकरण क्षेत्र में उत्पादन शुरू करने वाली फार्च्यून 500 में शामिल एवरी डेविन्सन कंपनी ने एक पार्क को गोद लेने का प्रस्ताव यमुना प्राधिकरण को दिया है। कंपनी का कहना है कि वह पार्क का सौंदर्यीकरण करेगा और उसकी देखरेख करेगी। यमुना प्राधिकरण के पास अभी पार्क और ग्रीन बेल्ट को गोद देने के लिए नीति नहीं है। आवेदन आने के बाद प्राधिकरण इसकी नीति तैयार करवा रहा है। इसमें नियम और शर्तें तय की जाएंगी कि आखिर कब तक और किस आधार पर पार्क और ग्रीन बेल्ट दिए जाएं। आगामी बोर्ड बैठक में इसी नीति को रखा जाएगा। नीति के पास होते ही आवेदन करने वाली कंपनी को पार्क दे दिया जाएगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रचार वाहन को जिलाधिकारी ने झंडी दिखाकर किया रवाना

ग्रेटर नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत जिले में विभिन्न कार्यक्रम ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित किए जा रहे हैं, इसी श्रृंखला में जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर से जनपद के शहरी क्षेत्र के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा की प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि जिल में विकसित भारत संकल्प यात्रा 26 जनवरी 2024 तक संचालित रहेगी, जिसमें जनहितार्थ केंद्र व राज्य सरकार के महत्वाकांक्षी योजनाओं का विकसित भारत संकल्प यात्रा प्रचार वाहन के माध्यम से जनपद के शहरी क्षेत्रों में भारत सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं का ऑडियो/वर्चुअल प्रदर्शन द्वारा व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का मुख्य उद्देश्य जन सामान्य/आम नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के विषय में लाभान्वित कर, उन्हें जागरूक करना है ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंच सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, डिप्टी कलेक्टर चारुल यादव, भैरपाल सिंह, उपनिदेशक कृषि राजीव कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह तथा अन्य अधिकारीकरण उपस्थित रहे।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम चचूला में उप जिलाधिकारी सदर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 1142/एस0टी0-एस0डी0एम0/2022, दिनांक 20.09.2022, के अनुसार मृतक विनोद पुत्र स्व0 श्री बिहारी, निवासी ग्राम चचूला, परगना दनकौर तहसील सदर जिला गौतमबुद्धनगर व परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 1034/एस0टी0-एस0डी0एम0/2023, दिनांक 28.10.2023 के अनुसार मृतक श्रीमती सोना देवी पत्नी स्व0 श्री बिहारी, ग्राम चचूला, परगना दनकौर तहसील सदर जिला गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग
गुनपुरा	483 563	स्व0 श्रीमती सोना देवी पत्नी स्व0 बिहारी निवासी ग्राम चचूला परगना दनकौर तहसील सदर जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती मंजू देवी पत्नी स्व0 विनोद	पुत्रवधू	44 वर्ष
			श्री मनेन्द्र नागर पुत्र स्व0 विनोद	पौत्र	25 वर्ष
			श्री हिमांशु नागर पुत्र स्व0 विनोद	पौत्र	19 वर्ष
			श्रीमती हिमांशी पुत्री स्व0 विनोद	पौत्री	22 वर्ष
			श्रीमती निशा पुत्री स्व0 विनोद	पौत्री	24 वर्ष
			श्रीमती मनीषा नागर पुत्री स्व0 विनोद	पौत्री	21 वर्ष

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।
तहसीलदार यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम गुनपुरा, तहसील सदर जिला गौतमबुद्धनगर में कार्यालय उपजिलाधिकारी जेवर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 89/एस0टी0-एस0डी0एम0/2023, दिनांक 30.10.2023, के अनुसार निम्न प्रकार मृतक श्री महावीर सिंह पुत्र छज्जू सिंह निवासी ग्राम रूस्तमपुर परगना जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसानों/पारिवारिक सदस्यों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
रूस्तमपुर	235	श्री महावीर सिंह पुत्र छज्जू सिंह निवासी ग्राम रूस्तमपुर परगना जेवर तहसील जेवर जिला गौतमबुद्धनगर	श्री दिनेश कुमार	पुत्र	68 वर्ष	
			श्री हरेन्द्र सिंह	पुत्र	47 वर्ष	
			कान्ति	पुत्री	59 वर्ष	विवाहित
			कमलेश	पुत्री	57 वर्ष	विवाहित
			मालती	पुत्री	52 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त परिवारिक सदस्यों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों/पारिवारिक सदस्यों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व अन्य लाभों हेतु दर्ज कर दिया जायेगा।
तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम भट्टा में उप जिलाधिकारी सदर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 1262/एस0टी0-एस0डी0एम0/2022, दिनांक 31.07.2022, मृतक स्व0 श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री लालमन नि0 ग्राम भट्टा परगना व तहसील जनपद गौतमबुद्धनगर की मृत्यु दिनांक 14.07.2022 को हो चुकी है के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
भट्टा	130	स्व0 श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री लालमन नि0 ग्राम भट्टा	श्रीमती अंगूरी देवी	पत्नी	67 वर्ष	
			श्री विजय शर्मा	पुत्र	54 वर्ष	
			श्री सुशील	पुत्र	40 वर्ष	
			श्री गोपाल	पुत्र	39 वर्ष	
			श्रीमती राजन शर्मा	पुत्री	38 वर्ष	विवाहित
			श्रीमती पुष्पा देवी	पुत्री	34 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।
तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

कॉलेज का गैस कटर से गेट काटकर नगदी समेत लाखों का सामान चोरी

दनकौर, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। दनकौर कोतवाली क्षेत्र के दौला रजपुरा गांव में स्थित एक इंटर कॉलेज से मंगलवार रात करीब 30 हजार रुपये का कैश समेत लाखों रुपए की चोरी होने का मामला सामने आया है। बुधवार सुबह स्टाफ के लोगों के पहुंचने के बाद घटना की जानकारी हुई। आरोप है कि गैस कटर से गेट को काटकर घटना को अंजाम दिया गया है। इस संबंध में स्कूल के प्रबंधक ने अज्ञात चोरों के खिलाफ पुलिस से मामले की शिकायत की है। पुलिस मामले की जांचकर आगे की कानूनी कार्रवाई करने की बात कह रही है। गांव के बाहरी छोर पर इंटर कॉलेज स्थित है। जहां मंगलवार की रात अज्ञात चोर दीवार कूदकर अंदर घुस गए। जहां उन्होंने गैस कटर से ऑफिस के मुख्य गेट को काटकर उसके अंदर रखे करीब 30 हजार चुरा लिए। साथ ही वहां पर रखे लैपटॉप समेत करीब 2 लाख रुपए के समान को भी चुरा ले गए। स्कूल के प्रबंधक अरुण शर्मा ने बताया कि इस दौरान आरोपी कॉलेज परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे की वायर और उसकी डीवीआर को भी चुरा कर ले गए। उनका कहना है कि आरोपी वाहन में सामान को भरकर ले गएं हैं। क्योंकि कॉलेज के नजदीक वाहन के टायर के निशान भी पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार की देर शाम तक स्कूल के रखवाली करने वाला गार्ड वही था। तब तक कुछ नहीं हुआ था। उसके बाद जब वह अपने घर आ गया, तभी यह घटना हुई है। उन्होंने बताया कि अज्ञात आरोपियों ने इस घटना को अंजाम दिया गया है। दनकौर कोतवाली प्रभारी संजय सिंह का कहना है कि पीड़ित की शिकायत ले ली गई है। जिसके आधार पर जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि जल्द ही आरोपियों का सुराग लगाकर उनको गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

मेरा वोट मेरा भविष्य के तहत पोस्टर प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। मेरा वोट मेरा भविष्य इस सन्देश के साथ कुंवारी मायावती राजकीय महिला स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय बादलपुर

में विद्यालय की छात्राओं द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने पोस्टर बनाकर चेतना हेतु प्रयास किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. वंदना सिंह, अध्यक्ष महिला उन्नति संस्था एवं महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. दिव्या नाथ, समन्वयक डॉ. ममता उपाध्याय एवं डॉ. सीमा देवी उपस्थित रही। महाविद्यालय ने स्वीप कार्यक्रम के मतदाता पंजीकरण अभियान के तहत छात्राओं द्वारा अद्यतन 1000 नवीन मतदाता पंजीकृत कराये गये। सम्पूर्ण कार्यक्रम जिला स्वीप समन्वयक डॉ. शालिनी सिंह, वंदना यादव एवं गीता भाटी के दिशानिर्देशों में किया गया।

संपादकीय

नई दिल्ली, गुरुवार 30 नवम्बर 2023

संस्थापक-सम्पादक : स्व. माया‌राम सुरजन

इन चुनावों से खुलेंगी नयी राहें

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की श्रृंखला की अंतिम कड़ी के रूप में दक्षिणी राज्य तेलंगाना में गुरुवार को मतदान हो जाने के बाद अब सीधे अगले वर्ष के मध्य में लोकसभा के चुनाव होंगे। जैसा सियासी माहौल प्रचार अभियानों के दौरान नज़र आया और विश्लेषकों को महसूस हुआ है उससे यह राय सहज ही बन रही है कि इन राज्यों के मतदान के जो परिणाम 3 दिसम्बर को आएंगे उनसे जनता के समक्ष नयी राहें खुलने जा रही हैं जो मौजूदा परिस्थितियों से देश को निकालने में सक्षम होंगी।

वैसे तो एक संघीय ढांचे के अंतर्गत हर स्तर के चुनावों का अपना महत्व होता है; चाहे वह स्थानीय निकायों का ही क्यों न हो, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद से जिस प्रकार भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने देश में अराजकता का माहौल पैदा किया है उससे यह बात तो साफ हो गयी है कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री रहते देश में लोकतंत्र सुरक्षित नहीं रह सकता। वैसे तो 2014 में पहली बार पीएम बनने के बाद से ही मोदी ने सारी ताकत अपने हाथों में लेकर जनता पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया था, लेकिन उनका और भी अलोकतांत्रिक व्यवहार दूसरी बार अधिक विशाल बहुमत प्राप्त करने के बाद और भी बड़े स्वरूप में देखने को मिला। जितना खुलकर उन्होंने विपक्षी सरकारों को अस्थिर या परेशान किया, वैसा कभी भी भारत में देखने को नहीं मिला था। उनका 'कांग्रेस मुक्त भारत' का नारा कब 'विपक्ष मुक्त भारत' में बदल गया, पता भी नहीं चला। इस अलोकतांत्रिक नारे को उन्होंने ऐसा लोकप्रिय बना दिया कि लोग विधायकों की खरीद-फरोख्त कर या डरा-धमकाकर निर्वाचित राज्य सरकारों को गिराने की काली करतूतों को 'चाणक्यगिरी' या 'ऑपरेशन लोटस' का नाम देकर महिमामंडित करने लगे।

यह ऐसा भी समय है जब मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर केन्द्रीय जांच एजेंसियों का खुला उपयोग विपक्षी नेताओं को प्रताड़ित करने के लिये किया जा रहा है। इन एजेंसियों के लिये सम्भवत: स्पष्ट निर्देश हैं कि उनकी कार्रवाइयां केवल विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ ही होनी हैं। भाजपा व उनके समर्थक दलों व लोगों की ओर से आंखें मूंद ली जाती हैं। जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं उनमें से एक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ महादेव एप की ओर से 508 करोड़ रुपये देने का आरोप लगाया गया तो वहीं मध्यप्रदेश के कद्दावर नेता व केन्द्रीय मंत्री के पुत्र, जो दिल्ली से आकर विधायकी का चुनाव लड़ रहे हैं, वीडियो पर 100 और 500 करोड़ रुपयों की डील करते दिखते हैं। उनके घर पर प्रवर्तन निदेशालय, आयकर या सीबीआई के अधिकारी नहीं पहुंचते। केन्द्रीय जांच एजेंसियों की भूमिका एक तरह से भाजपा को मदद देने मात्र की रह गई है।

इन पांच राज्यों के चुनावों में, खासकर हिन्दी पट्टी के राजस्थान, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ में भाजपा द्वारा साम्प्रदायिकता का कार्ड खेलने की भी कोशिश हुई जो नाकाम रही। उसके मुकाबले जनहित के मुद्दे हावी रहे। यहां तक कि विकास की चर्चा से दूर भागने वाली भाजपा को इन तीनों प्रदेशों में चुनाव जीतने के लिये वादों और गारंटियों की बात करनी पड़ी। उसे शिक्षा, रोजगार, खेती-किसानी, स्वास्थ्य आदि को भी अपने घोषणापत्रों में शामिल करना पड़ा जो उसकी परम्परा के अनुकूल नहीं है- खासकर हाल के वर्षों में। उम्मीद है कि अगर इन राज्यों में भाजपा की हार होती है, जिसके अनुमान कई विश्लेषक, सर्वेक्षण आदि कर रहे हैं, तो भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनावों में नये सिरे से मुद्दों की तलाश करनी होगी। हालांकि अयोध्या के नवनिर्मित राममंदिर को बेशक मुद्दा बनाया जायेगा जिसका उद्घाटन मोदी के हाथों 22 जनवरी को होने जा रहा है। फिर भी वर्तमान राजनैतिक माहौल में लगता है कि जनता इसे विशेष तवज्जो नहीं देगी तथा इन्हीं चुनावों के नतीजे राममंदिर मुद्दे को पहले से ही बेअसर कर देंगे।

इसी सम्भावित पराजय के कारण इन राज्यों के पूरे प्रचार अभियान के दौरान बौखलाई भाजपा एवं मोदी कांग्रेस, विशेषकर उसके प्रमुख नेता राहुल गांधी को अपने खास निशाने पर लेते रहे। उनके लिये अपशब्दों के जरिये अपमान होता रहा, लेकिन पिछले साल की 7 सितम्बर से इस वर्ष 30 जनवरी तक राहुल की 'भारत जोड़ो यात्रा' ने जो परिदृश्य बदला है, उसके कारण लोगों का उनसे बड़े पैमाने पर जुड़ाव हुआ। उनका लोगों से नये सिरे से परिचय हुआ और इसी दौरान मोदी का असली रूप भी सामने आने लगा। उनकी हर मोर्चे पर नाकामी, कारोबारी गौतम अदानी व मुकेश अंबानी की उनके साथ मित्रता आदि ऐसे अनेक मुद्दे सामने आये जिसने मोदी की मेहनत व करोड़ों रुपये खर्च कर बनाई गई छवि को ध्वस्त कर रख दिया।

इन चुनावों ने राहुल व कांग्रेस को बहुत सशक्त एवं एकजुट किया है। कुछ राज्यों में उनके नेताओं के बीच जो मतभेद थे वे भी जीत की प्रत्याशा में समाप्त हो गये। इसके विपरीत यह भी आशंका है कि जिस तरह से भाजपा की बड़ी पराजय के अनुमान लगाये जा रहे हैं, उससे खुद मोदी को अगले प्रधानमंत्री पद की दावेदारी प्रस्तुत करने में दिक्कत आ सकती है क्योंकि उनके साथ या उनके चेहरे पर चुनाव लड़ने में उनकी पार्टी के ही नेता व सांसद परहेज कर सकते हैं। कांग्रेस और उसके नेतृत्व में बना संयुक्त प्रतिपक्षी इंडिया गठबंधन दोनों उत्साहित हैं। इंडिया व भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के बीच आमने-सामने का पहला मुकाबला भी अगले लोकसभा चुनावों में होगा। सम्भवत: इन चुनावों के परिणामों से भारतीय जनतंत्र की नयी राहें खुल सकती हैं।

बराबरी का हक और बराबरी का दिखावा

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

अपने उपन्यास एनिमल फॉर्म में जॉर्ज ऑरवेल ने लिखा है- ऑल एनिमल्स आर इक्वल, बट सम एनिमल्स आर मोर इक्वल दैन अदर्स। यानी सभी जानवर समान हैं , लेकिन कुछ जानवर दूसरों की तुलना में अधिक समान हैं। बराबरी के दिखावे पर यह अनुपम उदाहरण सोशल मीडिया साइट एक्स की एक पोस्ट को देखकर याद आया। इसमें एक नोटिस की तस्वीर शेयर की गई थी। नोटिस में अंग्रेजी में लिखा था- हाउस मेड्स, डिलीवरी ब्वॉयज़, एंड वर्कर्स शुड नॉट यूज़ पैसेंजर्स लिफ्ट. इन केस दे आर कॉट, दे विल बी फाइन्ड रू. 1000. ये किस शहर और किस सोसाइटी में लगा हुआ नोटिस है, ये तो पता नहीं, और ये भी कहना कठिन है कि जिन लोगों के लिए यह गैरकानूनी नोटिस चिपकाया गया है, उनमें से कितनों को इसकी भाषा समझ आई होगी। यह नोटिस अंग्रेजी में है, और देश के कामगार तबके के अधिकतर लोग प्रांतीय भाषाओं और बोलियों को ही जानते हैं। इस नोटिस को जिस किसी ने भी तैयार किया है, उसने किस आधार पर पकड़े जाने पर एक हजार रूपए के जुर्माने की बात लिखी है, यह भी समझ से परे है। क्योंकि लिफ्ट में जाना कोई कानूनन अपराध नहीं है। पकड़े जाने जैसी शब्दावली ऐसे लग रही है, मानो चोरी या कत्ल करते हुए कोई पकड़ा गया है। वैसे इस चेतावनीनुमा नोटिस में जो कुछ भी लिखा है, वो नए भारत का कड़वा सच है। करीब 12-15 पहले खबर पढ़ी थी कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों का गढ़ बन चुके गुड़गांव की एक बहुमंजिला इमारत में घरेलू सहायकों और कुत्तों के लिए अलग लिफ्ट की व्यवस्था की गई है और वहां रहने वाले बाशिंदों के लिए अलग लिफ्ट है। तब देश में यूपीए सरकार थी और मीडिया उद्योगपतियों का पूरी तरह से गुलाम नहीं बना था, इसलिए ऐसी खबरें अखबारों में छप जाया करती थीं। हालांकि समाज में भेदभाव तब भी मौजूद था, अब भी उतनी ही सघनता से विद्यमान है। फर्क इतना ही है कि अब जैसे ही मौका मिलता है, भेदभाव तरल होकर समाज में खुल कर बहने भी लगता है। एक दशक पहले तक समाज में इंसानियत के लिहाज की मात्रा थोड़ी अधिक थी, आंखों में शर्म थोड़ी बहुत दिख जाती थी। अब वह सब बड़ी तेजी से विलुप्त होता जा रहा है। बिल्कुल आयातित चीतों की तरह।

बहरहाल, इस नोटिस को देखकर ज्यादा आश्चर्य नहीं हुआ, क्योंकि नगरीय जीवन में अब यह आम चलन हो गया है। लगभग हर बहुमंजिला इमारत में कामगारों के लिए अलग लिफ्ट की व्यवस्था है, जिसे सर्विस लिफ्ट कहा जाता है। कोरोना काल में अलग लिफ्ट के नियम का और कड़ाई से पालन होने लगा, क्योंकि संपन्न तबके के लोग यही मानकर चलते हैं कि सारी गंदगी और बीमारियां झुग्गियों में रहने वाले लोग ही उन तक पहुंचाते हैं। यह तथ्य पता नहीं कितने लोगों को याद है कि देश में कोरोना का प्रवेश हवाई यात्रा करने वालों की बदौलत हुआ है। यह भी सोचने की बात है कि आखिर किन कारणों से झुग्गी-झोपड़ियों या निचली बस्तियों में गंदगी और बीमारी फैलती है। क्यों वहां के लोग अच्छी हवा और पानी से वंचित रहते हैं। कौन उनके हक को मारकर अपनी जेबें और कोठियां भर रहा है। चंद लोगों के विलासितापूर्ण जीवन का भुगतान लाखों लोगों को क्यों करना पड़ रहा है। ऐसे सवाल समाज में अक्सर असुविधा पैदा कर देते हैं, इनके जवाब ढूंढने में खुद का सामना आईने से हो जाता है। इसलिए बेहतर यही होता है कि ऐसे मामलों की तह में जाएं ही नहीं और जैसा चल रहा है, वैसा ही चलने दें। जब देश गुलाम था, तब लोगों को खरीदने-बेचने का चलन था, दास प्रथा चलती थी, निचली जाति या हैसियत के लोगों को धन और सत्ता की शक्ति से संपन्न लोगों की चाकरी करनी पड़ती थी। देश आजाद हो गया, तो संविधान निर्माताओं ने भारत की इस सामाजिक सच्चाई को समझते हुए नियम-कानून बनाए। सबके लिए बराबरी का अधिकार निश्चित किया। हालांकि वे भी जानते थे कि भारत अपनी भेदभाव वाली मानसिकता से इतनी जल्दी नहीं उबर पाएगा, फिर भी उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी और अपनी ओर से नए भारत को जो बेहतरीन तोहफा दे सकते थे, वो संविधान के रूप में दिया। अफसोस ये है कि इस संविधान का पूरा लाभ उन नागरिकों को ही नहीं मिल रहा है, जिन्हें खास तौर पर ध्यान में रखते हुए बराबरी के अधिकार को शामिल किया गया है। चाकरी, गुलामी, दासता, जो कह लें, शक्तिशाली और प्रभावशाली लोगों की बदौलत अब भी समाज में विद्यमान हैं।

> **बहरहाल, इस नोटिस को देखकर ज्यादा आश्चर्य नहीं हुआ, क्योंकि नगरीय जीवन में अब यह आम चलन हो गया है। लगभग हर बहुमंजिला इमारत में कामगारों के लिए अलग लिफ्ट की व्यवस्था है, जिसे सर्विस लिफ्ट कहा जाता है। कोरोना काल में अलग लिफ्ट के नियम का और कड़ाई से पालन होने लगा, क्योंकि संपन्न तबके के लोग यही मानकर चलते हैं कि सारी गंदगी और बीमारियां झुग्गियों में रहने वाले लोग ही उन तक पहुंचाते हैं।**

तीन दिन पहले ही देश की सरकार ने संविधान दिवस मनाया है। मोदी सरकार के आने के बाद से 26 जनवरी के साथ-साथ 26 नवंबर का महत्व भी बढ़ा दिया गया है। इस बार तो प्रधानमंत्री मोदी ने इस दिन मन की बात भी की, क्योंकि महीने का आखिरी रविवार था। खैर, 26 नवंबर के ही दिन हमारे रिहायशी इलाके के व्हाट्सऐप ग्रुप पर एक चर्चा छिड़ी, जिसमें इस बात पर कुछ लोगों ने आपत्ति जतलाई कि सोसाइटी परिसर के भीतर मौजूद ब्यूटी पार्लर में घर में काम करने वाली मेड्स यानी सहायिकाओं को क्यों प्रवेश दिया जा रहा है। बाकायदा सवाल उठाया गया कि फेशियल, मेनिक्योर, पेडिक्योर या बाल कटवाने के लिए ये सहायिकाएं उस पार्लर में कैसे जा सकती हैं, और इनके पास इतने पैसे कहां से आते हैं कि ये पार्लर का खर्च उठा सकें। कुछ लोगों ने यह मांग भी उठाई कि पार्लर के मालिक के खिलाफ शिकायत कर इसे बंद करवाना चाहिए। इस सवाल को देखकर मन भीतर तक वितृष्णा से भर उठा कि आखिर सभ्य समाज में रहने वाला इंसान इतनी गिरी हुई सोच कैसे ला सकता है और इतना दुस्साहस कैसे जुटा सकता है कि ऐसे सवाल उठाए। हालांकि ये देखकर संतोष हुआ कि कुछ लोगों ने फौरन ऐसे सवाल का प्रतिवाद किया और पूछा कि हम इन मेड्स से अपना घर साफ करवा सकते हैं, इनका बनाया भोजन ग्रहण कर सकते हैं, अपने बच्चों को इनके भरोसे छोड़ सकते हैं, लेकिन अगर ये अपने सौंदर्य पर अपने पैसे खर्च करना चाहें और संपन्न घरों की महिलाओं की तरह पार्लर में जाएं, तो किसी को तकलीफ क्यों होनी चाहिए।

कामगारों के लिए अलग लिफ्ट से होते हुए बात पार्लर जाने पर आपत्ति तक पहुंच गई, लेकिन मूल सवाल वही बना हुआ है कि आखिर धर्म, जाति, नस्ल और आर्थिक स्थिति का यह भेदभाव किस तरह खत्म होगा। संविधान ने केवल रास्ता दिखाया है, उस पर चलने की इच्छाशक्ति समाज को ही दिखानी होगी। फिल्म दीवार में अमिताभ बच्चन का एक डायलॉग काफी चर्चित हुआ था, जिसमें वे एक बिल्डिंग को खरीदते हैं और कहते हैं कि आपने इसके 10 लाख रूपए और मांगे होते तो भी मैं दे देता। आज से बीस बरस पहले जब ये बिल्डिंग बन रही थी, तो मेरी मां ने इसमें ईंटें उठाई थीं। आज मैं ये बिल्डिंग अपनी मां को तोहफे में देने जा रहा हूं। अब जिंदगी तो कोई फिल्म नहीं है, जिसमें इस तरह के संवाद कहने-सुनने मिलें। ऊंची इमारतों से लेकर, चौड़ी सड़कों और उत्तरकाशी के सिलक्यारा में बन रही सुरंग तक, सबमें मजदूरों का खून-पसीना लगा होता है। एक बार निर्माण हो जाने के बाद इन पर पूंजीपतियों का कब्जा हो जाता है। मजदूर न लाखों-करोड़ों के घरों में कभी रह पाते हैं, न इन सड़कों पर रफ्तार भरने वाली गाड़ियों पर सवार हो पाते हैं। उन्हें उनकी मजदूरी के अतिरिक्त कोई तोहफा भी नहीं मिलने वाला। लेकिन संविधान में उनको जिस बराबरी का हक मिला हुआ है, उसे किसी भी तरह न मारा जाए, इतना ही ध्यान समाज रख ले तो गैरबराबरी दूर करने में यह बड़ा कदम होगा। फिर किसी बेटे को अपनी मां को तोहफा देने के लिए बेईमानी की राह पर नहीं चलना पड़ेगा।

तेलंगाना चुनाव प्रचार के आखिरी चरण में तेजी से आगे बढ़ी कांग्रेस

■ कल्याणी शंकर

जैसे-जैसे तेलंगाना चुनाव अपने अंतिम चरण में पहुंचा, भारत का सबसे युवा राज्य त्रिकोणीय चुनावी मुकाबले के लिए तैयार है। सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बी.आर.एस.), कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीत के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

2014 में अपनी स्थापना के बाद से बी.आर.एस. प्रमुख के.चंद्रशेखर राव शीर्ष पर रहे हैं। वह हैट्रिक लगाने को बेताब हैं। हालांकि, सत्ता विरोधी लहर उनके लिए एक बड़ी चुनौती है। अलग तेलंगाना आंदोलन का सफलतापूर्वक नेतृत्व करने के बावजूद, उन्हें विभिन्न कारणों से लोकप्रियता में गिरावट का सामना करना पड़ा है।

2018 में, आश्चर्यजनक रूप से, चुनावों को समय से पहले रखते हुए, टी.आर.एस. 119 सदस्यीय विधानसभा में 88 सीटें जीतीं। कांग्रेस ने 19 और ए.आई.एम.आई.एम. ने 7 सीटें जीती थीं। वर्तमान में बी.आर.एस. अन्य दलों को तोड़कर कुल 99 सीटें बना चुकी हैं, जबकि कांग्रेस के पास 8 विधायक हैं। ए.आई.एम.आई.एम. और भाजपा के पास क्रमश: 7 और 6 विधायक हैं।

केसीआर ने अपने बेटे और बेटी सहित अपने परिवार के सदस्यों को प्रमुख पदों पर स्थापित किया है। उनके बेटे, केटी रामा राव, उपमुख्यमंत्री हैं, उनकी बेटी, कविता, एक सांसद हैं, और उनका भतीजा एक मंत्री है।

> **भाजपा, कांग्रेस के अलावा तेलंगाना पर शासन करने वाली किसी अन्य पार्टी के साथ सामंजस्य स्थापित करेगी। खबरों के मुताबिक भाजपा एक गुप्त सौदे में केसीआर की मदद कर रही है। बदले में भाजपा केसीआर की बेटी पर नरम रुख अपनायेगी, जिसे एजेंसियां परेशान करती थीं। रेवंत रेड्डी के नेतृत्व की बदौलत कांग्रेस तेजी से बढ़त हासिल कर रही है।**

राव के पास अपने और अपने परिवार के लिए बड़ी योजनाएं हैं। जीतने के बाद, वह अपने बेटे को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में स्थापित करने की योजना बना रहे हैं। राज्य स्तर के राजनेता होने से संतुष्ट नहीं, उन्होंने राष्ट्रीय राजनीति पर अपनी नजरें जमा ली हैं।

पहले कदम के रूप में, केसीआर ने पार्टी का नाम तेलंगाना राष्ट्र समिति से बदलकर भारत राष्ट्र समिति कर दिया, जो अधिक राष्ट्रीय दृष्टिकोण की ओर बदलाव का संकेत है।

राव ने पिछले दशक में तीसरा मोर्चा, संघीय मोर्चा और जिंजर ग्रुप बनाने का प्रयास किया था, लेकिन कोई उन्हें गंभीरता से लेने वाला नहीं था। नवगठित विपक्षी इंडिया गठबंधन ने भाजपा को चुनौती देने के अपने उद्देश्य के बावजूद, अभी तक केसीआर को अपने साथ शामिल होने के लिए आमंत्रित नहीं किया है। उनका आरोप है कि केसीआर भाजपा की बी टीम है।

यह चुनाव तीन प्राथमिक खिलाड़ियों के लिए एक सफल क्षण है, क्योंकि भाजपा तेलंगाना को दक्षिणी राजनीति में लाभ पाने के एक अवसर के रूप में देखता है। नतीजे निस्संदेह अगले साल के लोकसभा चुनाव की दिशा तय करेंगे।

तेलुगु देशम पार्टी (टी.डी.पी.) एक समय एक महत्वपूर्ण राजनीतिक खिलाड़ी थी, लेकिन पिछले दशक में कमजोर हो गई है। इसके नेता चंद्रबाबू नायडू भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं और उन्होंने घोषणा की है कि पार्टी आगामी चुनावों में भाग नहीं लेगी। इस बीच, कांग्रेस पार्टी ने अपनी स्थिति फिर से हासिल कर ली है और बी.आर.एस. के लिए एक गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है।

राज्य में मुख्य विपक्षी दल बनने का भाजपा का लक्ष्य दूर की कौड़ी है। नगर निगम चुनाव में सुधार के बावजूद अब वह तीसरे स्थान पर खिसक गई है। कर्नाटक में दो बार जीतने के अलावा, भाजपा का एन.आर. कांग्रेस के साथ गठबंधन को छोड़कर, दक्षिण भारत में कोई महत्वपूर्ण उपस्थिति नहीं है। भाजपा उत्तर में किसी भी संभावित नुकसान को संतुलित करने के लिए दक्षिण में अधिक सीटें हासिल करने का इरादा रखती है, जहां उनका विस्तार पहले से ही अपने चरम पर है।

कांग्रेस को 2014 में दबाव में आकर आंध्र प्रदेश को बांटने का अफसोस है। हैरानी की बात यह है कि यह कदम उल्टा पड़ गया क्योंकि लोगों ने कांग्रेस को खारिज कर दिया और तेलंगाना में टी.आर.एस. तथा आंध्र प्रदेश में वाई.एस.आर.सी.पी. को अपना लिया।

केसीआर ने दो निर्वाचन क्षेत्रों, गजवेल और कामारेड्डी से अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है। गजवेल में उनका मुकाबला बी.आर.एस. के एक बागी से है, जबकि कामारेड्डी में उनका मुकाबला कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी से होगा। उन्होंने जोखिम लेने के बावजूद पार्टी में किसी भी विद्रोह से बचने के लिए सभी मंत्रियों और वरिष्ठ विधायकों को बरकरार रखा है।

हालिया जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, कांग्रेस पार्टी प्रतियोगिता में सबसे आगे है, उसके बाद बी.आर.एस. और भाजपा। बी.आर.एस. की पिछली बार की तुलना में कम सीटें जीतने की उम्मीद है, जबकि कांग्रेस को ज्यादा सीटें मिलने का अनुमान है। ए.आई.एम.आई.एम., जिसकी सीमित उपस्थिति है, वही सीटें बरकरार रख सकती है। कुछ स्वतंत्र उम्मीदवार एक या दो सीटें जीत सकते हैं। भाजपा के चौथे स्थान पर रहने की उम्मीद है।

केसीआर का मानना है कि उनके काम से उन्हें वोट मिलेंगे। उन्होंने सिंचाई और कृषि के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी पर भी ध्यान केंद्रित किया है। गूगल जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने 2014 से पहले भी हैदराबाद में निवेश किया है। तेलंगाना की जी.डी.पी. दोगुने से भी ज्यादा हो गया है। लेकिन नकदी से समृद्ध राज्य पर भारी कर्ज का बोझ है।

भाजपा, कांग्रेस के अलावा तेलंगाना पर शासन करने वाली किसी अन्य पार्टी के साथ सामंजस्य स्थापित करेगी। खबरों के मुताबिक भाजपा एक गुप्त सौदे में केसीआर की मदद कर रही है। बदले में भाजपा केसीआर की बेटी पर नरम रुख अपनायेगी, जिसे एजेंसियां परेशान करती थीं।

रेवंत रेड्डी के नेतृत्व की बदौलत कांग्रेस तेजी से बढ़त हासिल कर रही है। सोनिया गांधी ने मतदाताओं का दिल जीतने के लिए छह लोकलुभावन योजनाओं की घोषणा की, जिसमें महिलाओं के लिए 2500 रुपये और किसानों के लिए 15000 रुपये की पेशकश की गई। उन्होंने भीड़ को यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस ने 2014 में तेलंगाना बनाया था।

केसीआर की सफलता उनकी राजनीतिक रणनीति पर निर्भर है। इसके विपरीत, उनके विरोधी उनके परिवार की आलोचना करते हैं और उन पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हैं। केसीआर 2014 में तेलंगाना मुद्दे पर विजयी हुए और 2018 के चुनाव में किसानों का समर्थन किया। हालांकि, वर्तमान में, उन्हें सत्ता विरोधी लहर, पुनर्जीवित कांग्रेस और केंद्र का सामना करना पड़ रहा है वह अपनी बेटी की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास कर रहा है।

कांग्रेस को गेम ऑफ थ्रोर्न्स में सत्ता हासिल करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। बदलाव का मूड है। जब लोग परिवर्तन लाने के लिए दृढ़ संकल्पित होते हैं, तो वे किसी भी चुनौती या बाधा के बावजूद ऐसा करेंगे।

पावन प्रसंग

अहिंसा मानवता का उज्जवल प्रतीक है

अहिंसा की दृष्टि विराट है। उसमे संकीर्णता की जरा भी गुंजाइश नहीं है। यह तो गंगा की उस विमल-विशाल धारा के सदृश्य मुक्त व स्वतंत्र है। उसे बंधन प्रिय नहीं है। यदि अहिंसा को किसी प्रांत, भाषा, पंथ या सम्प्रदाय को परिधि में बंद कर दिया गया तो उसकी स्थिति वही होगी जो समुद के जल को किसी गड्ढे में बंद कर देने पर होती है। यह तो विश्व का सर्वमान्य सिद्धांत है। अहिंसा का सिद्धांत अनोखा सिद्धांत है। इतने बड़े पैमाने पर विशेष कर इतनी बड़ी शक्ति के हाथों अंग्रेजों से स्वराज प्राप्त करने में उसका उपयोग और भी अनोखा था।

अहिंसा का क्षेत्र काफी विस्तृत है वह विश्वव्यापी है। यह मानवता का उज्जवल प्रतीक है। इसके द्वारा ही जन समाज की सारी व्यवस्थायें व प्रवृत्तियाँ युग युग से सुचारू रूप से चली आ रही है। अहिंसा कायरता नहीं सिखलाती वह तो वीरता सीखलाती है। अहिंसा वीरों का धर्म है। अहिंसा का स्वर है । हे मानव । तुं अपनी स्वार्थ लिप्सा में डूबकर दूसरों के अधिकार को मत छीनों। किसी देश या समाज के आंतरिक मामलो में हस्तक्षेप मत करो। किसी भी समस्या को शांतिपूर्वक समजाने का प्रयास करो। और शांति के लिए तुम अपना बलिदान अवश्य दो। किंतु अपनी स्वार्थ एवं वासनापूर्ति के लिए किसी के प्राणों को मत लूंटो। इस पर ही यदि समस्या का उचित समाधान नहीं हो पा रहा है और देश जाति और धर्म की रक्षा करना अनिवार्य हो तो उस स्थिति में वीरता परक कदम उठा सकते हो। अहिंसा के नाम पर कायर बनकर मुँह छिपाकर मत बैठो।

अहिंसा यह कभी नहीं कहती कि मानव अन्यायों को सहन करें क्योंकि जैसे अन्याय करना स्वयं में पाप है। वैसे ही अन्याय को कायर होकर सहन करना भी एक महापाप है। वह अहिंसा ही क्या है? जिसमें अन्याय के प्रतिकार की शक्ति नहीं है। देश की आजादी को सुरक्षित रखने की क्षमता नहीं है। वह अहिंसा, अहिंसा नहीं है। वह तो नाम मात्र की अहिंसा है।

श्रमण संस्कृति के भगवान महावीर ने अलख जगाई, गांव-गांव घूमकर मानव समाज को अहिंसा और प्रेम का दिव्य संदेश सुनाया। महावीर के समसामयिक महात्मा बुद्ध भी एक युग पुरूष थे। बुद्ध समाज की बुराईयों के साथ लड़े थे। संघर्ष किया था। करूणामूर्ति ईसा मसीह भी एक बहुत बड़ी शक्ति थे। विश्व को प्रेम और क्षमा का अमर संदेश प्रदान करते हुए कहा यदि कोई दुश्मन तुम्हारे एक गाल पर तमाचा मारे तो तुम दूसरा गाल भी उधर कर दो। गांधीजी ने अंग्रेजों का सामना किया एक बहुत बड़ी शक्ति अहिंसक बनकर लड़े। मानवीय जीवन के जितने भी क्षेत्र व विषय हैं उन सब में अहिंसा का अप्रतिहत प्रवेश है। सभी क्षेत्र अहिंसा की क्रीड़ा भूमि है।

कांतिलाल मांडोत

आपके पत्र

मजदूरों के लिए मजदूर बन गए विश्वकर्मा

12 नवंबर को जब पूरा देश दिवाली का उत्सव मना रहा था तब उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सिलक्यारा डंडालगांव टनल में 41 कार्यरत मजदूर जिंदगी और मौत की जंग में उलझ गए थे। टनल का एक हिस्सा धसक जाने से मजदूरों का बाहर आने का रास्ता बंद हो चुका था। मजदूरों को बचाने के लिए शुरू किए गए ऑपरेशंस उम्मीद जगाने के बाद असफल भी हो रहे थे! ऐसे चुनौती पूर्ण ऑपरेशन में 25 टन की आगर मशीन ने भी दम तोड़ दिया! इस कठिन समय में टनल में फंसे मजदूरों को निकलने का संकल्प सोमवार 27 नवंबर को रेट होल माइनर्स ने अपने कंधों पर लेकर उम्मीद की नई किरण जगाई। रेट होल माइनर्स के जंगी- जवानों ने मात्र 800 एमएम के पाइप में घुसकर खुदाई का काम शुरू किया। यह रेट होल माइनर्स का जुनून ही था, जिसने हर कठिनाई को पीछे धकेलते हुए आखिरकार 17 दिनों तक अंधकार की दुनिया में खो चुके मजदूर साथियों को सूरज की किरण तक का सफर कराया। रेट होल माइनर्स ने लगभग 60 मीटर की खुदाई ठीक उसी तरह की जिस तरह चूहे अपना बिल अथवा सुरंग जमीन के भीतर बनाने किया करते हैं। यही कारण है कि इस दल को रेट होल माइनर्स नाम दिया गया है। इस दल से जुड़े लोगों को करोड़ों-अरबों रुपए का व्यापार करने वाली फिल्मों के हीरो से कहीं बड़ा हीरो माना जाना चाहिए। सफलतापूर्वक मजदूर साथियों को बाहर निकालने के बाद रेट होल माइनर्स हीरोज के चेहरों की मुस्कान मानव सेवा की बड़ी जीत की कहानी कहती नजर आ रही है। कतरा- कतरा मलबा चूहों की तरह बाहर निकालने के बाद भी उनके शरीर में थकान का नामो निशान दिखाई नहीं पड़ रहा है। मुझे टी वी पर वह विजय दृश्य देख यही लग रहा था- मानो आज मजदूरों के लिए मजदूर विश्वकर्मा बनकर सामने आए हैं। टनल में फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के बाद रेट होल माइनर्स के जांबाजों ने जो कहानी बयां की वह वास्तव में मानव के प्रति मानव के संघर्ष का बड़ा उदाहरण मानी जा सकती है। जवानों का कहना था कि हम जैसे ही संघर्षरत मजदूर साथियों के पास पहुंचे, उन्होंने भावह्विल होकर हमें गले लगाया। वह ऐसा क्षण था जैसे 'डूबते को तिनके का सहारा मिल गया हो' इतना ही नहीं, मजदूरों को पहुंचाए जाने वाले भोजन तथा स्वास्थ्यवर्धक सामग्री में से अपने पास बचा कर रखे बादाम के दानों को उन्होंने रेट होल माइनर्स साथियों को देकर उनका अभिनंदन और धन्यवाद भी किया। अपने साथियों से गले लग कर उन्होंने अपने 17 दिन की व्यथा को क्षण भर में भुला दिया। रेट होल माइनर्स टीम के दल प्रभारी का यह कहना कि - हमें विश्वास था हम अपने साथियों को बाहर निकाल लेंगे। कहीं न कहीं चुनौतियों को अंगूठा दिखाने से कम नहीं था! उन्होंने यह कहकर कि टनल में फसे लोग मजदूर हैं और हम भी मजदूर हैं। आज वे मुसीबत में है , कल हम भी हो सकते हैं। आज हम उन्हें बचाएंगे तो कल वह भी हमारे लिए सहारा बनकर खड़े होंगे। यह भाईचारे की मिसाल बनकर सदैव 'वसुधैव कुटुंबकम्' को सार्थक करने वाली भावना बनकर सामने आती रहेगी।

मजदूरों के सुरक्षित बाहर निकलने के बाद उन्हें सीधे उनके घर न भेज कर स्वास्थ्यगत कारणों से मेडिकल सुविधा में रखना भी एक स्वस्थ सोच का परिणाम है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री सहित देश के प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री ने पूर्ण स्वस्थ होने तक उन्हें सुविधा प्रदान करने की जो बात कही है वह उनकी जवाबदारियों के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। 41 मजदूरों का 17 दिन बाद अपने परिजनों के संपर्क में आना उनके लिए सबसे बड़ी दिवाली है। मजदूर का परिवार वैसे भी खतरों का खिलाड़ी ही हुआ करता है। गगनचुंबी ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण की बात हो या फिर आम जनों के लिए बनाई जाने वाली अनेक मंजिलों वाले मकानो की श्रृंखला, मजदूर वर्ग खतरों से बेखबर हमारे सपनों की दुनिया को साकार करने हर समय प्रयास करता देखा जा सकता है। मजदूरों के सफलतापूर्वक बाहर आ जाने के बाद हम हर उस शख्स की बहादुरी को नमन करना चाहते हैं जिसने मिशन में थोड़ा सा भी सहयोग प्रदान किया हो।

डॉ सूर्यकांत मिश्रा, राजनांदगांव

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770 ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

बांग्लादेश में डेंगू के 959 नए मामले सामने आए

ढाका। बंगलादेश में पिछले 24 घंटे में डेंगू के 959 नए मामले सामने आए और इस अवधि में चार और मरीजों की मौत हुई है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। डीजीएचएस डेटा के मुताबिक, नए मामले सामने आने के बाद अब संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 310,046 हो गयी है और अकेले नवंबर में इस बीमारी से करीब 262 मरीजों की जान चली गयी है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 1,610 हो गई। इसके अलावा पिछले 24 घंटों में 881 मरीजों के स्वस्थ होने से इससे निजात पाने वालों की कुल संख्या 304869 तक पहुंच गयी है।

संघर्ष विराम को दो दिन और बढ़ाने पर सहमत हुए इजरायल-हमास

अमेरिका की मध्यस्थता से बढ़ा संघर्ष विराम

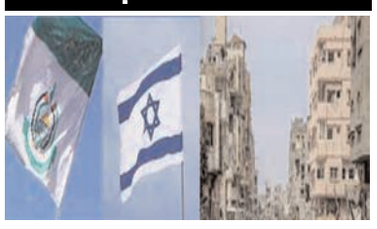

गाजा/यरुशलम, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। इजरायल और फिलिस्तीनी आंदोलन हमास कतर, मिस्र और अमेरिका की मध्यस्थता से मानवीय संघर्ष विराम को दो दिनों के लिए बढ़ाने सहमत हो गए हैं। अल अराबी अल जदीद अखबार ने मिस्र के अधिकारियों के हवाले से बुधवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों पक्ष समान शर्तों पर मानवीय संघर्ष विराम को अगले दो दिनों के लिए बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। अखबार ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि हमास ने संकेत दिया है कि उसके एन्क्लेव में अन्य समूहों के साथ संपर्क हैं, जहां अभी भी महिलाएं और बच्चे कैद हैं। उधर, वाशिंगटन पोस्ट ने एक इजरायली अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि इजरायल को दो या तीन दिनों के लिए संघर्ष विराम के और विस्तार की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा, कल के बाद हमें बंधकों की रिहाई और मानवीय राहत के लिए दो से तीन दिन और मिलने की उम्मीद है, जिसके बाद या तो हम गाजा में अभियान फिर से शुरू करेंगे या संभावित रूप से एक समझौते पर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि इजरायल को उम्मीद है कि बुधवार रात तक ज्यादातर बंधक बच्चों को रिहा कर दिया जाएगा।

बंधकों में लगभग 20 से 30 महिलाएं शामिल हैं। टाइम्स ऑफ़ इज़राइल ने इज़रायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय का हवाला देते हुए अपनी रिपोर्ट बताया कि इज़रायल को बुधवार को हमास द्वारा मुक्त किए जाने वाले बंधकों के छठे समूह के नामों के साथ एक सूची मिली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कार्यालय ने कहा कि सूची में शामिल लोगों के परिवारों को सूचित कर दिया गया है। वहीं, वाशिंगटन पोस्ट ने मामले से परिचित सूत्रों का हवाला देते हुए मंगलवार को बताया कि अमेरिकी सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी के प्रमुख विलियम बर्न्स अपने इजरायली समकक्ष अहरोन हलीवा और कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी के साथ गुप्त बैठक के लिए कतर पहुंचे हैं।

सीरिया के गोलान हाइट्स से हटे इजरायल : संरा

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने प्रस्ताव को नवीनीकृत करते हुए इजरायल से सीरिया के गोलान हाइट्स से हट जाने की अपील की है। इस प्रस्ताव को मंगलवार को नवीनीकृत किया गया। इसके पक्ष में 91 वोट तथा विपक्ष में आठ मत पड़े, जबकि 62 अनुपस्थित रहे। प्रस्ताव में कहा गया है कि संरा के सदस्य देश 'बहुत चिंतित हैं कि इज़रायल सीरियाई गोलान से पीछे नहीं हटा है, जो 1967 से इजरायल के कब्जे में है।' प्रस्ताव में 1967 से कब्जे वाले सीरियाई गोलान में इजरायली बस्ती निर्माण और अन्य गतिविधियों को अवैध करार दिया गया है।

अल्बानीज ने खराब दवा के मामले में पीड़ितों से माफी मांगी

कैनबरा, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने गर्भावस्था के दौरान खराब दवा दिए जाने के मामले में पीड़ितों से माफी मांगी। श्री अल्बानीज ने बुधवार को संसद में थैलिडोमाइड पीड़ितों से माफी मांगी और कहा कि मॉर्निंग सिकनेस दवा प्रभावित माताओं और बच्चों दोनों की सहायता करने में विफल कर रहा है। मॉर्निंग सिकनेस से अभिप्राय है कि गर्भावस्था के दौरान दिन के किसी भी समय मितली हो सकती है। उल्लेखनीय है कि 62 साल पहले आज के ही दिन थैलिडोमाइड को जन्म दोषों से जुड़ा होने के बाद ऑस्ट्रेलिया में इसकी दवा की बिक्री पर रोक लगायी गयी थी।

उन्होंने कहा, हम समझते हैं कि माफी वर्षों की निष्क्रियता और अपर्याप्त समर्थन को संतुलित नहीं कर सकती। हम जानते हैं कि थैलिडोमाइड का दुष्प्रभाव आज भी मरीजों में महसूस किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया में थैलिडोमाइड को लेकर 2019 में की गयी सीनेट जांच में पाया गया कि 1961 में घटित हुई इस घटना के समय तत्काल कार्रवाई से 20 प्रतिशत मामलों को रोका जा सका था। जांच के दौरान राष्ट्रीय माफी की सिफारिश की गई थी। ऑस्ट्रेलिया में थैलिडोमाइड से बचे 146 पंजीकृत लोग हैं, जिनमें से अधिकांश माफ़ी मांग जाने के समय संसद में मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि 2015 में एबरडीन विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार थैलिडोमाइड 1950 और 1960 के दशक में वैश्विक स्तर पर गंभीर जन्म दोषों के 10,000 से अधिक मामलों का कारण बना थी। साथ ही इसके कारण गर्भपात की दर में भी वृद्धि हुयी थी। श्री अल्बानीज़ ने आज घोषणा की कि सरकार दवा सेवन के बाद बचे लोगों के लिए एक सहायता कार्यक्रम फिर से शुरू करेगी।

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : गुरूवार 30 नवम्बर , 2023 अगहन कृष्ण पक्ष 3

राशिफल

मेष - विचारों की अस्थिरता आपको उलझनपूर्ण परिस्थिति में रखेगी। नौकरी- व्यवसाय के क्षेत्र में प्रतियोगी वातावरण रहेगा, इसमें से बाहर आने का प्रयत्न सफल साबित होगा। नए काम करने के लिए प्रेरित होंगे।

वृषभ - मन की दुविधा के कारण ठोस निर्णय लेने में परेशानी होगी। इसके परिणाम स्वरूप हाथ में आए हुए अवसर खो सकते हैं। शर्मीले व्यवहार के कारण संघर्ष में उतरने की संभावना है।

मिथुन - आज का दिन लाभदायक साबित होने की आशा रख सकते हैं। सुबह से ताजगी और प्रसन्नता का अनुभव होगा। मित्रों तथा सगे-संबंधियों के साथ मिलकर उत्तम भोजन का आनंद लेंगे।

कर्क - शरीर और मन में बेचैनी तथा अस्वस्थता का अनुभव होगा। मन की संदिग्धता और दुविधा के कारण आपकी निर्णय शक्ति प्रभावित होगी। विशेष रूप से परिजनों के साथ मनमुटाव का प्रसंग बनने से मन में उदासी बढ़ेगी।

सिंह - आज आपको विविध लाभ मिलने की संभावना है। ऐसे समय में मन की कमजोरी आपको लाभ से वंचित न कर दें, इसका ख्याल रखना पड़ेगा। मित्र-मंडल, स्त्री वर्ग और बुजुर्गों से लाभ होगा।

कन्या - नए काम शुरू करने के लिए आपकी योजनाओं को अमल में लाएं। व्यापार में लाभ होगा। बकाया पैसों की वसूली हो सकेगी। नौकरीपेशा वालों की पदोन्नति की संभावनाएं हैं। पिता से लाभ होगा।

तुला - किसी लंबी दूरी या धार्मिक स्थल की यात्रा होगी। विदेश यात्रा भी हो सकती है। संतान और स्वास्थ्य को लेकर आपको चिंता रहेगी। नौकरी पेशावालों को आज अधिकारियों तथा सहकर्मियों का सहयोग नहीं मिलेगा।

वृश्चिक - आज का दिन बिना किसी प्रवृत्ति के सावधानीपूर्वक व्यतीत करना पड़ेगा। नए काम शुरू न करें। आवेश और अनैतिक आचरण आपको कठिनाई में डाल सकते हैं। समय से भोजन नहीं मिलेगा।

धनु - बौद्धिक, तार्किक, विचार-विनिमय और लेखन कार्य के लिए शुभ दिन है। मनोरंजन, प्रवास, मित्रों के साथ मुलाकात, सुंदर भोजन और वस्त्र परिधान के साथ की निकटता आज के दिन को आनंदित और रोमांचित बनाएगा।

मकर - आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। यश, कीर्ति मिलेगी। आनंद की प्राप्ति होगी। परिजनों के साथ आनंदपूर्वक समय व्यतीत होगा। व्यापार के विकास के लिए दिन फलदायक साबित होगा। धन लाभ का योग है।

कुंभ - वैचारिक रूप से काफी चिंतित रहने के कारण कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय नहीं लेना ही हितकर होगा। यात्रा-प्रवास में परेशानी हो सकती है। निर्धारित काम पूरा नहीं होने के कारण आपको काफी निराशा होगी। मन अशांत बनेगा।

मीन - आज ताजगी और स्फूर्ति का अभाव रहेगा। मां के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रिश्तेदारों तथा मित्रों के साथ वाद- विवाद हो सकता है। किसी भी तरह के दस्तावेजी काम के प्रति सावधानी बरतें।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

तंजानिया में बस-ट्रेन टक्कर में 13 लोगों की मौत, 25 घायल

दोदोमा, 29 नवम्बर (एजेंसिं)। मध्य तंजानिया के सिंगिडा क्षेत्र में बुधवार तड़के एक बस के रेल इंजन से टकरा जाने से कम से कम 13 यात्रियों की मौत हो गई और अन्य 25 गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। सिंगिडा क्षेत्रीय पुलिस कमांडर स्टेला मुताहिबिरवा ने आशंका जतायी की मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि घायल 25 यात्रियों में से अधिकांश की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के समय बस में 57 यात्री सवार थे। बस व्यावसायिक केंद्र दार एस सलाम से म्वांजा ??जा रही थी। पुलिस कमांडर मुताहिबिरवा ने कहा कि स्थानीय समयानुसार आज तड़के पांच बजे यात्रियों से भरी बस एक रेलवे क्रॉसिंग पर लोकोमोटिव (इंजन) से टकरा गई। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि बस चालक लापरवाही से बस चला रहा था और ट्रेन के आने से पहले रेलवे क्रॉसिंग से बस निकालने का प्रयास कर रहा होगा।

ब्रिटेन जल्द ही करेगा यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता योजना 2024 की घोषणा

लंदन, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। ब्रिटेन जल्द ही यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता योजना 2024 की घोषणा करेगा। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री जेम्स हेप्पी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस विषय पर कैबिनेट मंत्रियों और ब्रिटेन के सहयोगियों के साथ चर्चा को अंतिम रूप दिया जाएगा। आधिकारिक वेबसाइट पर प्रसारित बयान में उन्होंने कहा, अगले साल के लिए हमारे समर्थन को सरकार और दुनिया भर में हमारे भागीदारों के साथ अंतिम रूप दिया जा रहा है और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता पहले यह समझने को दी जानी चाहिए कि 'यूक्रेनवासी आगे क्या करना चाहते हैं और फिर उन क्षमताओं को प्रदान करना चाहिए। गौरतलब है कि ब्रिटेन ने अब तक यूक्रेन को 4.6 अरब पाउंड की सैन्य सहायता देने का वादा किया है। ब्रिटेन के एक अधिकारी ने कहा, ब्रिटेन विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद और सामग्री की महत्वपूर्ण मात्रा दान करता रहा है। उल्लेखनीय है कि फरवरी 2022 को यूक्रेन और रूस के बीच में शुरू हुए संघर्ष के बाद से पश्चिमी देश यूक्रेन को सैन्य सहायता प्रदान कर रहे हैं।

यूक्रेन व इटली ने सुरक्षा गारंटी पर शुरू की बातचीत

कीव। यूक्रेन और इटली ने कीव के लिए सुरक्षा गारंटी प्रदान करने पर बातचीत शुरू कर दी है। यूक्रेनी राष्ट्रपति प्रेस सेवा ने इसकी सूचना दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के हवाले से मंगलवार को कहा गया कि इटली द्वारा यूक्रेन के प्रति सुरक्षा प्रतिबद्धताओं पर एक द्विपक्षीय समझौता जुलाई में जी7 द्वारा अपनाई गई यूक्रेन के लिए समर्थन की संयुक्त घोषणा पर आधारित होगा। यूक्रेनी राष्ट्रपति कार्यालय के उप प्रमुख इहोर झोल्कवा ने कहा, प्रतिबद्धताओं का प्रावधान यूरोपीय संघ और नाटो में यूक्रेन की सदस्यता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

अमेरिकी सैन्य विमान जापानी द्वीप के पास हुआ दुर्घटनाग्रस्त

टोक्यो, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। अमेरिकी सैन्य विमान ऑस्प्रे बुधवार को जापान के दक्षिण-पश्चिमी द्वीप याकुशिमा के पास कागोशिमा के पास दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार आठ लोगों की मौत हो गयी। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। जापान तट रक्षक को दोपहर करीब 2:47 बजे दुर्घटना के बारे में एक आपातकालीन कॉल मिली।

सार्वजनिक प्रसारक एनएचके ने स्थानीय अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा कि स्थानीय समयानुसार (0547 जीएमटी) ऑस्प्रे यामागुची प्रीफेक्चर में इवाकुनी अमेरिकी बेस से ओकिनावा में कडेना बेस के लिए रवाना हुआ। मंत्रालय के अनुसार, विमान स्थानीय समय दोपहर 2:40 बजे रडार से गायब हो गया। जापानी तट रक्षक के प्रवक्ता काजुओ ओगावा ने कहा कि तट रक्षक ने खोज और बचाव कार्यों के लिए गश्ती नौकाओं और विमानों को साइट पर भेजा है, लेकिन दुर्घटना के बारे में कोई और जानकारी नहीं है, जिसमें जहाज पर मौजूद लोगों की सुरक्षा भी शामिल है।

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ – 2023

दीपावली व छठ त्यौहारों के उपरांत यात्रा करने वाले रेलयात्रियों की भारी संख्या के सुगम आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलिखित त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ चलाई जायेंगी जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

उत्तर रेलवे नेटवर्क से यात्रा प्रारम्भ करने वाली/समाप्त करने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	आवृति/चलने के दिन		चलने की तिथि
03255	पटना जं.	22:20	आनंद विहार टर्मिनल	15:00	सप्ताह में दो दिन	गुरुवार, रविवार	10.12.2023 तक
03256	आनंद विहार टर्मिनल	23:30	पटना जं.	17:20		शुक्रवार, सोमवार	11.12.2023 तक
02391	पटना जं.	22:20	आनंद विहार टर्मिनल	15:00	साप्ताहिक	शनिवार	09.12.2023 तक
02392	आनंद विहार टर्मिनल	23:30	पटना जं.	17:20		रविवार	10.12.2023 तक
03635	गया जं.	14:15	आनंद विहार टर्मिनल	05:00	सप्ताह में तीन दिन	सोमवार, बुधवार, शुक्रवार	08.12.2023 तक
03636	आनंद विहार टर्मिनल	07:00	गया जं.	20:45		मंगलवार, गुरुवार, शनिवार	09.12.2023 तक
05557	जयनगर	06:00	आनंद विहार टर्मिनल	05:00	साप्ताहिक	मंगलवार	05.12.2023 तक
05558	आनंद विहार टर्मिनल	07:30	जयनगर	06:30		बुधवार	06.12.2023 तक
04677	पटना जं.	18:45	फिरोजपुर कैंट जं.	22:40		गुरुवार	30.11.2023
04518	चंडीगढ़	23:15	गोरखपुर	18:20	साप्ताहिक	गुरुवार	30.11.2023
04517	गोरखपुर	22:05	चंडीगढ़	14:10		शुक्रवार	01.12.2023
04529	वाराणसी जं.	20:40	भटिंडा जं.	19:10		गुरुवार	30.11.2023
04009	जोगबनी	09:00	आनंद विहार टर्मिनल	16:05		गुरुवार	30.11.2023
03257	दानापुर	07:30	आनंद विहार टर्मिनल	00:30	साप्ताहिक	रविवार	10.12.2023 तक
03258	आनंद विहार टर्मिनल	05:00	दानापुर	20:45		सोमवार	11.12.2023 तक
05577	सहरसा जं.	19:10	अम्बाला कैंट जं.	23:15	साप्ताहिक	शुक्रवार	08.12.2023 तक
05578	अम्बाला कैंट जं.	03:40	सहरसा जं.	09:45		रविवार	10.12.2023 तक
05531	रक्सौल जं.	22:25	आनंद विहार टर्मिनल	18:00	साप्ताहिक	रविवार	10.12.2023 तक
05532	आनंद विहार टर्मिनल	20:00	रक्सौल जं.	14:30		सोमवार	11.12.2023 तक
05273	मुजफ्फरपुर जं.	18:00	आनंद विहार टर्मिनल	11:00	सप्ताह में दो दिन	बुधवार, शनिवार	09.12.2023 तक
05274	आनंद विहार टर्मिनल	13:25	मुजफ्फरपुर जं.	07:00		गुरुवार, रविवार	10.12.2023 तक
05005	गोरखपुर	14:40	अमृतसर जं.	09:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	01.12.2023
05006	अमृतसर जं.	12:45	गोरखपुर	08:50		शनिवार	02.12.2023
04080	नई दिल्ली	19:20	वाराणसी जं.	09:45	सप्ताह में तीन दिन	गुरुवार	30.11.2023
04079	वाराणसी जं.	18:35	नई दिल्ली	09:00		शुक्रवार	01.12.2023
04646	जम्मू तवी	05:45	बरौनी जं.	12:10	साप्ताहिक	गुरुवार	30.11.2023
04645	बरौनी जं.	15:15	जम्मू तवी	22:30		शुक्रवार	01.12.2023
04066	आनंद विहार टर्मिनल	23:00	पटना जं.	16:00	सप्ताह में दो दिन	गुरुवार	30.11.2023
04065	पटना जं.	17:45	आनंद विहार टर्मिनल	10:35		शुक्रवार	01.12.2023
04062	दिल्ली जं.	08:05	बरौनी जं.	06:30	साप्ताहिक	रविवार	03.12.2023, 10.12.2023
04061	बरौनी जं.	08:00	दिल्ली जं.	05:50		सोमवार	04.12.2023, 11.12.2023
01676	आनंद विहार टर्मिनल	23:15	मुज़फ़्फ़रपुर जं.	21:15	सप्ताह में दो दिन	गुरुवार	30.11.2023
01675	मुज़फ़्फ़रपुर जं.	23:00	आनंद विहार टर्मिनल	23:30		शुक्रवार	01.12.2023
01678	नई दिल्ली	08:10	गया जं.	00:30	सप्ताह में दो दिन	शुक्रवार, सोमवार	01.12.2023, 04.12.2023
01677	गया जं.	07:35	नई दिल्ली	23:35		शनिवार, मंगलवार	02.12.2023, 05.12.2023
02249	पटना जं. (राजधानी स्पेशल)	09:00	नई दिल्ली	21:00	दिन वार	गुरुवार	30.11.2023
05283	मुज़फ़्फ़रपुर जं.	18:00	आनंद विहार टर्मिनल	11:00	सप्ताह में दो दिन	बुधवार, शनिवार	18.12.2023 तक
05284	आनंद विहार टर्मिनल	13:25	मुज़फ़्फ़रपुर जं.	07:00		गुरुवार, रविवार	19.12.2023 तक
03435	मालदा टाउन	09:30	आनंद विहार टर्मिनल	12:30	साप्ताहिक	सोमवार	04.12.2023
03436	आनंद विहार टर्मिनल	18:30	मालदा टाउन	23:30		मंगलवार	05.12.2023
02246	नई दिल्ली (गति शक्ति स्पेशल)	23:45	पटना जं.	15:50		गुरूवार	30.11.2023
02245	पटना जं. (गति शक्ति स्पेशल)	19:00	नई दिल्ली	10:30		शुक्रवार	01.12.2023
04490	नई दिल्ली	19:35	दरभंगा	16:45	दिन वार	गुरूवार	30.11.2023
04489	दरभंगा	18:00	नई दिल्ली	16:40		शुक्रवार	01.12.2023
05023	गोरखपुर जं.	20:55	दिल्ली जं.	12:30	साप्ताहिक	रविवार	03.12.2023
05024	दिल्ली जं.	14:30	गोरखपुर जं.	07:30		सोमवार	04.12.2023
05116	आनन्द विहार (ट)	14:45	छपरा	09:30		गुरुवार	30.11.2023
05306	लाल कुँआ	22:00	छपरा	07:10	दिन वार	मंगल, बुध, शुक्र, रवि	29.12.2023 तक
05305	छपरा	08:55	लाल कुँआ	18:00		बुध, गुरु, शनि, सोम	30.12.2023 तक
02248	आनंद विहार (टर्मिनल)	00:30	पटना जं.	16:30	दिन वार	गुरुवार	30.11.2023
02247	पटना जं.	19:10	आनंद विहार (टर्मिनल)	10:50		गुरुवार	30.11.2023
05066	नई दिल्ली	14:00	गोरखपुर जं.	04:15		गुरुवार	30.11.2023
05071	गोमती नगर	23:00	नई दिल्ली	08:15	साप्ताहिक	गुरुवार	30.11.2023
05072	नई दिल्ली	10:00	छपरा जं.	04:15		शुक्रवार	01.12.2023
09557	भावनगर	10:10	दिल्ली सराय रोहिल्ला	08:50	साप्ताहिक	शुक्रवार	01.12.2023
09558	दिल्ली सराय रोहिल्ला	13:20	भावनगर	10:00		शनिवार	02.12.2023
05527	दरभंगा जं.	13:15	दिल्ली जं.	13:30	साप्ताहिक	गुरुवार	07.12.2023 तक
05528	दिल्ली जं.	15:30	दरभंगा जं.	15:45		शुक्रवार	08.12.2023 तक
03227	आरा जं. (अनारक्षित विशेष)	15:45	आनन्द विहार (ट)	07:15	दिन वार	शनिवार	02.12.2023
03228	आनन्द विहार (ट) (अनारक्षित विशेष)	09:30	आरा जं.	04:00		गुरूवार, रविवार	30.11.2023 एवं 03.12.2023
02351	पटना जं.	16:00	आनन्द विहार (टर्मि.)	06:00	दिन वार	शुक्रवार	01.12.2023
02352	आनन्द विहार (टर्मि.)	08:00	पटना जं.	21:55		गुरूवार, शनिवार	30.11.2023 एवं 02.12.2023
05315	छपरा जं.	11:15	दिल्ली जं.	11:20	दिन वार	शुक्रवार	01.12.2023
05316	दिल्ली जं.	14:00	छपरा जं.	13:20		शनिवार	02.12.2023
05464	वाराणसी शहर	10:40	जौनपुर	13:00		गुरूवार	30.11.2023
02365	राजगीर	20:00	आनन्द विहार (टर्मि.)	15:00	सप्ताह में दो दिन	शनिवार और मंगलवार	09.12.2023 तक
02366	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:45	राजगीर	19:10		रविवार और बुधवार	10.12.2023 तक
05473	जौनपुर जं.	13:20	औड़िहार जं.	14:40		गुरूवार	30.11.2023
04002	आनन्द विहार (टर्मि.)	23:55	पटना जं.	15:45		गुरूवार	30.11.2023
04001	पटना जं.	18:45	आनन्द विहार (टर्मि.)	10:20		शुक्रवार	01.12.2023
04006	दिल्ली जं.	23:05	जयनगर	23:45	दिन वार	गुरूवार	30.11.2023
04005	जयनगर	01:30	दिल्ली जं.	01:30		शनिवार	02.12.2023
04022	नई दिल्ली	15:30	सहरसा जं.	16:30		प्रतिदिन	30.11.2023
04021	सहरसा जं.	19:00	नई दिल्ली	20:20		प्रतिदिन	01.12.2023 तक
04525	सहरसा जं.	19:00	अंबाला कैंट	22:20	दिन वार	गुरूवार	30.11.2023
05530	आनन्द विहार (ट.)	18:30	दरभंगा जं.	16:00	दिन वार	गुरूवार	30.11.2023
05559	दरभंगा जं.	19:30	आनन्द विहार (ट.)	16:30	सप्ताह में दो दिन	शुक्रवार, सोमवार	04.12.2023 तक
05560	आनन्द विहार (ट.)	18:30	दरभंगा जं.	16:00		शनिवार मंगलवार	05.12.2023 तक
03575	आसनसोल जं.	10:15	आनन्द विहार (ट.)	08:05	साप्ताहिक	शुक्रवार	01.12.2023
03576	आनन्द विहार (ट.)	11:15	आसनसोल जं.	10:20		शनिवार	02.12.2023

उत्तर रेलवे नेटवर्क से होकर गुजरने वाली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों की सूची

09076	काठगोदाम	17:30	मुम्बई सेंट्रल	20:55		गुरुवार	30.11.2023
07652	छपरा	22:15	पुणे	04:00		शुक्रवार	01.12.2023
05063	छपरा	16:15	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	07:25	साप्ताहिक	शुक्रवार	01.12.2023
05064	लोकमान्य तिलक (टर्मि.)	12:45	सीवान जं.	03:15		रविवार	03.12.2023
05537	दरभंगा जं.	13:15	दौराई	22:30	साप्ताहिक	शनिवार	09.12.2023 तक
05538	दौराई	23:45	दरभंगा जं.	06:50		रविवार	10.12.2023 तक
09184	बनारस	14:30	मुंबई सेंट्रल	04:35		शुक्रवार	01.12.2023
09526	नाहरलगुन	10:00	ओखा	03:35		शनिवार	02.12.2023
02575	हैदराबाद	21:05	गोरखपुर	06:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	15.12.2023 से 26.01.2024
02576	गोरखपुर	08:30	हैदराबाद	16:20		रविवार	17.12.2023 से 28.01.2024
01431	पुणे	16:15	गोरखपुर	21:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	01.12.2023
01432	गोरखपुर	23:25	पुणे	06:25		शनिवार	02.12.2023
05303	गोरखपुर	08:30	महबूबनगर	19:30	साप्ताहिक	शनिवार	02.12.2023
05304	महबूबनगर	18:00	गोरखपुर	09:00		सोमवार	04.12.2023
05068	गोमती नगर	18:55	मालतीपाटपुर	04:20	साप्ताहिक	गुरुवार	30.11.2023
05067	मालतीपाटपुर	10:00	गोमती नगर	20:00		शनिवार	02.12.2023

29.11.2023 तक की स्थिति

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पर हमें फॉलो करें

प्रादेशिकी

पत्रकारों पेंशन योजना में एफआईआर वाला प्रावधान सही नहीं: हुड्डा

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने राज्य में पत्रकारों के लिये बनायी गयी पेंशन नीति की शर्तों में एफआईआर वाले प्रावधान को लेकर आपत्ति जाहिर की है। श्री हुड्डा ने सोमवार को यहां जारी एक बयान में कहा कि सरकार ने पत्रकारों पर कथित तौर पर दबाव बनाने और उन्हें पेंशन से वंचित करने के लिए जानबूझकर पेंशन योजना में एफआईआर वाली शर्त जोड़ी है, जिसमें कहा गया है कि अगर किसी पत्रकार पर एफआईआर है तो उसे पेंशन नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि देश की न्यायिक व्यवस्था कहती है कि महज मामला दर्ज होने से किसी को दोषी नहीं माना जा सकता। ऐसे में पेंशन नीति का यह प्रावधान पूरी तरह गैर-कानूनी है। वैसे भी पेंशन एक सम्मान निधि है जिस पर इस तरह की शर्त नहीं थोपी जा सकती।

कांग्रेस ने टनल बनाने वाली कंपनी पर उठाए सवाल

देहरादून, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। उत्तरकाशी टनल हादसे में फंसे 41 श्रमिकों के सफर रेस्क्यू पर जहां एक ओर पूरा देश खुशियां मना रहा है तो वहीं उत्तराखण्ड में विपक्षी कांग्रेस रेस्क्यू ऑपरेशन पर सवाल उठा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि स्थानीय प्रशासन, केंद्रीय एजेंसियों और नवयुग इंजीनियरिंग कंपनी के बीच समन्वय की कमी के कारण बचाव अभियान में लंबा समय लगा। करन माहरा ने कहा कि सरकार ने बहुत विलंब से सही रणनीति पर काम किया और सफलता मिली।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने आरोप लगाया कि सुरंग की डीपीआर भी प्राइवेट कंपनी से बनवाई गई। डीपीआर का निरीक्षण भी प्राइवेट कंपनी से कराया गया। घटना के 17 दिन बाद भी किसी की जिम्मेदारी तय न होना आश्चर्यजनक है। अभी तक इस प्रकरण में एफआईआर दर्ज होकर गिरफ्तारी होनी चाहिए थी। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने एजेंसियों को सराहा नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने सिलक्यारा सुरंग से सभी श्रमिकों के बाहर निकलने के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, अग्निशमन विभाग, भारतीय सेना, एयरफोर्स समेत विभिन्न

एजेंसियों के कार्य को सराहा और उनका धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि बाबा बौखनाग की कृपा से यह कार्य आसान हो गया।

चिन्यालीसौड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सीएम ने जाना श्रमिकों का हाल

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिन्यालीसौड़ में प्रारंभिक जांच हेतु भर्ती सिलक्यारा टनल से रेस्क्यू किए गए श्रमिकों का हालचाल जानने पहुंचे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने टनल से रेस्क्यू किए प्रत्येक श्रमिक को 1-1 लाख की सहायता राशि के चेक प्रदान करने के साथ ही रेस्क्यू ऑपरेशन के अंतिम दौर में पाइप पुशिंग के लिए रैट माइनिंग तकनीक से मैन्युअल खुदाई करने वाले श्रमिकों को भी 50-50 हजार की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अस्पताल में भर्ती प्रत्येक श्रमिक से उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने डॉक्टरों से श्रमिकों के स्वास्थ लाभ, चिकित्सा उपचार के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों को दी जा रही विभिन्न सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने श्रमिकों के हौसलो की सराहना की। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने रेस्क्यू किए गए श्रमिकों में से टनकपुर, चंपावत के पुष्कर की माता से मोबाइल पर बात कर, पुष्कर के बारे में

उत्तरकाशी टनल से मजदूरों के रेस्क्यू की खुशी में सीएम धामी आज मनाएंगे बूढ़ी दीपावली

देहरादून। उत्तरकाशी सिलक्यारा टनल रेस्क्यू ऑपरेशन कंप्लीट होने के बाद धामी सरकार ने राहत की सांस ली। वहीं इस खुशी में आज 29 नंवबर को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड का लोकपर्व बूढ़ी दीपावली मनाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा था कि जब तक सिलक्यारा टनल में फंसे सारे 41 मजदूर बाहर नहीं आ जाते हैं, वो बूढ़ी दीपावली नहीं मनाएंगे। उत्तराखंड में बीती 23 नवंबर को लोकपर्व बूढ़ी दीपावली जिसे इगास और बग्वाल भी कहते मनाई गई थी, लेकिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साफ कर दिया था कि इस बार बूढ़ी दीपावली पर कोई भी सरकारी कार्यक्रम नहीं किया जाएगा, क्योंकि 41 मजदूर टनल के अंदर फंसे हुए हैं।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा था कि 41 मजदूरों के बाहर आने के बाद ही वो बूढ़ी दीपावली मनाएंगे। वहीं मंगवलार 28 नवंबर को जब सभी 41 मजदूर टनल से सुरक्षित बाहर आ गए तो मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि वो आज 29 नवंबर को बूढ़ी दीपावली मनाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की तरफ से रखे गए बूढ़ी दीपावली के कार्यक्रम में सभी मंत्री, विधायक और गणमान्य लोग शामिल होंगे।

जानकारी दी और कहा कि सभी श्रमिकों को कुशल बचाकर राज्य सरकार ने अपना वचन निभाया है। मुख्यमंत्री ने पुष्कर की माता को बताया कि पुष्कर के साथ ही सभी श्रमिक सुरक्षित हैं।

जल्द ही हायर सेंटर में जांच करवाने के उपरांत पुष्कर सहित अन्य श्रमिकों को उनके घर भेज दिया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने रेस्क्यू किए गए श्रमिकों के परिजनों से भी मुलाकात की। उन्होंने श्रमिकों के साहस, मनोबल और परिजनों के धैर्य के साथ ही रेसक्यू अभियान में शामिल सभी एजेंसियों व कार्मिकों की अनथक मेहनत को इस अभियान की सफलता का आधार बताया। श्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी सुरंग में फंसे श्रमिकों को सकुशल बाहर निकालने के अभियान पर निरंतर नजर रखे हुए थे और वह श्रमिकों की कुशलता को लेकर हमेशा चिंतित रहते थे।

हिमाचल विधान सभा का शीत कालीन सत्र 19 से 23 दिसंबर तक धर्मशाला में

■ हिमकिरण मांटा

शिमला, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। हिमाचल विधान सभा का शीत कालीन सत्र 19 से 23 दिसंबर तक धर्मशाला स्थित तपोवन विधान भवन में होगा। कांग्रेस सरकार का एक साल का कार्यकाल 11 दिसंबर को पूरा हो रहा है। सरकार का एक साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद हो रहे शीत कालीन सत्र के हंगामेदार होने के आसार हैं। विपक्षी भाजपा सदन में सरकार से एक साल के दौरान कांग्रेस की चुनावी गारंटियों को लेकर हिसाब किताब मांगेगी। साथ ही एक साल में सरकार द्वारा उठाए गए कर्ज के मुद्दे पर भी सदन के तपने के आसार हैं। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल की संस्तुति के बाद विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने शीत कालीन सत्र की अधिसूचना जारी कर दी है। पठानिया ने बताया कि शीत सत्र के दौरान 5 बैठकें होंगी। सत्र के दौरान 21 दिसंबर को गैर सरकारी कार्य दिवस होगा। उन्होंने कहा कि सत्र का शुभारम्भ 19 दिसम्बर को पूर्वाह्न 11 बजे होगा। उन्होंने कहा कि सत्र की अधिसूचना जारी होने के साथ ही अब विधान सभा सदस्य प्रश्नों से सम्बंधित सूचनाएँ विधान सभा सचिवालय को ऑन लाईन तथा ऑफ लाईन दोनों माध्यम से भेज सकते हैं।

विधान सभा सत्र से पहले सरकार का एक साल का कार्यकाल पूरा होने पर कांगड़ा जिला में ही भव्य आयोजन की तैयारी है। सुखविंदर सरकार का एक साल का कार्यकाल पूरा होने के एक सप्ताह बाद शुरू होने वाले शीत सत्र से पहले ही विपक्षी भाजपा व इसके अग्रणी संगठन न

■ कांग्रेस सरकार का एक साल का कार्यकाल 11 दिसंबर को पूरा हो रहा

सिर्फ कर्ज , बल्कि बीते साल हुए विधान सभा चुनाव की गारंटियों के मुद्दे पर लगातार कांग्रेस सरकार पर हमलावर हैं। इसके अलावा भाजपा आपदा प्रभावितों के राहत के मुद्दे पर भी सरकार की घेराबंदी की तैयारी में है। कांग्रेस सरकार आपदा राहत के नाम पर प्रदेश को केंद्र से मदद न मिलने के साथ साथ राज्य में दैवीय आपदा के दौरान हुए नुक्सान का क्लेम न मिलने को लेकर लगातार भाजपा पर निशाना साध रही है। फिर चाहे मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू हों , अथवा उप मुख्यमंत्री मुकेश अएज्निहोत्री तथा राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी लगभग कांग्रेस के सभी नेता इस मुद्दे पर भाजपा को बैकफुट में धकेलने के प्रयास में हैं। सत्ता पक्ष व विपक्ष के तेवरों से साफ है कि दिसंबर माह में धौलाधार की पहाड़ियां बेशक बर्फ से लकदक होंगी, मगर सदन के भीतर मुद्दों की तपिश रहेगी।

सार संक्षेप

देर रात टिबड़ी क्षेत्र में आ धमका हाथी, खौफजदा लोग

हरिद्वार। राजाजी नेशनल पार्क से जंगली जानवरों की आबादी वाले क्षेत्रों में आवाजाही लगातार जारी है। देर रात हरिद्वार के टिबड़ी क्षेत्र राजाजी पार्क के जंगल से निकलकर एक हाथी अचानक टिबड़ी की सड़कों पर आ गया। जिसकी सूचना स्थानीय लोगों ने हरिद्वार वन प्रभाग को दी। जिसके बाद हरिद्वार वानप्रभाग की टीम मौके पर पहुंची और हाथी को जंगल की ओर खदेड़ा। हरिद्वार के रेंज अधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि एक हाथी राजाजी नेशनल पार्क से टिबड़ी क्षेत्र में आने की सूचना प्राप्त हुई थी। जिसके बाद टीम तुरंत मौके पर पहुंची और हाथी को 15 से 20 मिनट के अंदर जंगल की ओर वापस भेजा। हरिद्वार के कुछ रिहायशी क्षेत्र में वन्य जीवों की चहलकदमी देखी जाती रहती है। शैलेंद्र सिंह नेगी ने बताया कि वेस्ट मैनेजमेंट के कारण हाथी और जंगली जानवर जंगल से निकलकर रिहायसी क्षेत्रों में आ जाते हैं। उन्होंने लोगों को खाने-पीने की वस्तुओं को खुले में ना फेंकने की अपील की है। साथ ही उन्होंने रात के समय सचेत रहने को कहा।

परिवार की शादी में शामिल होने जा रही ताई और भतीजे की दुर्धटना में मौत

पिथौरागढ़। हल्द्वानी से मुनस्यारी के गिरगांव जा रही कार सेराघाट के रामपुर के पास खाई में गिर गई। हादसे में ताई और भतीजे की मौत हो गई जबकि दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने मृतकों के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जबकि घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया ह। बताया जा रहा है कि सभी शादी में शामिल होने के लिए हल्द्वानी से अपने गांव गिरगांव जा रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार जनपद के मुनस्यारी के गिर गांव में 30 नवंबर को विजय सिंह के बेटे महेश की बरात बागेश्वर के गोगिना गांव जानी थी। चचेरे भाई के बेटे की बरात में शामिल होने के लिए पूर्व सैनिक पूरन सिंह अपनी मां तुलसी देवी, चचेरे भाई गंगा सिंह और हल्द्वानी निवासी गोपाल सिंह के साथ कार से गांव आ रहे थे। गांव में भी अपने परिवार के सदस्यों के आने का बेसब्री से इंतजार हो रहा था लेकिन सेराघाट में रामपुर के पास कार खाई में गिर जाने से तुलसी देवी और गंगा सिंह की मौत और पूरन सिंह व गोपाल सिंह के घायल हो जाने से सारी खुशियां गम में बदल गई।बेरीनाग थाना प्रभारी प्रभात लिस बल मौके कुमार के नेतृत्व में पुलिस पर पहुंचा और घायलों को खाई से बाहर निकालकर एक घायल को सेराघाट और दूसरे को बेड़ीनाग अस्पताल पहुंचाया। कार दुर्घटना में दो लोगों की मौत से गिरगांव में चल रही शादी की तैयारियों की खुशियां मातम में बदल गईं। जैसे ही ग्रामीणों ने तुलसी देवी और गंगा सिंह के मौत की सूचना मिली माहौल गमगीन हो गया।

सुडोकू 6391 का हल

4	8	6	7	1	3	2	9	5
7	5	3	2	6	9	4	1	8
2	1	9	5	4	8	3	6	7
6	3	8	1	9	7	5	2	4
1	2	5	8	3	4	6	7	9
9	4	7	6	2	5	1	8	3
5	6	4	9	7	1	8	3	2
8	7	2	3	5	6	9	4	1
3	9	1	4	8	2	7	5	6

भू-धंसाव प्रभावित जोशीमठ में कराया जा रहा जिओ टेक्निकल सर्वे

चमोली, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। भू-धंसाव के करीब 11 महीने बाद एक बार फिर से उत्तराखंड के जोशीमठ शहर का जिओ टेक्निकल सर्वे शुरू हुआ है। मुंबई बेस नीदरलैंड की फुगरो कंपनी ने जोशीमठ नगर के विभिन्न वार्डों में भू-गर्भीय सर्वे का काम शुरू कर दिया है। कंपनी भू-धंसाव से प्रभावित बड़े भाग में ड्रिलिंग कर रही है, ताकि जोशीमठ के नीचे की पक्की चट्टान का गहन अध्ययन किया जा सके।

उत्तराखंड सरकार देश-विदेश के वैज्ञानिकों की मदद से जोशीमठ की केयरिंग कैपेसिटी यानी भार-क्षमता को लेकर भू-गर्भीय अध्ययन करा रही है। ऐसे में फुगरो कंपनी के जिओ टेक्निकल सर्वे पर सबकी नजर टिकी हुई है। इस सर्वे के बाद ही जोशीमठ शहर की भार क्षमता की पूरी स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

सर्वे साइट पर मौजूद कार्यदाई संस्था के भू वैज्ञानिक अभिषेक भारद्वाज का कहना है कि अभी तक 50 मीटर से अधिक की कोर ड्रिलिंग हो चुकी है, लेकिन अभी भी पक्की चट्टान नहीं मिली है। सैंपल इकट्ठा कर अध्ययन के लिए मुंबई लैब में भेजे जा रहे हैं।उन्होंने बताया कि इस ड्रिलिंग के दौरान जमीन के अंदर एक ट्यूब डाली जाती है, जिसे आगे 80 मीटर तक ड्रिलिंग करके पक्की चट्टान को ढूंढने की कोशिश की जाएगी। इस काम में दो से तीन महीने लग सकते हैं और उसके बाद रिपोर्ट सार्वजनिक हो सकती है। उत्तराखंड के चमोली जिले के प्रमुख शहर जोशीमठ में साल 2022 में दिसंबर के महीने में भू-धंसाव की स्थिति सामने आने लगी थी। शहर का एक बड़ा हिस्सा भू-धंसाव की चपेट में आ गया था। मकानों में बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी थी, जो लगातार बढ़ने लगी। सड़कों और खेतों में भी चैड़ी-चैड़ी दरारें देखी गई थी। खतरे की जद में आई कई बिल्डिंगों को तोड़ना तक पड़ा था। कई जगहों पर तो जमीन से पानी का रिसाव तक होने लगा था। इसके बाद प्रशासन ने तत्काल 600 भवनों को तत्काल खाली कराया। तभी से सरकार अलग-अलग एंजेसियों से जोशीमठ का सर्वे करा रही है और जोशीमठ की भार क्षमता जानने का प्रयास कर रही है, ताकि इस शहर को बचाया जा सके। वहीं अब आखिरी बार मुंबई बेस नीदरलैंड की फुगरो कंपनी को भू-गर्भीय सर्वे को जिम्मा दिया गया है, जो अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपेगी।

50 मीटर से अधिक गहराई पर भी नहीं मिली पक्की चट्टान

विद्या समीक्षा केन्द्र से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की ओर बढ़ते हिमाचल के कदम

शिमला, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। राज्य सरकार की अभिनव पहल विद्या समीक्षा केंद्र (वीएसके) सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में निर्णायक कदम है। यह केन्द्र एआई तकनीक को एकीकृत करके डेटा विश्लेषण के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों और प्रशासकों को समय पर सामग्री और जानकारी उपलब्ध करवाएगा।

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि स्विफ्टचैट एआई हिमाचल प्रदेश के सभी स्कूलों में प्रौद्योगिकी और डाटा संचालित संस्थागत प्रणाली में सक्षम करेगा। यह केन्द्र इन टूलकिट के डाटा को राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर के लिए डैशबोर्ड और रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। इससे छात्र की प्रगति, शिक्षक प्रशिक्षण और स्कूल के समग्र प्रदर्शन संबंधी डाटा उपलब्ध होगा। वास्तविक समय में प्रतिक्रिया और सुधार के आधार पर शिक्षक, शिक्षण संबंधी रणनीतियों में सकारात्मक बदलाव किया जाएगा ताकि प्रत्येक विद्यार्थी को सीखने के

अवसर प्रदान किए जा सके।

वीएसके विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षण की ज्ञानता प्रदान करता है, जिससे उनकी वैश्विक सामग्री और जानकारी तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित होती है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल होम लर्निंग तथा अनुभव प्रदान कर शैक्षिक असमानताओं को समाप्त करना है। चैटबॉट पर साप्ताहिक अभ्यास विद्यार्थियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर उत्तर तथा जानकारीपूर्ण वीडियो के साथ पाठयक्रम के अनुरूप उन्हें विषयों को सुदृढ़ करने में मदद करता है। विद्यार्थी विभिन्न भाषाओं में गणित का अभ्यास कर सकते हैं और वीडियो देख कर अपने संदेह दूर कर सकते हैं। चैटबॉट विद्यार्थियों की आवाज का उपयोग कर विभिन्न भाषाओं का उपयोग कर, क्लिज के माध्यम से सामान्य ज्ञान और ज्ञानवर्द्धन कर उनकी शिक्षा में गुणात्मक सुधार में सहयोग करता है। चैटबॉट विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षकों को ऑन डिमॉड (आवश्यकतानुसार) कार्य योजना, पाठ तैयार करना, वर्कशीट और वीडियो बनाने में भी सहायता प्रदान करता है। इससे शिक्षक समयबद्ध शिक्षण सामग्री तैयार कर सकते हैं और विद्यार्थियों के रिपोर्ट कार्ड का त्वरित अध्ययन करने के साथ-साथ उनकी उपस्थिति दर्ज कर सकते हैं।

चैटबॉट शिक्षण विधियों को विद्यार्थी अनुकूल बनाने में सहायता करता है। इसके माध्यम से अभिवावक शिक्षा संबंधी प्रश्नों का समाधान कर सकते हैं।

नगर निगर बोर्ड पर 300 करोड़ के घोटाले का आरोप

देहरादून, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। कांग्रेसी नेता अभिनव थापर ने नगर निगम देहरादून व मेयर सुनील उनियाल गामा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। थापर ने सीधे-सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि संभावित कार्टेल सिस्टम को 300 करोड़ का फायदा पहुंचाया गया है। निगम ने टेंडर में बड़ी अनियमिता की है। टेंडर की शर्तो में न सिर्फ पार्टी के चयन का खेल हुआ मगर हाईकोर्ट के ऑर्डर को तोड़ मरोड़ कर एक्सटेंशन के नाम पर करोड़ों रुपए के कार्य को अपने चहेतों को बिना टेंडर आवंटन किया गया। मीडिया के माध्यम से मेयर सुनील उनियाल गामा ने कहा कि मेरे हाथ में टेंडर देना नहीं है और कुछ गड़बड़ी है तो जाँच बिठाएंगे । मुख्य नगर आयुक्त ने स्वीकार किया है कि वही पुरानी कंपनी को 2022 में पुन: कार्य आवंटन हुआ है।

थापर ने बताया कि मेयर सुनील उनियाल गामा को 11 अगस्त 2023 को होर्डिंग और यूनिपोल घोटाले में संभावित कार्टेल सिस्टम के 300 करोड़ के खेल का तथ्यों सहित पत्र दिया था किन्तु आज 4 महीने बाद भी इस पर नगर निगम ने कोई कार्यवाही नहीं की है।

■ कांग्रेसी नेता थापर ने निगम व मेयर के खिलाफ खोला मोर्चा
■ निगम पर लगाया शिकायत को दबाने का आरोप

अत: मिडिया मेयर और मुख्य नगर आयुक्त के जाँच के बयान के क्रम में अभिनव थापर ने पुन: 28 नम्बर को नगर निगमको अनुस्मारक पत्र जारी कर बताया कि सभी दस्तावेज और फाइल 11 अगस्त .2023 को मेयर और मुख्य नगर अधिकारी के कार्यालय में स्वयं दे दिये थे, किन्तु अभी तक नगर निगम या मेयर ने 4 महीनों से इस पर कोई कार्रवाई नहीं की है। थापर ने पत्र के माध्यम से मेयर और मुख्य नगर अधिकारी को बताया की नगर निगम 1959 अधिनियम में निहित बोर्ड बैठक के अधिकारों के क्रम में 11 अगस्त 2023 के पत्र पर प्रस्ताव अनुमोदित कराकर 30 नवम्बर 2023 को होने वाली अंतिम बोर्ड बैठक में तत्काल निष्पक्ष जाँच के लिए कार्रवाई के लिए आग्रह किया गया।

थापर ने कहा कि नगर निगम के 300 करोड़ के खेल में मेरी फाइल पर 11 अगस्त.2023 से आजतक जाँच से कौन रोक रहा है ?' मेयर और मुख्य नगर आयुक्त को बोर्ड बैठक में शक्तियां निहित है अत: 30 नंवबर 2023 को अंतिम बोर्ड-बैठक में तत्काल जाँज करवाने से रुकना नहीं चाहिए।' अभिनव थापर ने अपने पत्र में यह भी लिखा है कि यदि नगर निगम संभावित कार्टेल सिस्टम होर्डिंग और यूनिपोल टेंडरों में हुए 300 करोड़ के खेल पर जाँच नहीं करवाता है तो वो आने वाले समय मे हाईकोर्ट उत्तराखंड, केंद्रीय जाँज एजेंसी जैसे सीबीआई और ईडी में इस मामले को उठाने का काम करेंगे।

अपने विभाग को छोड़कर, हर विषय पर राय देने में माहिर है बागवानी मंत्री : चेतन बरागटा

शिमला, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। प्रदेश के बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी अपने विभाग को छोड़कर प्रदेश सरकार के हर विषय पर अपनी राय देने में माहिर है, यह बात प्रदेश प्रवक्ता चेतन सिंह बरागटा ने कही। उन्होंने कहा कि बीते सेब सीजन में बागवानी मंत्री ने पॉलिसी डिसिजन लिया कि बागवान पेटी में 24 किलो से उपर सेब नही बेच पाएगा। इस निर्णय को सरकार हिमाचल से बाहर तो छोड़ो हिमाचल प्रदेश की फल मंडियों में भी लागू न करवा पाई। बागवानी मंत्री ने पुरे सेब सीजन के दौरान बागवानो को कन्फ्यूज करके रखा। जनता के सामने इस बात को स्पष्ट करना चाहिए कि एम आई एस के तहत एच पी एम सी और हिमफेड द्वारा खरीदे गए सेबो का भुगतान हो गया है या नही ?

बागवानी में प्रयोग होने वाले उपकरण पर जो सरकार द्वारा सब्सिडी दी जाती थी ,क्या वो सरकार बागवानो को अभी भी दे रही है,ये सारी बाते जनता के समक्ष स्पष्ट होनी आवश्यक है।

इस वर्ष भारी वर्षा के कारण आई आपदा में बागवानों की फसल तबाह हो गई, कई लोगो के तो बागिचे ही उजड्ड गए। क्या उन लोगो को आपने मुआवज़ा दिया,अगर दिया तो कितना दिया ये बागवानी मंत्री को बताना चाहिए क्योकि राजस्व विभाग भी उनके पास है।

चेतन बरागटा ने कहा कि बागवानी मंत्री द्वारा आजकल एक और नेरेटिव जनता में फैलाया जा रहा है कि अगले सीजन में हम यूनिवर्सल कार्टन लाएगे। बागवान जानना चाहता है कि क्या आपने कोरियेटिड मैनुफेकचर्ज (जो कम्पनियां कार्टन बनाती है) से बात कर ली है तथा अन्य प्रदेश की सरकारों से इस विषय पर चर्चा की है। ताकि हिमाचल प्रदेश के साथ अन्य प्रदेशों की फल मंडियों में भी सेब बिना किसी परेशानी से सेब बिक सके। प्रदेश का बागवान ये बात बागवानी मंत्री से जानना चाहता है।

गोला बाजार का बदलेगा स्वरूप: डॉ. धन सिंह

श्रीनगर, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। कैबिनेट मंत्री डा. धन सिंह रावत ने मेडिकल कॉलेज श्रीनगर मे आज श्रीनगर के विकास कार्यों को लेकर अधिकारियो के साथ एक समीक्षा बैठक की। डा. धन सिंह रावत ने समीक्षा बैठक में पुलिस विभाग के अधिकारियों से श्रीनगर में बन रहे पुलिस आवासीय भवनो के कार्यों की जानकारी ली साथ ही अधिकारियों को श्रीनगर नगर निगम क्षेत्र के सुरक्षा के दृष्टिकोण से कुछ और सी. सी. टी. वी. कैमरे लगाने हेतु स्थान चयन कर संख्या भी बताने के लिए कहा, डा. धन सिंह रावत ने उपजिलाधिकारी श्रीनगर को निर्देश करते हुए कहा कि गोला बाजार श्रीनगर की शान है उसके स्वरूप को और अच्छा बनाने हेतु नक्शा बनाया जाए जिससे कार्य को शीघ्र ही प्रारंभ किया जा सके और 2024 के बैंकुठ चतुर्दशी मेले में स्कूल की झाकियां आदि कार्यों को सही तरीके से सम्पन्न किया जा सके, डा. रावत ने श्रीनगर में बन रहे बस स्टेशन के कार्य की जानकारी भी ली जिससे शीघ्र ही उसका उद्घाटन कर आम जनता को उसक लाभ दिलाया जा सके, उन्होंने कहा आने वाले समय में आवास विकास के मैदान को और अच्छा बनाया जायेगा उन्होंने उपजिलाधिकारी को गंगा म्यूजियम बनाने एवं पत्रकार भवन बनाने हेतु जमीन तलाशने के लिए भी निर्देश दिये उन्होंने उपजिला संयुक्त चिकित्सालय के बनने जा रहे डॉ. आवास वाली भूमि पर पार्किंग बनाने की बात भी कही ,डा. रावत ने उपजिलाधिकारी श्रीनगर एवं नगर आयुक्त से नगर निगम क्षेत्र के अन्तर्गत बनाये जाने वाले द्वार , जिम , बारातघर एवं श्रीनगर के पौड़ी चुंगी के दृश्य को भी बदलने हेतु डिजायन तैयार करने को कहा जिससे यहां पर जाम से निजात मिल सके।

राज्यपाल ने लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक करने पर बल दिया

शिमला, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि कैंसर के प्रति लोगों को जागरूक करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि करुणा, सहानुभूति और समुदाय की भावना व्यक्तियों और उनके परिवारों को भावनात्मक सहयोग और ऊर्जा प्रदान कर सकती है क्योंकि उन्हें कैंसर के इलाज के दौरान कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

राज्यपाल आज गेयटी थिएटर, शिमला में सिमला सैनिटेरियम एंड ऑस्पिटल ऑफ सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट्स द्वारा 'कैंसर-एक बढ़ती चिंता' विषय पर आयोजित सम्मेलन में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कैंसर एक चिंताजनक विषय है, जिसने दुनिया भर में अनगिनत व्यक्तियों के जीवन पर असर डाला है और मौजूदा चुनौती बन गया है, जो न केवल नैदानिक व्यक्तियों बल्कि उनके परिवारों, दोस्तों और समुदायों को भी बड़े पैमाने पर प्रभावित

कर रहा है। उन्होंने कहा कि कैंसर अपने विभिन्न रूपों में एक वैश्विक स्वास्थ्य संकट बन गया है और हमें इस पर ध्यान देने, संसाधनों और सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कैंसर में प्रत्येक आंकड़े के पीछे एक व्यक्तिगत कहानी, एक मानवीय चेहरा और इस बीमारी के निरंतर बोझ से प्रभावित एक समुदाय है।

राज्यपाल ने कहा कि हर साल एक करोड़ लोग कैंसर से जान गंवाते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन

■ 'कैंसर-एक बढ़ती चिंता' विषय पर सम्मेलन आयोजित

(डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार कैंसर दुनिया भर में मौत का दूसरा प्रमुख कारण है, जो लगभग छह में से एक मौत के लिए जिम्मेदार है।

उन्होंने कहा कि चिकित्सा प्रगति के अलावा कैंसर का सामना करने वाले लोगों के लिए भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक सहयोग की आवश्यकता है। उन्होंने व्यापक और सहयोगात्मक दृष्टिकोण पर बल देते हुए कहा कि यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम ऐसी स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों की वकालत करें और उनमें निवेश करें जो शुरुआती जांच और हस्तक्षेप को प्राथमिकता देती हैं।

सम्मेलन में यह अवगत करवाया गया कि वर्ष 2020 में इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी), डब्ल्यूएचओ द्वारा जारी विश्व कैंसर रिपोर्ट से पता चला कि एशिया में इस घातक बीमारी के वैश्विक मामलों का 49.3 प्रतिशत हिस्सा है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि 2020 से 2040 तक एशिया में कैंसर के नए मामलों में 59.2 प्रतिशत की वृद्धि होगी। राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम रिपोर्ट, 2020 के अनुसार भारत में कैंसर से पीड़ित लोगों की अनुमानित संख्या लगभग 2.7 मिलियन है और हर साल कैंसर के लगभग 1.39 मिलियन मामले पंजीकृत होते हैं, जिसके 2040 तक बढ़कर 20 लाख होने का अनुमान लगाया गया है।

इससे पहले चिकित्सा निदेशक डॉ. जैकब प्रभाकर चिन्दरुपु ने राज्यपाल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सेवेंथ-डे एडवेंटिस्ट दुनिया में सबसे बड़े प्रोटेस्टेंट स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता हैं और 25 से अधिक देशों में 200 से अधिक अस्पतालों और चिकित्सा सुविधाओं का संचालन करते हैं।

प्रादेशिकी

माफिया भाइयों की एक करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क

फर्रुखाबाद, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। जिला प्रशासन ने माफिया भाइयों की एक करोड़ की संपत्ति कुर्क कर ली है। डीएम के आदेश पर तहसीलदार श्रद्धा पांडे सीओ अमृतपुर रवेद्र नाथ राय अमृतपुर थानाध्यक्ष मीनेश पचौरी एवं कमालगंज थाना अध्यक्ष राजेश राय थाना कमालगंज के ग्राम नगला दाउद पहुंचे। तहसील कर्मचारियों ने ग्राम प्रधान तंजीम बेगम के पति फिरोज उर्फ अन्ना एवं अन्ना के भाई संजय उर्फ सलमान की पांच संपत्तियों की कुर्की की। जिनमें गांव के दो मकान शेखपुर पेट्रोल पंप के निकट भवन सामग्री की दुकान एवं गांव के बाहर खेत शामिल है। तहसीलदार श्रद्धा पांडे ने ने बताया की डीएम के आदेश पर हिस्ट्रीसीटर फिरोज उर्फ अन्ना एवं उसके भाई संजय उर्फ सलमान की पांच संपत्तियां सीज की गई है। जिनकी बाजारू कीमत एक करोड़ है।

डेंगू को लेकर पहले ही जागरूक थी सरकार : योगी

मुख्यमंत्री ने शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन डेंगू के मुद्दे पर अखिलेश यादव को दिया जवाब

लखनऊ, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन डेंगू पर विपक्ष के सवालों का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करारा जवाब दिया। खासकर उन्होंने नेता प्रतिपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज के संबंध में जो वक्तव्य दिया गया है तो याद रखना कि ये डबल इंजन की सरकार है, यह कहती नहीं बल्कि करके भी दिखाती है। दरअसल, नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया था कि सरकारी अस्पतालों में लोगों को डेंगू का इलाज नहीं मिल रहा और लोग प्राइवेट अस्पतालों में इलाज के लिए मजबूर हैं। नेता प्रतिपक्ष और सपा विधायकों के सवालों का जवाब डिप्टी सीएम और हेल्थ मिनिस्टर ब्रजेश पाठक दे रहे थे।

विपक्षी विधायकों के शोर-शराबे के बीच मुख्यमंत्री योगी खड़े हुए और उन्होंने चुन-चुनकर सारे आरोपों का जवाब दिया। योगी ने कहा कि विपक्ष ने डेंगू पर जैसा प्रश्न किया, वैसा ही उसका उन्हें उत्तर मिल रहा है। जब प्रश्न ही उल्टा था तो उस उल्टे प्रश्न को सही करने का प्रयास था। अभी आपने आधा ही जवाब सुना है, पूरा सुनेंगे तो संभवत: पुराना इतिहास याद आने लगेगा। सीएम योगी ने कहा कि डेंगू को लेकर सरकार पहले से ही अवेयर थी। अंतरविभागीय समन्वय से संचारी रोग नियंत्रण के लिए सरकार ने गंभीर प्रयास किया है। आपने सिर्फ डेंगू की

यह डबल इंजन की सरकार है, कहती नहीं करके दिखाती है : योगी आदित्यनाथ

बात की है, लेकिन जब वेक्टर बांड डिजीज की बात करते हैं तो उसमें डेंगू के साथ मलेरिया, चिकनगुनिया, कालाजार जैसी डिडीज भी आती हैं। इन सभी से संबंधित वेक्टर बांड डिजीज हों या वाटर बांड डिजीज हों, इनके उपचार के लिए सरकार के स्तर पर एक समन्वित प्रयास किया गया है। उस समन्वित प्रयास के माध्यम से ही संचारी रोग नियंत्रण के एक विशेष अभियान को वर्ष में तीन बार चलाया जाता है। पहले 15 दिन अवेयरनेस के साथ-साथ अंतरविभागीय समन्वय से स्वास्थ्य विभाग नोडल विभाग होने के नाते सभी अन्य विभागों के समन्वय से इन कार्यक्रमों को नियंत्रित करता है। इसके बाद दस्तक अभियान के माध्यम से डोर टू डोर जाकर यदि कोई भी व्यक्ति बुखार से पीड़ित है तो उसे नजदीक के स्वास्थ्य केंद्र में उपचार की सुविधा दिलाने की व्यवस्था करना शामिल है। मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश में क्षेत्रवार बीमारियों का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश 25 करोड़ आबादी का राज्य है और स्वाभाविक रूप से अलग-अलग क्लाइमेटिक जोन होने के नाते अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग बीमारियां देखने को मिलती हैं। जैसे आप ईस्टर्न यूपी से चलकर के नेपाल की तराई से लेकर सहानपुर तक देखेंगे तो इंसेफेलाइटिस से पूरा क्षेत्र प्रभावित था। अगर आप बरेली और बदायूं के आसपास के क्षेत्र को देखेंगे तो यह मलेरिया से ज्यादा संक्रमित रहता था। वाराणसी से प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर होते हुए फिरोजाबाद और आगरा तक पहुंचेंगे तो यह पूरा क्षेत्र डेंगू से प्रभावित है। बुंदेलखंड क्षेत्र में देखेंगे तो यह पूरा क्षेत्र चिकनगुनिया से प्रभावित है। बिहार से सटे हुए जो क्षेत्र हैं वहां पर कालाजार ज्यादा प्रभावी रूप से देखने को मिलता था। उन्होंने कहा कि आपने सिर्फ डेंगू की चिंता की, डेंगू पूरी तरह से नियंत्रण में हैं जो सरकार के द्वारा समय से उठाए गए कदमों का परिणाम है। योगी ने डेंगू के विषय में कहा कि यह एक प्रकार का फ्लू है। इसका अपना एक साइकिल होता है। मुझे आश्चर्य होता है कि जो सदस्य यह विषय उठा रहे थे वो जब चिल्ला रहे थे तो मुझे उनके स्वास्थ्य की भी चिंता हो रही थी। आपने जो बात कही है, वो ब्लड ट्रिप नहीं है उसको प्लेटलेट्स कहते हैं।

28 हजार करोड़ का अनुपूरक बजट पेश, सपा ने किया बॉयकाट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन बुधवार को वित्त वर्ष 2023-24 का अनुपूरक बजट पेश किया। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना की तरफ से सदन में 28 हजार 760 करोड़ 67 लाख रुपए का बजट प्रस्तुत किया गया। सदन में अनुपूरक बजट पेश करते हुए वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि वित्तीय वर्ष 23-24 में प्रस्तावित अनुपूरक बजट का आकार 28,760.67 करोड़ है। इसमें राजस्व लेखे का व्यय 1946.39 करोड़ रुपए है। पूंजी लेखे का व्यय 9,714 करोड़ रुपए है। प्रस्तावित अनुपूरक मांग में नई मांग की कुल धनराशि 7,421.21 करोड़ रुपए के प्रस्ताव सम्मिलित हैं। चालू योजनाओं में इसके लिए 21,339.46 करोड़ रुपए के प्रस्ताव हैं। अनुपूरक बजट प्रदेश में विकास की गति को और रफ्तार देगा। सरकार की जो तमाम कार्य योजनाएं हैं, यह बजट उनको पूरा करेगा। इस बीच, समाजवादी पार्टी ने बजट का विरोध किया करते हुए बॉयकाट भी किया।

आर्टिफिशिल इंटेलिजेंस व मशीन लर्निंग से लैस होगी चकबंदी प्रक्रिया

लखनऊ, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश की उन्नति के लिए आधुनिक तकनीक को जरिया बनाकर कार्य कर रही योगी सरकार अब प्रदेश में चकबंदी प्रक्रियाओं को सरल, सुलभ और अत्याधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। योगी सरकार ने प्रदेश में भूमि समेकन समेत चकबंदी की तमाम प्रक्रियाओं को मशीन लर्निंग (एमएल) युक्त आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी एडवांस्ड टेक्नोलॉजी बेस्ड सॉफ्टवेयर के जरिए क्रियान्वित करने की तैयारी कर ली है। इस क्रम में, यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा एआई बेस्ड एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) सॉफ्टवेयर के निर्माण व क्रियान्वयन की प्रक्रिया जारी है। इस विशिष्ट सॉफ्टवेयर के डिजाइन, निर्माण, विकास व क्रियान्वयन के लिए टेक्निकल सर्विस प्रोवाइडिंग (टीएसपी) एजेंसी की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है तथा ई-निविदा के जरिए आवेदन मांगे गए हैं। उल्लेखनीय है कि टेक्निकल सर्विस प्रोवाइडिंग एजेंसी द्वारा चकबंदी से जुड़ी प्रक्रियाओं के सरलीकरण के लिए जिस सॉफ्टवेयर का निर्माण किया जा रहा है वह सैटेलाइट इमेजिंग एक्सेस, रोवर सर्वे, डीजीपीएस, नाविक, ब्लॉकचेन डाटा एक्सेस जैसी नेकस्ट जेनरेशन टेक्नॉलोजी से लैस होगा। इसके लागू होने से चकबंदी प्रक्रिया के ऑटोमेशन, डिजिटाइजेशन तथा वाद निस्तारण समेत तमाम कार्यों की पूर्ति त्रुटिरहित व सरल तरीके से हो सकेगी। इस विशिष्ट सॉफ्टवेयर में डाटा संकलन के साथ ही समस्या के निस्तारण के लिए रियल टाइम एक्सेस जैसी सुविधाएं होंगी जिससे प्रॉब्लम सॉल्विंग एबिलिटीज में काफी सुधार होगा। उल्लेखनीय है कि अभी किसी एक गांव में भूमि समेकन की प्रक्रिया पूरी करने में 100 से 1300 दिन लग जाते हैं, वहीं सॉफ्टवेयर के क्रियान्वयन के उपरांत इस प्रक्रिया को मैप व डिजिटाइज्ड रिकॉर्ड्स के एसेसमेंट के जरिए काफी कम समय में पूरा किया जा सकेगा। इसी तरह, चक के एक्सचेंज रेशियो कैल्कुलेशन, एक्सचेंज रेट पैरामीटर इवैल्युएशन तथा वेक्टर मैप पर चक के उकेरे जाने जैसी प्रक्रियाओं को इस सॉफ्टवेयर के जरिया पूरा किया जा सकेगा। टेक्निकल सर्विस प्रोवाइडिंग एजेंसी द्वारा जिस सॉफ्टवेयर का निर्माण किया जा रहा है वह सैटेलाइट इमेजिंग बेस्ड होगा तथा इससे रोवर सर्वे को मैनुअली करने के बजाए डाटा इवैल्युएशन के जरिए बेहद कम समय में सटीकता के साथ पूर्ण किया जा सकेगा।

भूमि समेकन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए उठाए जा रहे कदम

सार संक्षेप

इलाज को सस्ता करने के दवा व्यापारियों ने दिए सुझाव

मरेठ। जिला मेरठ केमिस्टस एंड ड्रगिस्टस एसोसिएशन के पदाधिकारी लंबे समय से महंगे इलाज से जनता को इजाफा दिलाने के लिए आवाज उठाते आ रहे हैं। जिसमें उनका कहना है कि एक तरफ डॉक्टर सत्ता के जय जयकार कर रहे हैं लेकिन दूसरी ओर सरकार द्वारा गरीबों को प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र पर दी जा रही दवाइयो पर क्यों विश्वास नहीं करते। महामंत्री रजनीश कौशल ने बताया कि दिन पर दिन ईलाज महंगा होता जा रहा है। कंपनियां अपने रेटों में अनावश्यक रूप से बढ़ोतरी कर रही है। प्रदेश में ईलाज सस्ता करने के दवाओं के रेट की एम आर पी सभी कंपनियों में लगभग एक समान होनी चाहिए तथा इनके बांड नेम खत्म करके दवाएं सिर्फ साल्ट के रूप में ही बेचने बेची जाएं।

किठौर के दो लोगों को गैंगस्टर में निरुद्ध किया

किठौर। पुलिस ने बुधवार को शासन के आदेश पर दो लोगों के खिलाफनिरोधात्मक कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर में निरुद्ध किया। पुलिस ने बताया कि राधना निवासी नासिर पुत्र महबूब व जानो पुत्र अब्बास मोहल्ला बड़वालियांन किठौर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर में निरुद्ध किया। थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि आरोपीयों के खिलाफ कस्बे के थाने में तीन-तीन मामले दर्ज हैं जो विभिन्न धाराओं में आरोपियों के खिलाफ कस्बे की कोतवाली में दर्ज हैं। जो काफी समय से फरार चल रहे है। यह आदेश जिलाधिकारी के माध्यम से सभी महानगर के थाने को दिए गए हैं।

सुभारती में अंतर महाविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं का आगाज

मेरठ। प्रतियोगिता का आयोजन केरल वर्मा सुभारती कॉलेज ऑफ साइंस द्वारा विश्वविद्यालय खेल समिति के तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति मेजर जनरल डॉ.जी.के.थपलियाल द्वारा 100 मीटर (पुरुष वर्ग) की दौड़ को ध्वज दिखाकर किया गया। कार्यक्रम में साइंस कॉलेज की कार्यवाहक डीन प्रोफेसर डा.रेनू मावी, खेल समिति के सचिव प्रवीण कुमार, विवि के चीफ प्रॉक्टर व साइंस कॉलेज से प्रतियोगिताओं के सचिव डा. शशिराज तेवतिया, शारीरिक शिक्षा विभाग से अतुल तिवारी, साइंस कॉलेज की खेल समिति से अनुज यादव, मंजुल, अमोद कुमार व अंकिता व विभिन्न विभागों से अरविन्द शर्मा, एकता गुप्ता, आफताब आलम, इजराइल, मनोज कुमार आदि के साथ अन्य विभागों व विद्यालयों के छात्र मौजूद रहे।

वाहन चेकिंग अभियान में कई वाहनों के चालान काटे

मवाना। पुलिस ने एसएसपी के आदेश पर बुधवार को थाना तिराहे पर सुबह लगभग 11:00 बजे वाहन चैकिंग अभियान चलाया। इस दौरान तीन मोटर साइकिल बिना नंबर की मिली व आधा दर्जन से अधिक वाहनों के चालान काटे गए। जबकि चैकिंग के दौरान पचास से अधिक लोगों को चेतावनी देकर चलता किया। थाना प्रभारी सुभाष सिंह के नेतृत्व में दारोगा सतेंद्र, प्रमोद कुमार व कांस्टेबल विनीत व कंपनी कमांडर बृजपाल ने थाना तिराहे पर वाहन चैकिंग अभियान चलाया।

छात्र-छात्राओं ने देखी व सीखी रेडियो 90.4 एफएम की प्रक्रिया

मेरठ, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। विनायक विद्यापीठ के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट विभाग द्वारा बीएजेएमसी एवं बीएफए विभाग के छात्र-छात्राओं के लिए रेडियो 90.4 एफएम में एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया, जिसको महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनुप्रिता शर्मा द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, उन्होंने छात्रों को रवाना करते हुए कहा कि हमारा इस भ्रमण को करने का मुख्य उद्देश्य आपको सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान भी देना है जो कि इसी प्रकार के भ्रमण से मिलता है उन्होंने इन छात्रों को इस भ्रमण से अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित किया।

पृथ्वी ही एकमात्र जीवन उपयोगी ग्रह, संरक्षण जरूरी : प्रो. संगीता

मेरठ, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। बुधवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में अर्थशास्त्र विभाग व पाथ एस संस्था के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ किया गया। कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला व अतिथियों द्वारा विद्या की देवी सरस्वती मां के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर संगोष्ठी का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष व संगोष्ठी के ऑर्गनाइजिंग सेक्रेट्री प्रो. अतवीर सिंह के स्वागत उद्बोधन से हुई। तत्पश्चात पाथ एस के अध्यक्ष प्रोफेसर टी के कुंडू ने संगोष्ठी के उद्देश्य के बारे में बताते हुए बढ़ती वैश्विक आर्थिक असमानता के प्रभाव को सामाजिक एवं भौतिक पर्यावरण के लिए चुनौती बताई। इसके बाद दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के

- दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का किया गया शुभारंभ
- बढ़ती वैश्विक आर्थिक असमानता पर्यावरण के लिए चुनौती : प्रो. टी.के.कुंडू
- गरीबी भी हटानी है और पर्यावरण भी बचाना है : प्रो.सुरेंद्र कुमार

विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार ने अपने मुख्य वक्ता के उद्बोधन में औद्योगिक नीति के आर्थिक वृद्धि एवं पर्यावरण की स्वतंत्रता पर प्रभाव को रेखांकित करते हुए कहा कि गरीबी भी हटानी है और पर्यावरण भी बचाना है। इसके बाद विशिष्ट वक्ता के रूप में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रोफेसर एन के तनेजा ने सरकार की पर्यावरण सरंक्षण की सीमाओं की चर्चा करते हुए इसमें एनजीओ एवं जन भागीदारी की उपयोगिता बताते हुए वैश्विक स्तर पर ऐसी राजनीतिक एवं सामाजिक पहल करने की जरूरत पर जोर दिया। इसके उपरांत कॉप हेगन बिजनेस स्कूल ऑफ डेनमार्क की प्रोफेसर आराधना अग्रवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में नॉर्डिक क्षेत्र में विश्व के सबसे उत्तम पर्यावरण संरक्षण के समाधानों का उदाहरण देते हुए वैश्विक स्तर पर ऐसी ही पहल की जरूरत बताई, उन्होंने अर्थशास्त्र में कुजनेट्स कर्व के सिद्धांतों को चुनौती मिलते हुए पाया। दो दिवसीय कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि पृथ्वी ही एकमात्र जीवन उपयोगी ग्रह है इसको हमारे बेहतर भविष्य के लिए संरक्षित करना होगा। उद्घाटन सत्र का समापन प्रोफेसर सुरेंद्र मोर, सचिव पाथ एस द्वारा धन्यवाद ज्ञापित करते हुए किया गया। इसके पश्चात प्लेनेटरी सत्र व टेक्निकल सत्र के दौरान प्रोफेसर लखविंदर सिंह, प्रोफेसर विनोद शर्मा, प्रोफेसर एसपी सिंह, प्रोफेसर भागीरथ पांडा ने विषय पर बारीकी से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान सैकड़ो विद्यार्थी, रिसर्च स्कॉलर सहित प्रोफेसर संजीव शर्मा, प्रोफेसर वीरपाल सिंह, प्रोफेसर संजीव कुमार, प्रोफेसर रविंद्र शर्मा, डॉ. रवि राज, डॉ.भवनीत बत्रा, मनीष राणा आदि उपस्थित रहे।

मान सम्मान के लिए आरपार की लड़ाई लड़ेंगे डॉक्टर

न्यूटिमा अस्पताल प्रकरण

- अस्पताल के पक्ष में उतरा मेरठ नर्सिंग होम एसोसिएशन
- चार दिसंबर को अतुल प्रधान के सामने ही धरना देने की दी चेतावनी

मेरठ, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। न्यूटिमा अस्पताल व सपा विधायक अतुल प्रधान के बीच का विवाद रुकने का नाम नहीं ले रहा है। इस मामले में आईएमए भी अस्पताल का पक्ष रख रहा है। रैली, धरना प्रदर्शन से लेकर उपमुख्यमंत्री तक से मुलाकात की जा चुकी है।

अब अस्पताल के पक्ष में मेरठ नर्सिंग होम एसोसिएशन भी कूद पड़ा है। उधर सपा विधायक की ओर से 4 दिसंबर को अनशन कर धरना देने की बात कही गई है। इसी के जवाब में आईएमए व एसोसिएशन ने भी उनके सामने ही अनशन पर बैठने की चेतावनी दे डाली। अब सपा विधायक से आर-पार की लड़ाई लड़ने की बात कही जा रही है। बुधवार को आईएमए हॉल में मेरठ नर्सिंग होम एसोसिएशन की ओर से पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। मीडिया को संबोधित करते हुए पदाधिकारियों ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि यह लड़ाई पक्ष और विपक्ष की नहीं है बल्कि डॉक्टरों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार की है। यदि कोई व्यक्ति या विधायक अस्पतालों के भीतर घुसकर अराजकता का माहौल पैदा करेगा।

डॉक्टर को भयभीत करेगा तो आईएमए इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। हमारी लड़ाई विधायक से नहीं बल्कि उनके द्वारा की गई अभद्रता से है। विधायक को अगर बिल का भुगतान नहीं करना था या कम कराना था तो उसके लिए आराम से बात की जा सकती थी, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और डाक्टरों को ही चोर, लुटेरे कहकर संबोधित करना शुरू करा दिया। इससे अस्पताल में माहौल खराब हुआ और अन्य मरीजों को इलाज देने में दिक्कतें हुई। उन्हें इस तरह का बर्ताव व भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए था। डाक्टरों को उनकी इस तरह की कार्यशैली ठीक नहीं लगी।

इसीलिए उनके खिलाफ थाने में मामला दर्ज कराया गया। उन्होंने कहा कि यदि डॉक्टर के साथ इस तरह का दुर्व्यवहार होगा और डराया जाएगा तो इस डर के माहौल में मरीजों का उपचार कैसे होगा। यदि सपा विधायक 4 दिसंबर को अनशन पर बैठेंगे तो डॉक्टर भी पीछे नहीं हटेंगे और उनके सामने ही धरना दिया जाएगा।

अमेठी के सवा तीन लाख किसानों को खाद व बीज की किल्लत नहीं होगी : विजय गुप्ता

■ स्वामीनाथ शुक्ल

अमेठी, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के अपर सचिव विजय गुप्ता ने कहा कि अमेठी के किसानों को खाद, बीज की किल्लत नहीं होगी। इसके लिए जिम्मेदारों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिससे किसानों को समय से खाद, बीज मुहैया हो सकें।

गुप्ता ने कहा कि स्मृति ईरानी के सांसद चुने जाने के बाद से किसानों को खाद और बीज के लिए पुलिस की लाठी नहीं खानी पड़ती है। पहले किसानों को खाद और बीज के लिए आधी रात से कतार में खड़े होना पड़ता था। फिर भी एक दिन में खाद बीज नहीं मिलता था। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के संसदीय क्षेत्र अमेठी के चार विधानसभा क्षेत्रों में इफको खाद के 137 केंद्र खुले हैं। जिससे किसानों को नजदीकी केंद्रों पर डीएपी यूरिया मिल जाती है। इफको के क्षेत्राधिकारी शिशुपाल ने बताया कि अमेठी जनपद में डीएपी और यूरिया खाद की कमी नहीं है। किसानों के लिए 137 केंद्र खुले हैं। केंद्रों पर डीएपी, यूरिया दानेदार और नैनो डीएपी, यूरिया तरल उपलब्ध है। लेकिन नैनो डीएपी, यूरिया तरल की पैदावार ज्यादा होती है। बोरी और तरल की कीमत में भी अंतर है। शिशुपाल ने बताया कि डीएपी बोरी 1350 रुपए में है। जबकि नैनो डीएपी तरल छह सौ रुपए बोतल है। दोनों की कीमत में 750 रुपए का अंतर है।

पवित्र अयोध्या की भूमि बौद्धिक सभ्यता व संस्कृति की विरासत : डॉ.अफरोज अहमद

■ ओम प्रकाश सिंह

- गुजरात मॉडल गुणगान के साथ अवध विश्वविद्यालय का 28 वां दीक्षांत संपन्न
- सभी अपने माता-पिता के प्रति आदरभाव रखें यही हमारी संस्कृति : कुलाधिपति
- नहीं आए प्रदेश उच्च शिक्षा के दोनों मंत्री

अयोध्या, 29 नवम्बर, (देशबन्धु)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का 28 वां दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ। कुलाधिपति राज्यपाल के साथ मुख्य अतिथि ने भी केंद्र, प्रदेश व गुजरात माडल का गुणगान किया। कुलाधिपति एवं प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के हाथों स्वर्णपदक पाकर छात्र-छात्राओं के चेहरे खिल उठे। दीक्षांत समारोह में कुल 123 स्वर्णपदक प्रदान किए गए। जिसमें 30 कुलपति स्वर्णपदक, 76 कुलाधिपति स्वर्णपदक एवं दानस्वरूप के रूप में 17 स्वर्णपदक छात्र-छात्राओं को दिए गए।

इसमें 79 स्वर्णपदक के साथ छात्राओं का प्रतिशत 64 रहा। वही 44 स्वर्णपदक छात्रों को मिला इनका प्रतिशत 36 रहा है। प्रदेश में उच्च शिक्षा के दोनों मंत्री समारोह में नहीं आए। विवि के 28 वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण, प्रधान न्यायपीठ, नई दिल्ली के सदस्य डॉ. अफरोज अहमद ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम कण-कण में बसते हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या सिर्फ एक शहर नहीं है बल्कि यह एतिहासिक, सांस्कृतिक एवं हमारे मूल्यों, परंपराओं और आकांक्षाओं का प्रतीक है। यह हमारे स्वर्णिम अतीत का एक प्रमाण है। प्रभु श्री राम की आध्यात्मिक दिव्य जीवन शैली है जो अभी भी मुझे स्पष्ट विजन और दृढ़ विश्वास के साथ पर्यावरण एवं मानवता की बेहतरी के लिए काम करने की यात्रा में मार्गदर्शन करती हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या एक महत्वाकांक्षी समृद्ध वैश्विक शहर है। उनके नेतृत्व ने राज्य में गवर्नेंस के बेहतरी के लिए एवं सामाजिक न्याय की तरफ बदल दिया है। वह विकास के साथ अपने दृष्टिकोण में संस्कृति और प्रकृति परिप्रेक्ष्य को एकीकृत कर रहे हैं। समारोह में डॉ. अफरोज ने उपाधिधारकों से कहा कि अनुभव हमें आकार देते हैं, हमारी शिक्षा हमें सशक्त बनाती है और हमारा जुनून हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा निरंतर देता है। हम संकल्प ले एक बेहतर दुनिया, जो सभी को स्वीकार हो, के निर्माण में योगदान देने के लिए आगे बढ़ेंगे। अध्यक्षीय संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि भारत को आजादी के 100 वर्षों में एक विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का लक्ष्य पूर्ण करना है। यह मार्ग तभी प्रशस्त होगा जब युवा पीढ़ी शिक्षा के उचित मार्ग का चयन कर उस पर आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि समाज में सभी की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। भारत के कृषि प्रधान राष्ट्र है यहां के विश्वविद्यालय में शोध कार्यों को सही दिशा में ले जाने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने गुजरात का उदाहरण देते हुए कहा कि गुजरात राज्य में एक बेहतर जल प्रबंधन से जलापूर्ति सुनिश्चित हो पाई और लम्बे समय के बाद गुजरात राज्य टैंकरराज से मुक्त हो सका है।

यह तभी संभव हो पाया जब एक व्यापक जल नीति तैयार कर नर्मदा नदी के डैम की ऊचाई को बढ़ाने के साथ-साथ सिचाई परियोजनाओं को सही क्रम में विकसित किया गया है। समारोह में कुलाधिपति ने कहा कि सरदार सरोवर डैम पर व्यापक योजनाओं का परिणाम इस प्रकार दिखाई पड़ा कि गुजरात राज्य जल संकट से मुक्त हो गया। समारोह में राज्ययपाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को मिलकर ऐसा कार्य करना है जिससे समाज के सभी वर्गों के जीवन स्तर में व्यापक स्तर पर सुधार हो। उन्होंने कहा कि अभी हम सभी को कार्यप्रणाली में सुधार कर स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य करने की संस्कृति विकसित करनी है। शिक्षण संस्थानों को समाज के सर्वांगीण विकास पर जोर देने के लिए क्रमबद्ध शोध कार्य पर पारदर्शी शोध नीति मार्ग पर आगे चलने की आवश्यकता है। जो भी कार्य करना है उसे दिल से करना है कमियों को दूर करने का निरन्तर प्रयत्न करना पड़ता है। विश्वविद्यालय में शोध कार्यों पर जो कार्य किए जा रहे है। उनसे अभी समाज को व्यापक लाभ नही मिल पा रहा है। शोध कार्यों को धरातल पर कार्य करने के लिए युवाओं को आगे आना है। विकसित राष्ट्रों की तर्ज पर पारदर्शी रणनीति के सहारे ही हम राज्य व राष्ट्र का विकास कर सकते है।

राज्यपाल ने प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को बांटे फल

राज्यपाल ने बीस आंगनबाड़ी केंद्रों को गिफ्ट भेंट किया। इसमें झूले वाले घोड़े, नंबर, एबीसीडी, फल, जानवर, ब्लॉक, पजल्स, प्ले स्टोरी बुक्स, रिंग्स, शैक्षणिक मैप, व्हाइट बोर्ड, डस्टर, कुर्सी, टेबल आदि शामिल है। आधी सामग्री राज भवन ने दिया है और आधी सामग्री की व्यवस्था अवध विश्वविद्यालय ने अपने संसाधनों से किया है। इसके अलावा प्राइमरी के पैंतीस बच्चों को स्कूल बैग दिया गया। जिसमें स्टोरी बुक, पेंसिल बॉक्स, पेंसिल पैकेट, रबर, शार्पनर, पेंसिल कलर सेट, ड्राइंग बुक के साथ खाने के लिए फल का पैकेट रखा था।

'कैसे मुझे तुम मिल गए' में अरिजीत तनेजा के साथ काम करना खुशी का एहसास हैं : सृति झा

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। शो 'कैसे मुझे तुम मिल गए' में अमृता के किरदार में नजर आने वाली एक्ट्रेस सृति झा ने अरिजीत तनेजा के साथ अपनी दोस्ती के बारे में खुलासा किया और कहा कि वे सिर्फ को-स्टार्स नहीं बल्कि बहुत अच्छे दोस्त हैं। उन्हें उम्मीद है कि उनकी दोस्ती और केमिस्ट्री स्क्रीन पर भी बेहतरीन दिखाई देगी। 'कैसे मुझे तुम मिल गए' दो अलग-अलग किरदारों, अमृता और विराट के बीच की लव-स्टोरी है, जिन्हें क्रमश: सृति और अरिजीत ने निभाया है। सृति ने कहा, 'कैसे मुझे तुम मिल गए' का हिस्सा बनना एक रोमांचक अनुभव है और जी टीवी सबसे लंबे समय तक एक घर जैसा रहा है, चैनल पर वापस आना मेरे लिए घर वापसी जैसा है।'

कर्नाटक में सेवानिवृत्त व्यक्ति ने बंजर भूमि में उगाए विलुप्त पेड़-पौधे

कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के कुंडापुरा शहर के पास एक छोटे से गांव सतवाड़ी में एक एकड़ के तीन-चौथाई हिस्से को कवर करने वाली, कभी गहरी खाइयों से चिह्नित, बंजर भूमि के स्थान पर अब फलता-फूलता छोटा जंगल खड़ा है

बेंगलुरु, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। डिसा के नाम से मशहूर दासबेट्टू मथायेस डिसा ने वह कर दिखाया है जिसके बारे में कई लोग सोच भी नहीं सकते। उन्होंने अपनी पूरी सेवानिवृत्ति बचत एक बंजर भूमि खरीदने में खर्च कर दी और विभिन्न प्रकार के जंगली पेड़ लगाए जो विलुप्त होने के कगार पर थे। बंजर भूमि को एक छोटे जंगल में बदलने का डेसा का दृढ़ संकल्प प्रेरणादायक है। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के कुंडापुरा शहर के पास एक छोटे से गांव सतवाड़ी में एक एकड़ के तीन-चौथाई हिस्से को कवर करने वाली, कभी गहरी खाइयों से चिह्नित, बंजर भूमि के स्थान पर अब फलता-फूलता छोटा जंगल खड़ा है। मुंबई में एक साधारण नौकरी से सेवानिवृत्त होने के बाद, 63 वर्षीय डेसा 2017 में जंगल की खेती करने और अपना शेष जीवन अपने मूल क्षेत्र में प्रकृति को समर्पित करने के लिए अपनी पत्नी और बेटे को छोड़कर सतवाड़ी चले गए।

अपने सपनों के जंगल से महज एक किलोमीटर दूर, कुंडापुरा के पास मूडलाकट्टे में रहने वाले डेसा अपने परिवहन के प्राथमिक साधन के रूप में साइकिल पर निर्भर हैं। उनके पास छोटे पेट्रोल इंजन वाली एक छोटी नाव भी है। कुंडापुरा में, वह सक्रिय रूप से प्रकृति प्रेमियों, छात्रों और पत्रकारों के बीच मैंग्रोव वनों के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाते हैं। इसके अतिरिक्त, वह लोगों को तटीय खारे या खारे पानी में उगने वाले छोटे पेड़ों की सुंदरता का पता लगाने के लिए नाव की सवारी पर ले जाकर, स्थानीय लोगों को स्वरोजगार के अवसर प्रदान कर क्षेत्र को एक पर्यटन केंद्र बनाने में योगदान देते हैं। डेसा पौधे लगाकर और पानी देकर अपने गांव की सड़कों को हरा-भरा रखते हैं।

प्रेरणा प्रसिद्ध कन्नड़ लेखक के. शिवराम कारंत के उपन्यास स्वप्नदा होल से मिली। डेसा ने कहा, 'मैं ईसाई समुदाय से हूं। चर्च की भीड़ में शामिल न होने के लिए समुदाय के सदस्यों के शाप के बावजूद, मैंने अपना वीकेंड्स प्रकृति यात्राओं के लिए समर्पित कर दिया।' वह बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी (बीएनएचएस) के लंबे समय से सदस्य हैं, उन्होंने बीएनएचएस के साथ वन्यजीव अध्ययन के लिए देश भर में विभिन्न प्रकृति शिविरों में भाग लिया। वे यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (वाईएचएआई) के लाइफटाइम मेंबर हैं, जो राज्य और राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर कई ट्रैकिंग कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। डेसा ने तेलंगाना सरकार के वन्यजीव विभाग के साथ नल्लामाला जंगल में वन्यजीव अध्ययन के लिए स्वेच्छा से काम किया और विभिन्न ट्रैकिंग कार्यक्रमों में अनगिनत छात्रों और प्रोफेशनल्स का नेतृत्व किया।

भारत ने इस साल पहले नौ महीनों में लगभग हर दिन भीषण मौसमी आपदा देखी: सीएसई

नई दिल्ली, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। भारत में इस साल के पहले नौ महीनों में लगभग हर दिन भीषण मौसमी आपदा देखी गई है - लू और शीत लहर, चक्रवातों और बिजली गिरने से लेकर भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन तक। सेंटर फॉर साइंस एंड इनवायरनमेंट (सीएसई) ने कहा कि 1 जनवरी से 30 सितंबर के बीच 86 प्रतिशत दिनों में ऐसी घटनाओं ने देश पर तीव्र और भयावह प्रभाव डाला। इन आपदाओं में 2,923 लोगों और 92 हजार से अधिक पशुओं की जान गई है; 18.4 लाख हेक्टेयर (एमएचए) फसल क्षेत्र प्रभावित हुआ; और 80 हजार से अधिक घर नष्ट हो गए। अधिक चिंताजनक बात यह है कि सभी संभावनाओं में, ये गणनाएं कम करके आंकी जा सकती हैं - क्योंकि प्रत्येक घटना के लिए डेटा एकत्र नहीं किया जाता है और न ही सार्वजनिक संपत्ति या कृषि के नुकसान की गणना की जाती है। ये आँकड़े सीएसई और डाउन टू अर्थ पत्रिका के 2023 में भारत में चरम मौसम की घटनाओं के नए प्री-सीओपी28 आकलन का हिस्सा हैं, जो मंगलवार को एक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग में जारी किया गया था।

सीएसई महानिदेशक सुनीता नारायण ने मूल्यांकन रिपोर्ट जारी करते हुए कहा, 'भारत 2023: चरम मौसम की घटनाओं का आकलन में देश में चरम मौसम की घटनाओं की आवृत्ति और विस्तारित भूगोल पर एक साक्ष्य आधार बनाने का प्रयास किया गया है। आकलन स्पष्ट रूप से दिखाता है, देश ने 2023 में अब तक जो देखा है वह 'गर्म होती दुनिया में' नया 'असामान्य' है । रिपोर्ट क्या कहती है? भारत में 1 जनवरी से 30 सितंबर तक 273 दिनों में से 235 दिन (86 प्रतिशत से कुछ अधिक) चरम मौसम की घटनाओं का अनुभव हुआ। मध्य प्रदेश ऐसा राज्य था जहां ऐसी घटनाओं की संख्या सबसे अधिक 138 थी। लेकिन मारे गए लोगों की अधिकतम संख्या बिहार में 642 थी। उसके बाद हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में थे: क्रमश: 365 और 341 जानें गईं। पंजाब में सबसे ज्यादा जानवरों की मौत हुई, जबकि हिमाचल प्रदेश में सबसे ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हुए। दक्षिणी क्षेत्र में, केरल में चरम मौसम वाले दिनों की अधिकतम संख्या (67) और मौतें (60) दर्ज की गईं। तेलंगाना में सबसे अधिक 62,000 हेक्टेयर से अधिक फसल क्षेत्र प्रभावित हुआ। इस क्षेत्र में पशुओं की मृत्यु भी अधिक (645) हुई। कर्नाटक को 11 हजार से अधिक घर नष्ट होने के साथ इस मामले में सबसे अधिक नुकसान हुआ। भारत के उत्तर-पश्चिम में, उत्तर प्रदेश में 113 दिन सबसे खराब मौसम वाले थे। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और राजस्थान सभी का प्रदर्शन खराब रहा। पूर्व और उत्तर-पूर्व में, 102 घटनाओं ने असम को तालिका में शीर्ष पर रखा। राज्य ने 159 पशुधन भी खो दिए और 48 हजार हेक्टेयर से अधिक फसल क्षेत्र बर्बाद हो गया। नागालैंड में 1,900 से अधिक घर नष्ट हो गए। जहां जनवरी औसत से थोड़ा गर्म रहा, वहीं फरवरी पिछले सभी रिकॉर्ड को पार कर 122 वर्षों में सबसे गर्म रहा। भारत ने 122 वर्षों में छठी सबसे शुष्क फरवरी और सबसे शुष्क अगस्त का भी अनुभव किया। सीएसई की पर्यावरण संसाधन इकाई की कार्यक्रम निदेशक और इस रिपोर्ट के लेखकों में से एक किरण पांडे कहती हैं। 'रिपोर्ट में तुलनात्मक विश्लेषण पर एक खंड है, जो इंगित करता है कि 2022 की तुलना में 2023 में अधिक तबाही देखी गई है।

'भारत 2023: चरम मौसम की घटनाओं का आकलन में देश में चरम मौसम की घटनाओं की आवृत्ति और विस्तारित भूगोल पर एक साक्ष्य आधार बनाने का प्रयास किया गया : सुनीता नारायण, सीएसई महानिदेशक

पूर्वांचल के किसानों को पपीते की खेती कर रही मालामाल

गोरखपुर, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। पूर्वांचल में गोरखपुर के किसान अब पपीते की खेती कर मालमाल हो रहे हैं। बेलीपार स्थित कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) की पहल ने कृषकों को इसकी खेती के लिए प्रेरित किया है। यदि वैज्ञानिक ढंग से इसकी खेती को बड़े स्तर से किया जाए तो यहां की गरीबी से निजात मिल सकती है। जानकर बताते हैं कि पपीता एक ऐसा फल है जिसकी उपलब्धता लगभग 12 माह रहती है। पर हम बाजार से जो पपीता लेते हैं उसकी आवक अमूमन दक्षिण भारत या देश के अन्य राज्यों से होती है। औषधीय गुणों से भरपूर होने के नाते इसकी मांग भी ठीक ठाक है। इन्हीं संभावनाओं के मद्देनजर गोरखपुर के कुछ किसान बेलीपार स्थित कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस पी सिंह की मदद से पपीते की खेती कर रहें हैं।

गोरखपुर के पिराइच स्थित उनौला गांव के धर्मेंद्र सिंह और बांसगांव तहसील के माहोपार निवासी दुर्गेश मौर्य भी ऐसे ही किसानों में से हैं। बकौल धर्मेंद्र एक एकड़ की खेती में लागत करीब लाख रुपए आई थी।1.5 लाख रुपए की शुद्ध बचत हुई थी। उनके मुताबिक ठंड में फसल की बढ़वार रुक जाती है और अधिक गर्मी में फूल गिरने की समस्या आती है। बाकी समय में पपीते की

खेती संभव है। केवीके के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस. पी. सिंह के मुताबिक पूर्वी उत्तर प्रदेश में जहां जमीन ऊंची है, जल निकासी का बेहतर प्रबंध है, वहां पपीते की खेती संभव है। साल भर इसकी मांग को देखते हुए आर्थिक रूप से भी यह उपयोगी है।

डॉ.एसपी सिंह के मुताबिक पपीता की उन्नत खेती के लिए उचित जल निकास वाली बलुई दोमट भूमि उपयुक्त होती है। पूर्वांचल के बांगर इलाके में ऐसी जमीन उपलब्ध है। पौधों की अच्छी वृद्धि के लिए 22 से 26 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान उपयुक्त होता है। उन्होंने बताया कि पंत पपीता-1, 2, पूसा नन्हा, पूसा ड्वॉर्फ, को-1,2,3 व 4 - इन प्रजातियों में नर व मादा पौधे अलग-अलग होते हैं। रेडलेडी-786, रेडसन ड्वार्फ, पूसा डेलीसियस, पूसा मैजेस्टी, कुर्ग हनीडयू, सूर्या - प्रजातियों के पौधे मादा एवं उभयलिंगी होते हैं जिससे हर पौधे में फलत होती है। पपीता के पौधों का रोपण वर्ष में दो बार अक्टूबर व मार्च में किया जाता है। रोपण के दौरान लाइन से लाइन और पौध से पौध की दूरी दो-दो मीटर रखनी चाहिए। इस तरह से रोपण में प्रति एकड़ करीब 1000 पौधों की जरूरत होगी। कृषि विशेषज्ञ बताते हैं कि मानक दूरी पर 60-60 सेंटीमीटर आकार के गड्ढे खोदकर उनको 15 दिन खुला छोड़ दें। इसके बाद हर गड्ढे में 20 किग्रा सड़ी गोबर खाद, एक किग्रा नीम की खली, एक किग्रा हडडी का चूरा, 5 से 10 ग्राम फ्यूराडान अच्छी तरह मिलाकर गड्ढे को भर दें। जब पौधे नर्सरी में 15 से 20 सेंटीमीटर ऊंचाई के हो जाएं तब रोपाई करें।

तेज हवाओं के चलते गिरा व्हाइट हाउस में नेशनल क्रिसमस ट्री

वाशिंगटन, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। वाशिंगटन डी.सी. में चल रही तेज हवाओं ने व्हाइट हाउस में नेशनल क्रिसमस ट्री को गिरा दिया। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार शाम करीब 4.40 बजे पेड़ एक मजदूर स्ट्रक्चर के ऊपर गिर गया। बाद में इसे ठीक कर लिया गया। बता दें कि नेशनल क्रिसमस ट्री लाइटिंग समारोह गुरुवार को होने वाला है। पूरे मंगलवार के दौरान, डी.सी. क्षेत्र में हवाएं 30 मील प्रति घंटे की रफ्तार से चली। रीगन राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सबसे ज्यादा 40 मील प्रति घंटे से अधिक की गति दर्ज की गई। राष्ट्रीय उद्यान सेवा (एनपीएस) के अनुसार, इस महीने की शुरुआत में एलीप्स पर 40 फुट का नॉर्वे स्प्रूस पेड़ लगाया गया था। एनपीएस ने कहा कि 30 अक्टूबर, 2021 को लगाए गए पिछले पेड़ को 11 नवंबर को नीडल कास्ट फंगल बीमारी के चलते हटा दिया गया था। अमेरिका की राजधानी में हॉलीडे का जश्न पूरे जोरों पर है। प्रथम महिला जिल बाइडेन ने इस हफ्ते व्हाइट हाउस की हॉलीडे की सजावट का अनावरण किया है। सोमवार को सामने आई सजावट में 98 क्रिसमस पेड़, 72 पुष्पमालाएं, 2.8 मील रिबन और इस साल की थीम में 'मैजिक, वंडर और जॉय' के अनुरूप बहुत कुछ शामिल है।

मैंने अब तक अपने करियर में जो भी किया है 'कड़क सिंह' में उससे अलग है : संजना सांघी

मुंबई, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। एक्ट्रेस संजना सांघी, जो अगली बार पंकज त्रिपाठी स्टारर फिल्म 'कड़क सिंह' में नजर आएंगी, ने अपने किरदार के बारे में खुलासा करते हुए बताया कि वह खुद में अपने किरदार साक्षी को कैसे देखती हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक अनिरुद्ध रॉय चौधरी द्वारा निर्देशित, पंकज को एके श्रीवास्तव के रूप में देखा जाएगा, जो भूलने की बीमारी से पीड़ित हैं। वह अपनी याददाश्त वापस पाने की कोशिश करते समय झूठ के जाल में फंस जाता है। इस बारे में बात करते हुए कि यह भूमिका अब तक निभाई गई सभी भूमिकाओं से कितनी अलग है, 27 वर्षीय एक्ट्रेस ने कहा, 'वह एक प्यारी बहन, बेटी और जिम्मेदार बच्ची है, जो जिंदगी के हालातों के चलते अपनी उम्र से बड़ी हो गई है। 'कड़क सिंह' में साक्षी का किरदार एक प्रमुख अभिनेता के रूप में मेरे करियर में किए गए किसी भी किरदार से अलग है।' 'अभी मेरे लिए शुरुआती दिन हैं, लेकिन मैं अपनी हर पसंद के साथ इसके लिए प्रयास करती हूं। मैं अविश्वसनीय रूप से भाग्यशाली महसूस करती हूं, जब फिल्म निर्माता किसी किरदार के लिए मुझ पर भरोसा करते हैं।

धूमधाम से मनाया गया डीपीएस का वार्षिकोत्सव

बच्चों ने क्लासिकल नृत्य नाटिका से सभी को किया मंत्रमुग्ध

ग्रेटर नोएडा, 29 नवम्बर (देशबन्धु)। दिल्ली पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग छह सौ विद्यार्थियों ने विश्वप्रसिद्ध रूसी संगीतकार इलिच त्चिकोवस्की की प्रतिष्ठित कृति 'स्वान लेक-एक अद्भुत बैले' की जीवंत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का उद्देश्य क्लासिकल नृत्य नाटिका 'स्वान नृत्य-रूसी बैले' की प्रस्तुति द्वारा छात्रों को क्लासिकल साहित्य और सांस्कृतिक विरासत से परिचय करवाना था। स्वागत भाषण में विद्यालय की प्राचार्या संध्या अवस्थी ने अतिथियों के प्रति

आभार व्यक्त किया और कहा कि यह वार्षिकोत्सव हमारे छात्रों की प्रतिभा, रचनात्मकता और कड़ी मेहनत का उत्सव है। कला प्रदर्शनी 'आर्ट एक्सप्रेस' तथा स्कूल ऑर्केस्ट्रा दल के द्वारा 'वर्ल्ड यूनियन' भी कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर सम्मानित अतिथियों द्वारा प्रतिभावान विद्यार्थियों को बारहवीं कक्षा की सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उनके अति-उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए गोल्डन बैज दिया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डीपीएस सोसायटी के चेयरमैन बी.के. चतुर्वेदी शामिल हुए। वाइस चेयरमैन वी.के. शुंगलू ने अपने संबोधन में छात्रों के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए विद्यालय परिवार तथा प्राचार्या को शुभकामनाएँ दी। धन्यवाद ज्ञापन उप प्रधानाचार्या ने किया।

हाथ से बुने कपड़ों को ज्यादा पसंद करती हैं सोनम कपूर

मुंबई, 29 नवम्बर (एजेंसियां)। 'प्रेम रतन धन पायो', 'रांझणा', 'नीरजा', 'आयशा' और अन्य फिल्मों में अपने काम के लिए मशहूर एक्ट्रेस सोनम कपूर को हाथ से बने कपड़ों के प्रति गहरा लगाव है और वह ऐसी चीजें खरीदना पसंद करती हैं जो स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाई गई हों, पुरानी हों और दोबारा बेची जाती हों। सोनम विश्व स्तर पर फैशन के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने फैशन आइकन के रूप में कान फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा भी लिया है।

फैशन और कपड़ों के संबंध में अपनी खरीदारी के बारे में बताते हुए, एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे लंबे समय तक चलने वाले प्रोडक्ट रखना पसंद है। पुराने समय में, मेरी मां और दादी महंगी साड़ियों को मलमल के कपड़े में सुरक्षित रखती थीं, मास्टरजी (दर्जी) माप के हिसाब से कपड़े बनाते थे, जूतियां हमारे पैरों में फिट होने के लिए बनाई जाती थीं। मैं भी वही कर रही हूं। आप देखिए, मैं स्थानीय कारीगरों और हस्तनिर्मित वस्तुओं का इस्तेमाल करते हुए बड़ी हुई हूं। मैं जानबूझकर ऐसी वस्तुएं खरीदती हूं जो स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाई जाती हैं, पुरानी होती हैं और दोबारा बेची भी जाती हैं। उन्होंने आगे कहा, 'मैंने ऐसी कोई चीज नहीं खरीदी जिसे मैंने कई बार न पहना हो। मैं जो कुछ भी मैं खरीदती हूं, वह कई सालों तक चलती है।

'ब्रिटेन में विदेशी देखभाल कर्मियों का बड़े पैमाने पर शोषण किया गया'

लंदन, 28 नवम्बर (एजेंसियां)। स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल क्षेत्रों में कमियों को दूर करने के लिए ब्रिटेन में आमंत्रित प्रवासी श्रमिकों का बड़े पैमाने पर शोषण किया जा रहा है, जिनमें से कुछ को प्रति घंटे पांच पाउंड से भी कम वेतन दिया जाता है। यह खुलासा एक रिपोर्ट में हुआ है। द गार्जियन न्यूजपेपर के अनुसार, जून 2023 तक लगभग 78,000 लोगों को यूके (ब्रिटेन) आने और सामाजिक देखभाल में काम करने के लिए वीजा मिला। इनमें से अधिकतर भर्तियां नाइजीरिया, भारत और जिम्बाब्वे से हुई हैं और उनसे अप्रत्याशित शुल्क के रूप में हजारों पाउंड वसूले गए। जब से होम ऑफिस ने देखभाल कर्मियों को कमी व्यवसाय सूची में जोड़ा है, तब से इंग्लैंड में उनमें से 14 प्रतिशत अब गैर-यूरोपीय (ईयू) संघ के देशों (यूके को छोड़कर) से हैं, जबकि सात प्रतिशत यूरोपीय संघ से हैं। जब एक प्रवासी देखभाल कार्यकर्ता ने एनएचएस में नौकरी के लिए जाने की कोशिश की तो एक नियोक्ता ने ट्रेनिंग लागत के लिए 4,000 पाउंड की मांग की और एक अन्य को 'कल्चरल इन्डक्शन' के लिए 395 पाउंड सहित छिपी हुई प्रशासन फीस का सामना करना पड़ा। यूनिसन द्वारा सहायता प्राप्त बोत्सवाना की एक कार्यकर्ता ने कहा कि उसने सप्ताह में छह दिन सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक घरेलू देखभाल में काम किया, लेकिन उसे कानूनी न्यूनतम के आधे से भी कम भुगतान किया गया। काउंसिल केयर कॉन्ट्रैक्ट खोने के बाद कंपनी ने उसे नौकरी से निकाल दिया और अब उसे निर्वासित होने का डर है। नियमों के अनुसार, यदि किसी कर्मचारी को नौकरी से निकाल दिया जाता है, या उनका एंप्लॉयर शट डाउन हो जाता है, तो उन्हें 60 दिनों के भीतर एक नया स्पॉन्सरिंग एंप्लॉयर ढूंढना होगा, अन्यथा एंप्लॉयर को श्रमिकों पर अतिरिक्त पावर देने के लिए निर्वासन का सामना करना पड़ेगा। बोत्सवाना की एक देखभाल कर्मी एनी को केवल छह घंटे के लिए भुगतान किया गया था, जबकि उसने 15 घंटे काम किया था, जिसमें नियुक्तियों की प्रतीक्षा करना और ग्राहकों के बीच ड्राइविंग करना शामिल था। न्यूज रिपोर्ट के अनुसार, इसके अलावा, उसके नियोक्ता (एंप्लॉयर) ने लगातार तीन महीनों तक उसका अधिकांश वेतन रोक लिया, केवल बाद में उसे भुगतान किया, और उसे एक अजनबी के साथ एक कमरा साझा करने के लिए भी कहा। यूनिसन महासचिव क्रिस्टीना मैकएनिया ने कहा, 'प्रवासी देखभाल कर्मचारियों के बिना देखभाल प्रणाली चरमरा जाएगी। इन कार्यकर्ताओं को बदनाम करने से सामाजिक देखभाल संकट को हल करने में कोई मदद नहीं मिलेगी।' द गार्जियन ने मैकएनिया के हवाले से कहा, 'मंत्रियों को इस दुरुपयोग को होने देने में सहभागी बनना बंद करना चाहिए। सरकार को इमिग्रेशन नियमों में सुधार करने की जरूरत है, न कि उन्हें और अधिक कठोर बनाने की।' एक सरकारी प्रवक्ता ने द गार्जियन को बताया कि वे श्रम बाजार में दुर्व्यवहार बर्दाश्त नहीं करते हैं और जहां हम स्पॉन्सरों द्वारा की जा रही शोषणकारी प्रथाओं की पहचान करते हैं तो हम कार्रवाई करते हैं। इसमें उनके लाइसेंस को रद्द करना भी शामिल हो सकता है।

जून 2023 तक लगभग 78,000 लोगों को यूके (ब्रिटेन) आने और सामाजिक देखभाल में काम करने के लिए वीजा मिला

शोषण की ये घटनाएं उस रिपोर्ट के कुछ दिनों बाद आई हैं जब इमिग्रेशन मंत्री रॉबर्ट जेनरिक ने आप्रवासन (इमिग्रेशन) पर अंकुश लगाने के लिए विकल्प तैयार किए हैं, जिसमें देखभाल कर्मियों को आश्रितों को लाने पर प्रतिबंध लगाना या उन्हें एक रिश्तेदार तक सीमित करना शामिल है। गुरुवार को ऑफिस फॉर नेशनल स्टैटिस्टिक्स (ओएनएस) द्वारा प्रकाशित संशोधित अनुमान के अनुसार, दिसंबर 2022 तक यूके का नेट प्रवासन आंकड़ा 7,45,000 तक पहुंच गया, जो ब्रेक्सिट से पहले के स्तर से तीन गुना अधिक है। आंकड़ों के अनुसार, गैर-ईयू इमिग्रेशन में सबसे बड़ा योगदान विशेष रूप से स्वास्थ्य और सामाजिक देखभाल क्षेत्रों में कमी को पूरा करने के लिए काम के लिए आने वाले प्रवासियों का था, जो जून 2022 को समाप्त वर्ष में 23 प्रतिशत से बढ़कर 33 प्रतिशत हो गया। जून तक भारत इमिग्रेशन के लिए शीर्ष तीन गैर-यूरोपीय संघ राष्ट्रीयताओं में से एक था, इस अवधि में 35,091 भारतीय स्वास्थ्य और देखभाल कार्यकर्ता 47,432 रिश्तेदारों को लेकर आए थे।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

टाटा मोटर्स	3.56 प्रतिशत
बजाज फिनसर्व	2.32 प्रतिशत
अल्ट्रासिमको	2.11 प्रतिशत
एनटीपीसी	1.46 प्रतिशत
भारती एयरटेल	1.32 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

आईटीसी	0.58 प्रतिशत
सन फार्मा	0.42 प्रतिशत
आईसीआईसीआई बैंक	0.33 प्रतिशत
पावरग्रिड	0.19 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	0.16 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

रुपया तीन पैसे मजबूत

मुंबई 29 नवंबर (एजेंसियां)। आयातकों और बैंकरों की बिकवाली की बदौलत आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया तीन पैसे मजबूत होकर 83.31 रुपये प्रति डॉलर हो गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 83.34 रुपये प्रति डॉलर रहा था। शुरूआती कारोबार में रुपया दो पैसे सुधरकर 83.32 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान बिकवाली होने से 83.28 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली के दबाव में यह 83.34 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 83.34 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में तीन पैसे मजबूत होकर 83.31 रुपये प्रति डॉलर हो गया।

महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन उपलब्ध कराने को स्वीकृति

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 1261 करोड़ रुपए के प्रावधान से महिला स्वयं सहायता समूहों को ड्रोन प्रदान करने के लिए केंद्रीय योजना को स्वीकृति दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

बैठक के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि यह योजना वर्ष 2024-25 से वर्ष 2025-26 की अवधि में प्रभावी होगी। इस योजना का लक्ष्य वर्ष 2023-24 से वर्ष 2025-2026 की अवधि में कृषि उद्देश्यों के लिए किसानों को सेवाएं प्रदान करने के लिए 15 हजार चयनित महिलाओं को ड्रोन प्रदान करना है। यह योजना महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने और कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक को प्रोत्साहन देती है।

यह योजना कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, उर्वरक मंत्रालय, महिला स्वयंसेवा समूह और प्रमुख उर्वरक कंपनियों के संसाधनों और प्रयासों से लागू की जाएगी। ड्रोन और सहायक उपकरण और सहायक शुल्क की लागत का 80 प्रतिशत, अधिकतम आठ लाख रुपए महिला समूह को दिये जाएंगे। शेष राशि को तीन प्रतिशत की ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा।

महिला स्वयंसेवा समूह से जुड़ी योग्य 18 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिला को 15 दिवसीय प्रशिक्षण के लिए चुना जाएगा। इसमें पांच दिवसीय अनिवार्य ड्रोन पायलट प्रशिक्षण और कृषि उद्देश्य के लिए अतिरिक्त 10 दिवसीय प्रशिक्षण शामिल होगा। कीटनाशकों का प्रयोग, बिजली के सामान, फिटिंग और यांत्रिक कार्यों की मरम्मत करने की इच्छुक महिलाओं को ड्रोन तकनीशियन एवं सहायक के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा।

यह योजना वर्ष 2024-25 से वर्ष 2025-26 की अवधि में प्रभावी होगी। इस योजना का लक्ष्य वर्ष 2023-24 से वर्ष 2025-2026 की अवधि में कृषि उद्देश्यों के लिए किसानों को सेवाएं प्रदान करने के लिए 15 हजार चयनित महिलाओं को ड्रोन प्रदान करना है। यह योजना महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने और कृषि क्षेत्र में ड्रोन तकनीक को प्रोत्साहन देती है :-
अनुराग ठाकुर

स्विगी की फूड डिलिवरी से प्राप्त आय पहली छमाही में 17 प्रतिशत बढ़कर 1.43 अरब डॉलर हुई : प्रोसस

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी के निवेशक प्रोसस ने अपनी वित्तीय फाइलिंग में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही में स्विगी का मुख्य फूड-डिलीवरी व्यवसाय 17 प्रतिशत बढ़कर 1.43 अरब डॉलर हो गया। प्रोसस ने कहा, यह ट्रांजेक्शन करने वाले यूजरों की संख्या में वृद्धि के कारण हुआ।

इसमें कहा गया है, पहली छमाही में मुख्य खाद्य-डिलीवरी से कर पूर्व घाटा 89 प्रतिशत कम हो गया। इसमें मार्जिन और परिचालन उत्तोलन में सुधार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। संयोजन में, यह ग्राहक की सुविधा के लिए भुगतान करने की इच्छा और रेस्तरां की वृद्धि के लिए विज्ञापन करने की इच्छा को दर्शाता है। प्रोसस, जिसके पास स्विगी में 32.7 प्रतिशत हिस्सेदारी है, ने बताया कि व्यापारिक घाटा कम होकर 20.8 करोड़ डॉलर हो गया है।

पिछले वर्ष की पहली छमाही में व्यापारिक घाटा 32.1 करोड़ डॉलर था। कंपनी ने आगे कहा कि त्वरित-वाणिज्य व्यवसाय ने तेजी से प्रगति की है क्योंकि ग्राहकों की ओर से ऑर्डर में वृद्धि हुई है। कंपनी के अनुसार, जून में इंस्टामार्ट की स्टोर संख्या 19 प्रतिशत अधिक रही, जिससे इसकी जीएमवी वृद्धि 63 प्रतिशत रही।

पिछले महीने, अमेरिका स्थित निवेश कंपनी इनवेस्को ने स्विगी का मूल्यांकन लगभग 7.85 अरब डॉलर तक बढ़ा दिया था। इससे पहले मई में, इनवेस्को ने स्विगी की हिस्सेदारी का मूल्यांकन घटाकर लगभग 5.5 अरब डॉलर कर दिया था।

जोमैटो में 3.4 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच रहा एंट ग्रुप का अलीपे : रिपोर्ट

नई दिल्ली। एंट ग्रुप के स्वामित्व वाली डिजिटल पेमेंट्स प्लेटफॉर्म कंपनी अलीपे कथित तौर पर ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो में 3.44 फीसदी हिस्सेदारी बेच रहा है और ब्लॉक डील के जरिए 395 मिलियन डॉलर तक जुटाने की उम्मीद है। वॉल स्ट्रीट जर्नल द्वारा देखी गई टर्म शीट के अनुसार, फ्लोर प्राइस 111.28 रुपये (1.33 डॉलर) प्रति शेयर रखा गया, जो जोमैटो के अंतिम कारोबार मूल्य 113.80 रुपये से 2.2 प्रतिशत कम है। रिपोर्ट में बताया गया है कि एक्सपेक्टेड सेटलमेंट डेट 30 नवंबर है। टर्म शीट के अनुसार, बोफा सिक्योरिटीज और मॉर्गन स्टेनली डील पर प्लेसमेंट एजेंट के रूप में कार्य कर रहे हैं। इस बीच, जोमैटो ने 30 सितंबर को समाप्त तिमाही में प्रॉफिट ऑफ्टर टैक्स (पीएटी) के रूप में 36 करोड़ रुपये दर्ज किया है, जिसके चलते राजस्व 71 प्रतिशत बढ़कर 2,848 करोड़ रुपये हो गया है।

कर्नाटक सरकार ने 3,607 करोड़ रुपये की 62 निवेश परियोजनाओं को मंजूरी दी

बेंगलुरु, 29 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य स्तरीय सिंगल विंडो क्लीयरेंस कमेटी (एसएलएसडब्ल्यूसी) ने राज्य में 10 हजार 755 रोजगार सृजन की क्षमता वाले 3,607.19 करोड़ रुपये के 62 औद्योगिक निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दे दी।

बुधवार को जारी आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि एसएलएसडब्ल्यूसी की बैठक की अध्यक्षता भारी एवं मध्यम उद्योग और बुनियादी ढांचा विकास मंत्री एम.बी. पाटिल ने की। समिति ने 50 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली आठ परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनकी कुल लागत 2,088.44 करोड़ रुपये है। इनमें 6,360 नौकरियां पैदा करने की क्षमता है। कुछ शीर्ष निवेशकों में टेक्सकॉन स्टील्स, हंड्री शुगर्स एंड इथेनॉल प्राइवेट लिमिटेड, ब्रेन लाइफ साइंसेज, अल्पाइन इथेनॉल, विरुपाक्ष लेबोरेटरीज और क्वालकॉम इंडिया शामिल हैं।

कुल 62 प्रस्तावों में से लगभग 51 निवेश परियोजनाएं 15 करोड़ रुपये से 50 करोड़ रुपये के बीच हैं, जिनकी कुल लागत 941.40 करोड़ रुपये है, जो कर्नाटक के भीतर 4,395 रोजगार सृजन की क्षमता का वादा करती है।

समिति द्वारा 577.35 करोड़ रुपये के अतिरिक्त निवेश वाली तीन परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई।

एप्पल ने गोल्डमैन सैक्स के साथ साझेदारी खत्म करने की बनाई योजना

सैन फ्रांसिस्को, 29 नवंबर (आईएएनएस)। एप्पल कथित तौर पर अपने एप्पल कार्ड को लेकर वैश्विक निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स के साथ अपनी साझेदारी समाप्त कर रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, आईफोन निर्माता ने गोल्डमैन सैक्स को एक प्रस्ताव भेजा है, जिसमें अगले 12 से 15 महीनों के भीतर अपनी साझेदारी समाप्त करने को कहा गया है। रिपोर्ट में मंगलवार देर रात कहा गया, एग्जिट करने से उनकी संपूर्ण उपभोक्ता साझेदारी कवर हो जाएगी जिसमें 2019 में कंपनियों द्वारा लॉन्च किए गए क्रेडिट कार्ड और इस साल शुरू किए गए सेविंग्स अकाउंट भी शामिल है। गोल्डमैन सैक्स वर्तमान में एप्पल कार्ड जारी करता है और कंपनी के सेविंग्स अकाउंट को अधिकार देता है।

पहले की रिपोर्ट्स ने संकेत दिया था कि उनकी साझेदारी अच्छी नहीं चल रही है और गोल्डमैन सैक्स ने कथित तौर पर एप्पल कार्ड को अमेरिकन एक्सप्रेस पर उतारने की योजना बनाई थी। डब्ल्यूएसजे की रिपोर्ट में कहा गया है, मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के अनुसार, टेक दिग्गज ने हाल ही में गोल्डमैन को अगले लगभग 12 से 15 महीनों में कॉन्ट्रैक्ट से एग्जिट करने का प्रस्ताव भेजा है। एप्पल या गोल्डमैन सैक्स ने अभी तक रिपोर्ट पर टिप्पणी नहीं की है।

अगस्त में, आईफोन निर्माता ने कहा कि गोल्डमैन सैक्स द्वारा एप्पल कार्ड के सेविंग्स अकाउंट में अप्रैल में लॉन्च होने के बाद से 10 बिलियन डॉलर से अधिक की जमा राशि देखी गई है। सेविंग्स के लॉन्च के बाद से, 97 प्रतिशत कस्टमर्स ने अपने डेली कैश को ऑटोमैटिक रूप से अकाउंट में जमा करने का विकल्प चुना, जिससे यूजर्स आसानी से हेल्दी सेविंग्स की आदतें स्थापित कर सकते हैं और जारी रख सकते हैं। आईफोन पर वॉलेट में निर्मित, एप्पल कार्ड ने आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाकर, सभी शुल्कों को समाप्त कर, यूजर्स को कम ब्याज का भुगतान करने के लिए प्रोत्साहित कर, यूजर्स को एप्पल से अपेक्षित गोपनीयता और सुरक्षा प्रदान कर और हर खरीदारी पर डेली कैश की पेशकश कर क्रेडिट कार्ड एक्सपीरियंस को बदल दिया है।

सार संक्षेप

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर आज अमेरिकी क्रूड 0.54 प्रतिशत उबलकर 76.84 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 82.12 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक का कर्ज सुविधा के लिए वॉटर डॉट ओआरजी से समझौता

बेंगलुरु। उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक (उज्जीवन एसएफबी) ने किफ़ायती कर्ज के माध्यम से लोगों के लिए सुरक्षित जल एवं सेनिटेशन सुविधाओं को अधिक सुलभ बनाने के उद्देश्य से वैश्विक गैर-लाभ संगठन वॉटर डॉट ओआरजी के साथ साझेदारी की है। इस संबंध में बुधवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस साझेदारी के तहत वॉटर डॉट ओआरजी, उज्जीवन एसएफबी को उन क्षेत्रों को पहचानने में मदद करेगी जिन्हें स्वच्छ जल एवं हाइजीनिक सेनिटेशन के लिए फाइनेंसिंग की ज़रूरत है। इसमें वॉटर डॉट ओआरजी तकनीकी सहायता, बाज़ार मूल्यांकन, जानकारी के विकास, शिक्षा एवं संचार सामग्री, निगरनी एवं मूल्यांकन में सहयोग प्रदान करेगी। उज्जीवन एसएफबी नए एवं मौजूदा उपभोक्ताओं को छह हजार रुपए से एक लाख रुपये तक के कर्ज देगी ताकि वे जल एवं सेनिटेशन सुविधाओं का निर्माण या नवीनीकरण कर सकें। उज्जीवन एसएफबी ने पिछले साल 30 करोड़ रुपये के वॉटर एण्ड सेनिटेशन कर्ज वितरित किए थे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस साझेदारी के द्वारा उज्जीवन एसएफबी अगले तीन सालों में किफ़ायती कर्ज देकर 65000 परिवारों के लिए सुरक्षित पेयजल एवं हाइजीनिक सेनिटेशन सुविधाओं को सुलभ बनाएगी। उज्जीवन एसएफबी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), इत्तिरा डेविस ने कहा, ''हमारा उद्देश्य बेहतर सेनिटेशन एवं सुरक्षित जल उपलब्ध कराकर लोगों की जीवनशैली को बेहतर बनाना है, ताकि उनके जीवनस्तर में सुधार लाया जा सके और वे अधिक उत्पादक कामों में समय लग सकेंगे और देश के आर्थिक विकास में योगदान दे सकेंगे। वॉटर डॉट ओआरजी के दक्षिण एशिया क्षेत्र के लिए निदेशक मनोज गुलाटी ने कहा, इस साझेदारी के माध्यम से हम नागरिकों को गरिमामय जीवन जीने में मदद कर सकेंगे।

सेंसेक्स साढ़े चार महीने के उच्चतम स्तर पर

मुंबई 29 नवंबर (एजेंसियां)। विश्व बाजार की गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत आज सेंसेक्स साढ़े चार महीने के उच्चतम स्तर और निफ्टी 20 हजार अंक के पार पहुंच गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 727.71 अंक अर्थात 1.10 प्रतिशत की तूफानी तेजी के साथ साढ़े चार महीने के उच्चतम स्तर 66901.91 अंक हो गया। इससे पहले इस वर्ष 19 जुलाई को यह 67097.44 अंक रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 206.90 अंक यानी 1.04 प्रतिशत की छलांग लगाकर 20 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 20096.60 अंक पर पहुंच गया। दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी जमकर लिवाली हुई। इससे बीएसई का मिडकैप 0.78 प्रतिशत उछलकर 33,975.56 अंक और स्मॉलकैप 0.40 प्रतिशत चढ़कर 39,989.57 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई के कुल 3841 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1916 में लिवाली जबकि 1786 में बिकवाली हुई वहीं 139 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 40 कंपनियां लाभ जबकि 10 नुकसान में रहीं।

बीएसई में कंज्यूमर डयूरेबल्स और रियल्टी समूह की 0.45 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर 18 समूहों में लिवली का जोर रहा। इस दौरान कमोडिटीज़ 0.36, सीडी 0.59, ऊर्जा 0.68, एफएमसीजी 0.45, वित्तीय सेवाएं 1.28, हेल्थकेयर 0.75, इंडस्ट्रियल्स 0.62, आईटी 1.33, दूरसंचार 0.70, यूटिलिटीज़ 0.56,

ऑटो 1.57, बैंकिंग 1.67, कैपिटल गुड्स 0.89, धातु 0.34, तेल एवं गैस 0.99, पावर 0.42, टेक 1.20 और सर्विसेज समूह के शेयर 1.20 प्रतिशत चढ़ गए।

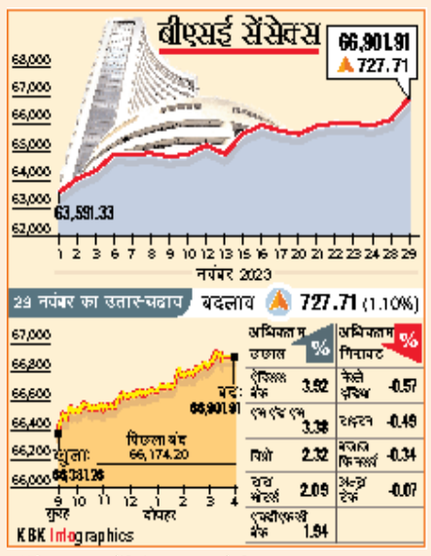

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.11, जापान का निक्केई 0.26, हांगकांग का हैंगसेंग 2.08 और चीन का शंघाई कंपोज़िट 0.56 प्रतिशत लुढ़क गया। वहीं, जर्मनी के डैक्स में 0.95 प्रतिशत की तेजी रही।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 207 अंक की तेजी के साथ 66,381.26 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 66,374.52 अंक के निचले स्तर पर आ गया। वहीं, लिवली शुरू होने से यह लगातार बढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 66,946.28 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 66,174.20 अंक के मुकाबले 1.10 प्रतिशत की उड़ान भरकर 66,901.91 अंक पर रहा। इसी तरह निफ्टी भी 87 अंक बढ़कर 19,976.55 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,956.30 अंक के निचले जबकि 20,104.65 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,889.70 अंक की तुलना में 1.04 प्रतिशत मजबूत होकर 20,096.60 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में एक्सिस बैंक 3.92, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.38, विप्रो 2.32, टाटा मोटर्स 2.09, एचडीएफसी बैंक 1.94, टेक महिंद्रा 1.51, आईसीआईसीआई बैंक 1.44, जेएसडब्ल्यू स्टील 1.39, एचसीएल टेक 1.28, टीसीएस 1.23, इंफ़ोसिस 1.11, एलटी 0.99, भारती एयरटेल 0.94, एसबीआई 0.70, टाटा स्टील 0.67, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.51, आईटीसी 0.46, पावरग्रिड 0.45, एनटीपीसी 0.31, रिलायंस 0.25, मारुति 0.20, बजाज फाइनेंस 0.05 और एशियन पेंट 0.01 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, नेस्ले इंडिया 0.57, टाइटन 0.49, बजाज फ़िंसर्व 0.34 और अल्ट्रासिमको के शेयर 0.07 प्रतिशत के नुकसान में रहे।

सोने की कीमत 7 महीने के उच्चतम स्तर पर

मुंबई, 29 नवंबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बुधवार को सोने की कीमत सात महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। भारत में 24 कैरेट सोने की कीमत 62,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से ऊपर है। अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड यील्ड में गिरावट के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें बढ़ रही हैं। ऐसी उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व आने वाले महीनों में दरों में कटौती कर सकता है। बुधवार सुबह 11.30 बजे तक स्पॉट गोल्ड 0.24 प्रतिशत बढ़कर 2,046 डॉलर प्रति औंस को पार कर गया, जो 5 मई के बाद की सबसे ऊंची कीमत है।

दिसंबर डिलीवरी के लिए अमेरिकी सोना वायदा 0.3 प्रतिशत बढ़कर 2,045.40 डॉलर प्रति औंस हो गया। इस साल की शुरुआत से अब तक सोने की कीमतों में करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है।

भारत के विभिन्न शहरों में सोने की कीमतें अलग-अलग हैं। चेन्नई में 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की उच्चतम कीमत 63,050 रुपये दर्ज की गई, जबकि दिल्ली और मुंबई में यह क्रमशः 62,710 रुपये और 62,560 रुपये है। वैश्विक बाजार में सोने की कीमतें बढ़ रही हैं। प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर में गिरावट जारी है और वर्तमान में यह तीन महीने के निचले स्तर के करीब है, जिससे अन्य विदेशी मुद्राओं में सोना खरीदना सस्ता हो गया है।

कम ब्याज दरों की उम्मीद वित्तीय साधनों को सोने की तुलना में निवेशकों के लिए कम आकर्षक बनाती है, जिसे सुरक्षित निवेश माना जाता है। शादी के मौसम के बीच घरेलू बाजार में सोने की मांग मजबूत बनी हुई है। दुल्हन और दूल्हे को बड़ी मात्रा में सोना धातु उपहार में दिया जाता है।

वनस्पति तेल सस्ता, मसूर व मूंग दाल उतरी

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में आई गिरावट के प्रभाव से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में वनस्पति तेल सस्ता हो गया तथा मसूर दाल और मूंग दाल के भाव गिर गए।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में दिसंबर का पाम ऑयल वायदा 12 रिंगिट फिसलकर 3744 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.32 सेंट की गिरावट के साथ 52.62 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में वनस्पति तेल में 134 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड और पाम ऑयल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में मिश्रित रुझान रहा। इस दौरान मसूर दाल 200 रुपये और मूंग 50 रुपये प्रति क्विंटल उतर है। वहीं,

चना, दाल चना, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दाल-दलहन : चना 6150-6250, दाल चना 7150-7250, मसूर काली 7600-7700, मूंग दाल 9450-9550, उड़द दाल 10400-10500, अरहर दाल 10500-10600 रुपये प्रति क्विंटल रहे।नाज ‍= (भाव

ब्रिक्स महिला उद्योगमंडल का महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने का कार्यक्रम

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। ब्रिक्स वाणिज्य उद्योगमंडल (ब्रिक्स सीसीआई) के महिला उद्यमियों से संबंधित प्रभाग 'ब्रिक्स सीसीआई वी' ने एक वैश्विक महिला नेतृत्व कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य ब्रिक्स और सहयोगी देशों की महिला पेशेवरों और उद्यमियों को सशक्त बनाना है।

ब्रिक्स सीसीआई वी की एक विज्ञप्ति के मुताबिक यह कार्यक्रम शिक्षक-प्रशिक्षक एवं सीख के मॉड्यूल के माध्यम से विभिन्न देशों में चलाया जाएगा। यह महिला सशक्तिकरण पहल और नीतियों पर केंद्रित होगा। इस कार्यक्रम का मॉड्यूल शीटवर्क और थिंकस्टार्टअप के सहयोग से विकसित किया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य ब्रिक्स सीसीआई ब्रिक्स और अन्य साथी सहयोगी देशों में वाणिज्य और उद्योग को बढ़ावा देता है। ब्रिक्स वी वैश्विक महिला नेतृत्व कार्यक्रम महिलाओं को अपने नेतृत्व कौशल को बढ़ाने, वैश्विक संबंधों को बढ़ावा देने और अनुभवी पेशेवरों और वैश्विक नेताओं से मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।

बयान के अनुसार इस पहल में भारत सहित विभिन्न देशों के बड़े नाम जुड़े हैं। इस पहल के उद्घाटन कार्यक्रम के लिए ब्रिक्स सीसीआई के सलाहकार और मार्गदर्शकों में कल्पना शर्मा (पूर्व

अतिरिक्त सचिव, लोकसभा), डॉ. आयशा बिन बिशर (स्मार्ट दुबई कार्यालय की महानिदेशक), निकोल गुयेन (एपीएसी डीएओ, वियतनाम की सह-संस्थापक) जेनी चेन (संस्थापक और सीईओ ए एंड जे कंसल्टिंग इंटरनेशनल), नूपुर झुनझुनवाला (ट्रस्टी और सह-संस्थापक, चेंजिंक) निधि गोयल (प्रबंध भागीदार- अविनव कंसल्टिंग), देबजानी मुखर्जी (संस्थापक- नानिघर) और संजीव शिवेश (सह-संस्थापक, थिंकस्टार्टअप एंड कार्यक्रम निदेशक, यूथ आइडियाथॉन) जैसे नाम शामिल हैं।

उद्घाटन कार्यक्रम में ब्रिक्स और अन्य मित्र देशों की लगभग 25 महिला पेशेवर और उद्यमी व्यवसाय संचालन, वैश्विक बाजार प्रवेश रणनीति, विकास व्यवसाय योजना, व्यक्तिगत विकास योजना और वैश्विक सफलता के लिए नेतृत्वकारी भूमिकों जैसे विषयों पर केंद्रित तीन महीने के गहन शिक्षण और परामर्श मॉड्यूल के लिए एक साथ जुड़ेगी। इस कार्यक्रम में अतिथि वक्ता भी अपने अनुभव और विशेषज्ञता साझा करेंगे, प्रतिभागियों के ज्ञान को बढ़ाएंगे और मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करेंगे। कार्यक्रम साप्ताहिक सत्रों के साथ हाइब्रिड मोड में चलेगा। सफल प्रतिभागियों को ब्रिक्स सीसीआई से प्रमाणन प्राप्त होगा। ब्रिक्स सीसीआई के महानिदेशक डॉ. बीबीएल मधुकर ने कहा, मेरा मानना है कि ब्रिक्स वी वैश्विक महिला नेतृत्व कार्यक्रम जैसी पहल दुनिया भर में महिलाओं के जीवन में वास्तविक बदलाव लाने की क्षमता रखती है। कार्यक्रम की घोषणा करते हुए, ब्रिक्स सीसीआई वी की अध्यक्ष सुश्री रूबी सिन्हा ने कहा, यह कार्यक्रम वैश्विक व्यापार परिदृश्य में महिलाओं के नेतृत्व को आगे बढ़ाने के लिए ब्रिक्स सीसीआई की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को विश्व स्तरीय परामर्श, प्रशिक्षण और संसाधनों तक पहुंच प्रदान करना है। हम महत्वाकांक्षी महिला नेताओं को विकास, ज्ञान और प्रेरणा की इस सशक्त यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करते हैं।

खेल जगत

मैक्सवेल की तकनीक को देखकर दंग रह जाता हूं : आर श्रीधर

गुवाहाटी, 29 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के पूर्व फील्डिंग कोच आर श्रीधर तीसरे टी20 मैच में ग्लेन मैक्सवेल की 47 गेंद में खेली गई शतकीय पारी से हैरान हैं, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने भारत पर पांच विकेट से जीत हासिल की। गुवाहाटी के बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में मैक्सवेल ने नाबाद 104 रन बनाए जिसमें उनका शतक केवल 47 गेंदों में आया। इस तूफानी पारी के दम पर ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली। आर श्रीधर ने कहा, आप मैक्सवेल जैसे खिलाड़ी से ही इस तरह की पारी की उम्मीद कर सकते हैं। हालांकि ऋतुराज की पारी और जेसन बेहरनडॉर्फ के 4 ओवर में (1/12) अन्य शानदार प्रदर्शन थे लेकिन मैक्सवेल की पारी ने ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई। पूर्व फील्डिंग कोच ने कहा, उसे यह विश्वास है कि जब वह बल्लेबाजी करने जाता है तो वह हर समय ऐसा ही कुछ करेगा। मैक्सवेल अपने बल्ले की स्विंग के माध्यम से जिस तरह की शक्ति उत्पन्न करते हैं वह काफी आश्चर्यजनक है।

बीसीसीआई ने द्रविड का कोचिंग कार्यकाल बढ़ाया

- द्रविड़ भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम के हेड कोच बने रहेंगे
- द्रविड़ ने बीसीसीआई के भारतीय टीम के हेड कोच बने रहने का प्रस्ताव स्वीकार किया

नई दिल्ली, 29 नवंबर (देशबन्धु)। राहुल द्रविड़ का भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम के हेड कोच के रूप में करार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को बढ़ाने की घोषणा की। द्रविड़ ने भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम के हेड कोच बने रहेंगे और उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड(बीसीसीआई) के भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच बने रहने के करार को बढ़ाने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। बीसीसीआई ने द्रविड़ के साथ भारतीय क्रिकेट टीम के सपोर्ट स्टाफ - विक्रम राठौर (बल्लेबाजी कोच), पारस म्हाम्बे (गेंदबाजी कोच), टी दलीप(फील्डिंग कोच) का भी करार बढ़ाने की घोषणा की। बीसीसीआई हालांकि अभी यह साफ नहीं किया कि द्रविड़ का यह बढ़ा करार कितने समय के लिए है। फिलहाल माना यह जा रहा है कि यह कम से कम जून, 2024 में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी वन डे क्रिकेट कप के लिए होगा ही। द्रविड़ की भारत के हेड कोच में लगातार दूसरी पहला पड़ाव टीम इंडिया का दक्षिण अफ्रीका दौरा होगा। भारतीय टीम 10 दिसंबर से शुरू होने वाले अपने दक्षिण अफ्रीका दौरे पर उसके घर में उसके खिलाफ तीन टी-20 और तीन वन डे के बाद दो टेस्ट सेंचुरियन(26 दिसंबर से) और कैप टाउन(3 जनवरी) में खेलेगी।,भारत इसके बाद मध्य जूने में टी-20 विश्व कप से पहले इंग्लैंड के खिलाफ अपने घर में पांच टेस्ट मैच की सीरीज खेलेगा।

भारत के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने कहा, % टीम इंडिया के साथ मेरे बीते दो बरस यादगार रहे। हमने साथ मिलकर उतार-चढ़ावों को देखा। टीम इंडिया क साथ इस पूरी यात्रा में पूरे समूह में समर्थन और सौहार्द शानदार रहा। अब वनडे विश्व कप के बाद अब हमारे सामने नई चुनौतियां हैं और हमें सर्वश्रेष्ठ करने को प्रतिबद्ध है। हमने भारतीय क्रिकेट टीम के ड्रेसिंग रूम में ऐसी संस्कृति और माहौल बनाया कि हम जीत के साथ मुश्किलों में डटे रहे। हमारी भारतीय क्रिकेट टीम के पास प्रतिभा और कौशल लाजवाब है। हमारा जोर सही प्रक्रिया का पालन करते और अपनी तैयारियों पर काबिज रहने पर है और जिसका सीधा असर कुल नतीजों पर पड़ता है। मैं बीसीसीआई और उसके पदाधिकारियों का आभारी उन्होंने मुझ पर भरोसा जताया और मेरे दर्शन का समर्थन किया। बतौर हेड कोच आपको बहुत वक्त घर से बाहर ही रहना पड़ता है और इसके लिए मैं अपने परिवार और समर्थन के लिए उसका भी आभारी हूं। पर्दे के पीछे परिवार की भूमिका बेशकीमती है। अब वन डे विश्व कप के बाद अब हमारे सामने नई चुनौतियां हैं और हमें सर्वश्रेष्ठ करने को प्रतिबद्ध हैं।%

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष रॉजर बिन्नी ने कहा, %द्रविड़ की बतौर हेड कोच दूरदर्शिता, उनका पेशेवराना रुचि और जीवट टीम इंडिया की कामयाबी के मजबूत स्तंभ रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच के रूप में आप हमेशा कसौटी पर होते हैं। मैं द्रविड़ की चुनौतियों को स्वीकार करने के साथ उन पर खरा उतरने के लिए उनकी सराहना करता हूं। भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन द्रविड़ के रणनीतिक मार्गदर्शन का प्रमाण है। मैं बेहद खुश हूं कि द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच बने रहने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। यह द्रविड़ और बीसीसीआई के बीच एक दूसरे के लिए सम्मान के साथ यह भी बताता है कि दोनों की सोच भी एक है। मुझे जरा सा भी संदेह नहीं कि द्रविड़ के मार्गदर्शन में भारतीय टीम शिखर पर चढना जारी रखने के साथ नए मानदंड भी बनाएगी।

तीनों फॉर्मेट में टॉप रैंकिंग द्रविड़ की दूरदर्शिता व मार्गदर्शन का नतीजा : जय शाह

बीसीसीआई के मानद सचिव जय शाह ने कहा, राहुल द्रविड़ के भारतीय सीनियर पुरुष क्रिकेट टीम के हेड कोच की नियुक्ति के समय भी मैंने कहा था इस भूमिका को संभालने के लिए उनसे बेहतर कोई व्यक्ति नहीं है। द्रविड़ ने उत्कृष्टता के लिए अपनी गजब की प्रतिबद्धता से खुद को फिर साबित किया है। भारतीय क्रिकेट तीनों फॉर्मेट में बेहद मजबूत टीम है और तीनों फॉर्मेट में हमारी टॉप रैंकिंग सीधे ही द्रविड़ की दूरदर्शिता , मार्गदर्शन और टीम के लिए बनाए खाके का नतीजा है। आईसीसी वन डे विश्व कप में हमारी भारतीय टीम ने फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार से पहले अपने सभी दस मैच जीते। वन डे विश्व कप में हमारी भारतीय टीम अभियान गजब का रहा और इसके लिए हमारी टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ की टीम के अपनी चमक दिखाने के लिए सही मंच स्थापित के लिए सराहना तो की ही जानी चाहिए।

बाबर आजम के खिलाफ गेंदबाजी करना रोमांचक होगा : टॉड मर्फी

मेलबर्न, 29 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया की अगले महीने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले युवा ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी ने पाकिस्तान के बल्लेबाजों के कौशल को स्वीकार किया, और साथ ही कहा कि उनके लिए पाकिस्तान के प्रमुख बल्लेबाज बाबर आजम को गेंदबाजी करना रोमांचक होगा।

मर्फी ने संवाददाताओं से कहा, पाकिस्तान के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को गेंदबाजी करना एक चुनौती होगी। बाबर आजम एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, और पाकिस्तान के शीर्ष क्रम में महान स्तर के खिलाड़ी हैं। मुझे यकीन नहीं है कि बाबर आजम पीएम इलेवन के खिलाफ खेल रहे हैं या नहीं, लेकिन उन्हें गेंदबाजी करना रोमांचक होगा। टेस्ट खेलने वाले देश के खिलाफ खुद को परखने का मौका मिलना हमेशा शानदार होता है। पाकिस्तान के खिलाफ खेलना एक बड़ी चुनौती होगी। पाकिस्तान के पास अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है और मैं इस बयान से सहमत नहीं हूं कि उनके पास कमजोर गेंदबाजी आक्रमण है। ।

इस साल फरवरी में भारत के खिलाफ टेस्ट में पहली बार सात विकेट लेने वाले मर्फी कंधे में दर्द के कारण विक्टोरिया के पिछले दो शेफील्ड शील्ड मैचों में नहीं खेल पाए थे, जो तस्मानिया के खिलाफ मैच में 45 ओवर गेंदबाजी करते समय बढ़ गया था। उन्होंने कहा कि वह अभी भी एक ऑफ स्पिनर के रूप में अपने ऊपर काम के बोझ से अभ्यस्त होने की कोशिश कर रहे हैं।

यह काफी बड़े 12 महीने रहे हैं और कुछ ऐसा है जिसका मुझे सामना नहीं करना पड़ा, इसलिए यह बस इसके माध्यम से खुद को प्रबंधित करने की कोशिश करने के बारे में है। कुछ छोटी-मोटी परेशानियों के साथ चुनौतियां भी आई हैं और मुझे लगता है कि कंधा भी उनमें से एक है। यूके सीरीज़ के बाद यह थोड़ा भड़क गया था, फिर कुछ शील्ड गेम्स के साथ उच्च कार्यभार और कुछ एक दिवसीय क्रिकेट, यह थोड़ा थका हुआ था। इसलिए इस अवसर का उपयोग इसे व्यवस्थित करने और इसे फिर से मजबूत करने का प्रयास करने के लिए किया गया, उम्मीद है कि गर्मियों में बोर्ड भर में काफी व्यस्तता रहेगी और फिर साल खत्म करने के लिए कुछ शील्ड क्रिकेट भी। (मैंने) मन में रखा था कि यह एक है लंबी गर्मी है और मैं खुद को जल्दी जलाना नहीं चाहता।

मर्फी का यह भी मानना है कि पाकिस्तान का गेंदबाजी आक्रमण कागज पर कमजोर नहीं दिखता है और एक स्पिनर के रूप में उनके विकास में अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन की भूमिका को स्वीकार किया है। पाकिस्तान के खिलाफ खेलना एक बड़ी चुनौती होगी। पाकिस्तान के पास एक अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है और मैं इस बयान से सहमत नहीं हूं कि उनके पास कमजोर गेंदबाजी आक्रमण है।

नाथन लियोन एक शीर्ष श्रेणी के खिलाड़ी हैं। वह हमेशा बहुत ज्ञान प्रदान करते हैं, और उनके साथ खेलना एक सीखने का महान अनुभव है। यह हमेशा परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के सामने खेलने का एक शानदार अवसर है। माहौल और समर्थन बताते हैं कि यह एक विशेष अनुभव है।

शिवा थापा और अमित पंघाल ने जीत के साथ की शुरुआत

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने बुधवार को घोषणा की कि भारत अगले साल वेस्टइंडीज में होने वाले पुरुष टी20 विश्व कप के बाद जुलाई से अगस्त 2024 में छह मैचों की सफेद गेंद श्रृंखला के लिए देश का दौरा करेगा। एसएलसी द्वारा जारी पुरुष अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर के अनुसार, श्रीलंका 2024 में 10 टेस्ट, 21 वनडे और 21 टी20 सहित 52 मैच खेलेगा।

हालांकि, एसएलसी को आईसीसी के निलंबन के तहत रखा गया है। फिर भी वे अपनी पुरुष और महिला अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करेंगे। श्रीलंका अपने अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर की शुरुआत जनवरी में जिम्बाब्वे के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से करेगा, जिसमें तीन वनडे और तीन टी20 मैच शामिल होंगे।

फिर, जनवरी-फरवरी के दौरान अफगानिस्तान के खिलाफ एक श्रृंखला होगी जिसमें एक टेस्ट मैच, तीन वनडे और तीन टी20 मैच शामिल होंगे।

2024 पुरुष टी20 विश्व कप के लिए वेस्टइंडीज और यूएसए जाने से पहले टीम सभी प्रारूपों के दौरे के लिए बांग्लादेश जाएगी। सफेद गेंद वाले मैचों के लिए भारत की मेजबानी करने के बाद श्रीलंका तीन टेस्ट मैचों के लिए इंग्लैंड की यात्रा करेगा और उसके बाद सितंबर में दो टेस्ट मैचों के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी। वेस्टइंडीज अक्टूबर में तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलने के लिए श्रीलंका आएगा। जबकि, न्यूजीलैंड भी इतने ही मैच खेलने के लिए श्रीलंका का दौरा करेगी।

इसके बाद श्रीलंका दो टेस्ट मैच खेलने के लिए दक्षिण अफ्रीका जाएगी और न्यूजीलैंड में तीन वनडे और इतने ही टी20 मैच खेलकर अपने साल का अंत करेगी।

विलियमसन ने की विराट की बराबरी, जड़ा 29वां टेस्ट शतक

सिलहट, 29 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज केन विलियमसन ने बुधवार को सिलहट अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में बांग्लादेश के खिलाफ खेलते हुए अपना 29वां टेस्ट शतक जड़कर भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली के टेस्ट शतक की बराबरी की। केन विलियमसन अपने 95वें टेस्ट मैच में 29 टेस्ट शतकों तक पहुंच गए, जो कि विराट कोहली से 16 मैच कम है। विराट ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 111 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था। विलियमसन ने महान डॉन ब्रैडमैन की भी बराबरी की, जिनके संन्यास के समय 52 टेस्ट मैचों में 29 शतक थे। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने 189 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और 205 गेंदों में 104 रन बनाकर तैजुल इस्लाम के हाथों अपना विकेट गंवाया। इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड और श्रीलंका के बाद टेस्ट क्रिकेट में विलियमसन का यह लगातार चौथा शतक था। 2010 में न्यूजीलैंड के लिए डेब्यू करने वाले विलियमसन टेस्ट प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं, जिनके नाम सबसे ज्यादा शतक हैं। 310 रन पर ऑल आउट होने के बाद बांग्लादेश के गेंदबाजों ने दूसरे दिन की शुरुआत में ही अच्छा प्रदर्शन किया। वे शीर्ष तीन कीवी बल्लेबाजों को सिर्फ 98 रन पर आउट करने में सफल रहे। विलियमसन और डेरिल मिचेल की साझेदारी ने टीम को मुश्किल से निकाला। हालांकि, 66 रनों की ठोस साझेदारी के बाद मिचेल ने 41 रन बनाकर ताइजुल इस्लाम के हाथों अपना विकेट खो बैठे। ताइजुल बांग्लादेश के लिए सबसे सफल गेंदबाज रहे, क्योंकि दिन का खेल खत्म होने तक उनके नाम 4 विकेट थे। विलियमसन अपना शतक बनाने के बाद इस्लाम की गेंद पर बोल्ड हो गए और न्यूजीलैंड को बोर्ड पर रन जोड़ने के लिए संघर्ष करना पड़ा। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक न्यूजीलैंड का स्कोर 8 विकेट पर 266 रन था।

सफेद गेंद के खेल से ब्रेक लेंगे विराट कोहली, टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 29 नवंबर (आईएएनएस) भारत के करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली, जो 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे और उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था, कथित तौर पर सफेद गेंद वाले क्रिकेट से ब्रेक ले रहे हैं, लेकिन वह दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे पर दो टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध रहेंगे।

द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 35 वर्षीय कोहली ने बीसीसीआई को बताया कि वह दक्षिण अफ्रीका दौरे पर सफेद गेंद वाले मैचों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे, जो तीन मैचों की टी20 सीरीज के साथ शुरू होगी और उसके बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी। यह दौरा क्रमश: सेंचुरियन और केपटाउन में बॉक्सिंग डे और नए साल के टेस्ट के साथ समाप्त होगा। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया,उन्होंने (कोहली ने) बीसीसीआई और चयनकर्ताओं को सूचित किया है कि उन्हें सफेद गेंद वाले क्रिकेट से ब्रेक की जरूरत है और वह उनसे इस बारे में संपर्क करेंगे कि वह आगे कब सफेद गेंद क्रिकेट खेलना चाहते हैं। फिलहाल उन्होंने बीसीसीआई को सूचित कर दिया है कि वह रेड-बॉल क्रिकेट खेलेंगे, जिसका मतलब है कि वह दक्षिण अफ्रीका में दो टेस्ट मैचों के लिए उपलब्ध हैं। %%

कोहली ने घरेलू मैदान पर पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया और 11 पारियों में तीन शतकों सहित 765 रन बनाए और एक बल्लेबाज द्वारा सबसे अधिक एकदिवसीय शतकों के मामले में महान सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया और वर्तमान में लंदन में छुट्टियों पर हैं। विश्व कप से पहले, कोहली और रोहित शर्मा को सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे से ब्रेक दिया गया था, जिसके बाद दोनों राजकोट में श्रृंखला के अंतिम मैच के लिए लौट आए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कप्तान रोहित के 10 दिसंबर से शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका दौरे पर सफेद गेंद के मैचों के लिए उपलब्ध होने पर अभी तक कोई स्पष्टता नहीं है। कोहली की तरह, रोहित भी विश्व कप के बाद यूनाइटेड किंगडम में ब्रेक पर हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि बीसीसीआई सचिव जय शाह भारतीय टीम के भविष्य के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए जल्द ही रोहित और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर से बात करेंगे।

निश्चित तौर पर ऐसा लगता है कि भारत-ऑस्ट्रेलिया टी20 सीरीज का अवमूल्यन हो गया है : माइकल हसी

गुवाहाटी, 29 नवंबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर माइकल हसी का मानना है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही पांच मैचों की टी20 सीरीज का भारी अवमूल्यन हुआ है, खासकर 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप के समापन के बाद इसके आयोजन के समय के कारण। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 श्रृंखला अहमदाबाद में 2023 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप फाइनल में दोनों टीमों के खेलने के ठीक चार दिन बाद शुरू हुई, जिसे पर्यटकों ने जीता। पिछले साल भी इंग्लैंड के साथ कुछ ऐसा ही हुआ था, जब उन्होंने 2022 पुरुष टी20 विश्व कप जीतने के ठीक चार दिन बाद ऑस्ट्रेलिया में अपनी वनडे सीरीज़ शुरू की थी। गुवाहाटी में तीसरे टी20 के अंत में, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने पांच विकेट से जीता, विश्व कप के छह खिलाड़ी, ट्रैविस हेड को छोड़कर, क्रिस ग्रीन, जोश फिलिप, बेन मैकडरमोट और बेन ड्वारशुइस के साथ स्वदेश लौट आएंगे, जो बाकी रायपुर और बेंगलुरु में दो मैचों के लिए मौजूद रहेंगे। यह विश्व कप को सस्ता नहीं बनाता है लेकिन यह निश्चित रूप से इस श्रृंखला को सस्ता कर देता है। ऐसे कई लोग होंगे जो विश्व कप (दोनों देशों के लिए) में थे, संभवत: उनकी टी20 टीमों में होंगे। वे या तो टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के लिए या बस छुट्टी लेने के लिए घर गए थे।

हसी ने एसईएन रेडियो पर कहा,यह आश्चर्यजनक है कि एक कैलेंडर में इतना क्रिकेट खेलने के लिए कितना (क्रिकेट बोर्ड) पैक होता है।

अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं को भारत में प्रसारित किया जाना चाहिए : नीरज चोपड़ा

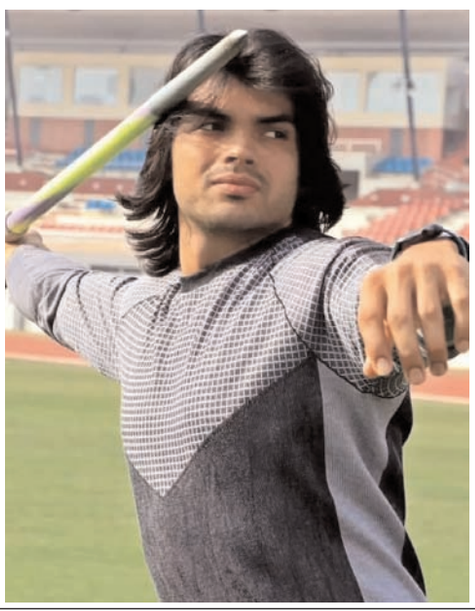

बेंगलुरु, 29 नवंबर (एजेंसियां)। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने बुधवार को ट्रैक और फील्ड को और अधिक आकर्षक बनाने पर जोर दिया और भारतीय अधिकारियों से इसे भारतीय प्रशंसकों के लिए जेब के अनुकूल बनाने के लिए कहा।

आरसीबी इनोवेशन लैब की लीडर्स मीट में वैश्विक खेल नेताओं की सभा को संबोधित करते हुए, नीरज ने भारतीय दर्शकों के बीच ट्रैक और फील्ड की लोकप्रियता को प्रभावित करने वाली बाधाओं पर अपने विचार साझा किए।

नीरज ने कहा, सबसे पहले, मुझे लगता है कि जिन अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हम प्रतिस्पर्धा करते हैं जैसे डायमंड लीग, कॉन्टिनेंटल टूर्स और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप, उन्हें भारत में प्रसारित किया जाना चाहिए। वर्तमान में, हमें केवल हाइलाइट्स देखने को मिलते हैं, हालांकि लोग एथलेटिक्स देखना चाहते हैं, वे रात में 1-2 बजे तक जागते हैं, और एथलीट के खेलने का इंतजार करते हैं, लेकिन देखने में सक्षम नहीं होने के बाद उन्हें निराशा का सामना करना पड़ता है।

नीरज का यह भी मानना है कि खेल ज्ञान और जागरूकता के लिए भारतीय एथलेटिक्स स्पर्धाओं को टेलीविजन पर प्रसारित किया जाना चाहिए।

टीवी पर एथलेटिक्स स्पर्धाओं के प्रसारण से अधिक लोग उन प्रतियोगिताओं को देखना, समझना और उनके बारे में जागरूकता बढ़ाना शुरू कर सकेंगे जिनमें हम प्रतिस्पर्धा करते हैं।

हरियाणा में जन्मे एथलीट के लिए अब तक का साल असाधारण रहा है, उन्होंने इस साल एशियाई खेल 2022 और विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 में स्वर्ण पदक जीता है, और उनसे अगले साल पेरिस ओलंपिक में अपनी टोक्यो ओलंपिक की सफलता को दोहराने की उम्मीद है।

उन्होंने यह भी बताया कि पिछले कुछ वर्षों में भारत का खेल पारिस्थितिकी तंत्र कितना विकसित हुआ है और भारत में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी कैसे एथलेटिक्स के लिए गेम-चेंजर हो सकती है।

प्रशंसकों की भावनाओं को दोहराते हुए, टोक्यो स्वर्ण पदक विजेता ने कहा, अगर केन्या और ग्रेनेडा जैसे देश नियमित रूप से विश्व स्तर पर अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं की मेजबानी कर सकते हैं, तो भारत में भी ऐसा करने की काफी क्षमता है। जब भी मैं विश्व एथलेटिक्स संगठन के लोगों से मिलता हूं तो वे भारत में इस तरह के टूर्नामेंट की मेजबानी करने में रुचि व्यक्त करते हैं, मुझे उम्मीद है कि अगर भारत ऐसे प्रतिस्पर्धी आयोजनों की मेजबानी कर सकता है तो अधिक लोग व्यक्तिगत रूप से ऐसी चैंपियनशिप देख सकते हैं और प्रेरित हो सकते हैं।%%

25 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने जीवन के सबसे यादगार पलों को याद किया। उन्होंने पोलैंड में विश्व जूनियर चैंपियनशिप में जूनियर विश्व रिकॉर्ड थ्रो का जिक्र किया, जिसके बाद टोक्यो ओलंपिक हुआ, जो उनके करियर के मुख्य आकर्षण के रूप में उनके लिए जीवन बदलने वाला क्षण था।

साथ ही, त्योहार की छुट्टी से वापस आने पर अपनी प्रशिक्षण तैयारियों के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा, मेरी तैयारी पिछले कुछ दिनों में जमा हुई अतिरिक्त चर्बी को हटाने के साथ शुरू होगी। जब मैं अपने गृह नगर में था तो मैंने ढेर सारा दूध, घी, चूरमा और मिठाइयाँ खाईं। मैंने इसे नियंत्रित करने की पूरी कोशिश की लेकिन नहीं कर सका। लेकिन मुझे पता है कि जब मैं अपना प्रशिक्षण शुरू कर दूंगा तो मैं 2-3 सप्ताह के समय में आगे बढ़ने में सक्षम हो जाऊंगा।

सार संक्षेप

अगर टेस्ट टीम में चुना जाता है तो वह आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखेंगे : मिचेल मार्श

गुवाहाटी। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिचेल मार्श ने कहा है कि अगर उन्हें पाकिस्तान के साथ पर्थ में होने वाले टेस्ट में चुना जाता है तो वह आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखेंगे। मार्श ऑस्ट्रेलिया की विश्वकप विजेता टीम का हिस्सा थे जहां उन्होंने इस टूर्नामेंट में दो शतकों समेत 441 रन बनाए इसमें 177 रनों उनकी नाबाद पारी भी शामिल है। इससे पहले उन्होंने ऐशेज में कैमरन ग्रीन के चोटिल होने के बाद मौका दिया गया था मार्श ने कहा, पिछले संघर्षों के बाद मैं यहां पर अपने क्रिकेट का लुत्फ़ लेने आया हूं। हां बल्किुल मुझे ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना पसंद है। मैंने बहुत कड़ी मेहनत की थी जिसके बाद मुझे ऐशेज में खेलने का मौक़ा मिला, मैरा बर्ताव यही है कि जो होना होगा, वह होगा। तो मैं जो कर सकता था मैंने वह सब किया। उन्होंने कहा, हमारे पास कई विकल्प हैं, तो जो खेलेगा अपना काम करेगा। अगर मार्श को टीम में लिया जाता है तो वह ऑप्टस स्टेडियम में अपेक्षित उछाल वाली पिच पर पाकिस्तान के तेज़ गेंदबाजों से मुकाबला करने की संभावना को लेकर उत्साहित हैं। यह 60 हजार सीटों वाले स्टेडियम पर चौथा टेस्ट मैच होगा। मार्श के लिए उस मैदान पर पहला टेस्ट मैच होगा, लेकिन बीबीएल में पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए वह कई बार इस स्टेडियम में खेले हैं। उन्होंने कहा, जिस तरह से मैं बल्लेबाजी कर रहा हूं वह नहीं बदलेगा।

वॉर्नर के टेस्ट संन्यास से बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल हो सकता है : मैक्डोनाल्ड

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैक्डोनाल्ड ने संकेत दिया है कि डेविड वार्नर के जनवरी में टेस्ट से संन्यास के बाद बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करते हुए कैम ग्रीन को टीम में शामिल किया जा सकता है। मैक्डोनाल्ड ने स्थानीय रेडियों से बातचीत मे यह बात कही। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ग्रीन एक 'पीढ़ीगत' प्रतिभा बने हुए हैं और ऐसा विश्वास है कि वह बाहर नहीं होंगे। बशर्ते कि पाकिस्तान श्रृंखला के दौरान चोटें न लगें और मिशेल मार्श के शरीर पर काम के बोझ पर कुछ सवालिया निशान बने रहें। पहली रिक्ति वार्नर की टेस्ट से संन्यास के बाद आ सकती है, जिसे उन्होंने जनवरी की शुरुआत में एससीजी टेस्ट के लिए निर्धारित किया है। ऐसा माना जा रहा है कि वॉर्नर के स्थान पर कैमरून बैनक्रॉफ्ट, मार्कस हैरिस या मैट रेनशॉ में से एक टीम में शामिल किया जा सकता है लेकिन मैकडॉनल्ड्स ने पिछले अवसरों का हवाला देते हुए कैम ग्रीन की बात कही है। उन्होंने कहा, टेस्ट टीम में कैम ग्रीन का भविष्य कैसा दिखता है। क्या यह मिच के हटाने का इंतजार करने का मामला है या क्या समय के साथ कोई और स्थान बन सकता है।